You Tube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❒ वर्ष-15 ❒ अंक-170 ❒ सोमवार, 20 जुलाई 2026 ❒ नगर संस्करण ❒ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❒ मूल्य- ₹ 3.00 ❒ पृष्ठ-12

बेहद खुशी की बात है कि विल्नियस में आयोजित 37वें इंटरनेशनल बायोलॉजी ओलंपियाड में भारतीय टीम के सभी चार सदस्यों ने पदक हासिल किए हैं, जिसमें एक स्वर्ण पदक भी शामिल है। उन्होंने भव्य गुनवाल, सौमिल माइती, निशित कलानी और अनमोल कुमार को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। नरेन्द्र मोदी

मप्र कैबिनेट ने समान नागरिक विधेयक-2026 के प्रस्ताव को दी मंजूरी 11

अटल जी के सपनों को मोदी के नेतृत्व में धरातल पर उतारा गया : सम्राट चौधरी 12

संक्षेप

नीट-यूजी स्कोर से जुड़ी आपत्तियों में एआई से बनी ओएमआर शीट पर होगी कानूनी कार्रवाई : एनटीए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने नीट-यूजी परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों के लिए सख्त एडवाइजरी जारी की है। एजेंसी ने कहा है कि नीट स्कोर के अंतर से जुड़ी शिकायतों, आपत्तियों के साथ नकली या कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से बनी ओएमआर शीट जमा नहीं करें। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि ऐसा करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एजेंसी ने बताया कि नीट-यूजी 2026 का परिणाम घोषित होने के बाद, स्कोर में अंतर (एनटीए द्वारा जारी और छात्र द्वारा अनुमानित स्कोर का अंतर) से जुड़ी आपत्तियां और शिकायतें दर्ज की जा रही हैं। एजेंसी के अनुसार, अब तक आई शिकायतों की व्यापक समीक्षा की जा रही है। जांच में साफ हुआ कि कई अभ्यर्थियों ने अपनी शिकायतों के साथ नकली या एआई से बनी ओएमआर शीट जमा की हैं। एजेंसी ने एडवाइजरी में कहा, 'एनटीए सभी शिकायतों की बारीकी से निगरानी और जांच कर रही है।

जीडीपी की रफ्तार तेज रहेगी : डेलॉयट

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष (2026-27) में 6.5 से 6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। डेलॉयट इंडिया ने अपनी ताजा इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष की पहली छमाही में आर्थिक गतिविधियां कुछ धीमी रह सकती हैं, लेकिन दूसरी छमाही में त्योहारी मांग, ब्याज दरों में नरमी और वैश्विक हालात में सुधार से विकास को गति मिलने की उम्मीद है। डेलॉयट ने कहा कि वर्ष 2026 की शुरुआत भारत ने मजबूत आर्थिक आधार के साथ की थी, लेकिन पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अन्य वैश्विक घटनाक्रमों का असर अर्थव्यवस्था पर पड़ा। इससे प्रमुख समुद्री व्यापार मार्ग प्रभावित हुए, जिंसों की कीमतों में उतार-चढ़ाव आया, निवेशकों की चिंता बढ़ी और विदेशी पूंजी निकासी देखने को मिली। इसका असर व्यापार घाटे और रुपये की विनिमय दर पर भी पड़ा।

विशेष आयकर छूट मिलने पर भी रिटर्न भरना जरूरी

नई दिल्ली। आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई नजदीक आ रही है। ऐसे में लाखों करदाता अपने रिटर्न दाखिल करने की तैयारी में जुटे हैं। हालांकि, कई लोगों के मन में सवाल है कि अगर धारा 87ए के तहत मिलने वाली विशेष आयकर छूट (रिबेट) से उनका टैक्स शून्य है तो क्या उन्हें आईटीआर भरने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे मामलों में भी आईटीआर भरना अनिवार्य, क्योंकि कर देनदारी और आईटीआर दाखिल करने की अनिवार्यता दो अलग-अलग बातें हैं, इसलिए कर देनदारी नहीं बनने का मतलब यह नहीं कि रिटर्न भरने से भी छूट मिल जाएगी।

संसद में संग्राम तय

सर्वदलीय बैठक में ही दिखी सियासी तल्खी, सरकार ने सहयोग मांगा तो विपक्ष ने संघर्ष का बिगुल फूंका

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है, लेकिन उससे पहले रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक ने साफ संकेत दे दिए कि आगामी चार सप्ताह तक संसद का माहौल बेहद गर्म रहने वाला है। सरकार जहां विधायी कार्यों को सुचारु रूप से आगे बढ़ाने और विपक्ष से सहयोग की अपील कर रही है, वहीं विपक्ष ने केंद्र सरकार को कई संवेदनशील मुद्दों पर घेरने की रणनीति पहले ही तय कर ली है। सर्वदलीय बैठक के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से अलग हुए सांसदों के समूह को आमंत्रित किए जाने के विरोध में विपक्षी दलों का सांकेतिक वॉकआउट इस बात का संकेत है कि सत्र केवल कानून बनाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राजनीतिक संघर्ष का बड़ा मंच बनेगा।

20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलने वाले इस मानसून सत्र में कुल 19 बैठकें प्रस्तावित हैं। सरकार ने फिलहाल आठ विधेयकों को सूचीबद्ध किया है, लेकिन विपक्ष का कहना है कि जनता से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर पहले चर्चा होनी चाहिए। इनमें राम मंदिर चंदा चोरी प्रकरण, एथेनॉल नीति, राजनीतिक दलों में टूट-फूट, परिसीमन, महंगाई, बेरोजगारी, किसानों के मुद्दे और संघीय ढांचे से जुड़े प्रश्न प्रमुख रहेंगे। रविवार को संसद भवन में करीब तीन घंटे चली सर्वदलीय बैठक की शुरुआत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई, लेकिन कुछ ही देर बाद राजनीतिक विवाद सामने आ गया। विपक्षी दलों ने तृणमूल कांग्रेस से अलग हुए 20 सांसदों के समूह नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) को बैठक में आमंत्रित किए जाने का विरोध किया। विपक्ष का तर्क था कि इन सांसदों की मान्यता का मामला अभी लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष लंबित है, इसलिए उन्हें अलग राजनीतिक इकाई के रूप में आमंत्रित करना संसदीय परंपराओं के विरुद्ध है।

इसी विरोध में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी), आम आदमी पार्टी सहित कई विपक्षी दलों के नेताओं ने कुछ मिनटों के लिए बैठक का सांकेतिक बहिर्गमन किया। बाद में सभी नेता बैठक में लौट आए और चर्चा में भाग लिया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अनदेखी बताया, जबकि शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि बिना अंतिम निर्णय के अलग पहचान देना उचित नहीं है। आम आदमी पार्टी ने भी दल-बदल से जुड़े मामलों में निष्पक्षता की मांग उठाई। बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार संसद को सुचारु रूप से चलाना चाहती है और विपक्ष द्वारा उठाए जाने वाले सभी विषयों पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि संसद की कार्यवाही बाधित होने से किसी का लाभ नहीं होता, बल्कि लोकतंत्र और जनता दोनों का नुकसान होता है।

❒ बागी सांसदों को सर्वदलीय बैठक में अलग आमन्त्रण के विरोध से विपक्ष का सांकेतिक बहिर्गमन

❒ सर्वदलीय बैठक अच्छे माहौल में हुई, संसद चलाने में विपक्ष से सहयोग की अपील : रिजिजू

सरकार के लिए आसान नहीं होगा विधायी एजेंडा

सरकार आठ विधेयकों को पारित कराने की तैयारी में है, लेकिन विपक्ष का रुख देखते हुए यह राह आसान नहीं दिखाई दे रही। यदि विपक्ष सदन में लगातार हंगामा करता है या महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार को घेरता है, तो विधायी कार्य प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि सरकार संख्या बल के आधार पर अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने की स्थिति में है, लेकिन संविधान संशोधन जैसे मामलों में विपक्ष के सहयोग की आवश्यकता बनी रहेगी। विशेष रूप से परिसीमन और महिला आरक्षण जैसे विषयों पर व्यापक राजनीतिक सहमति की जरूरत होगी।

रिजिजू ने यह भी भरोसा दिलाया कि यदि सत्र के दौरान कोई अतिरिक्त विधेयक लाया जाएगा तो उसकी जानकारी पहले ही राजनीतिक दलों को दी जाएगी। उन्होंने विपक्ष से सकारात्मक सहयोग की अपील करते हुए कहा कि संसदीय लोकतंत्र में संवाद ही सबसे बड़ा माध्यम है। हालांकि विपक्ष का कहना है कि केवल आश्वासन पर्याप्त नहीं है, बल्कि सरकार को विवादास्पद विषयों पर स्पष्ट जवाब देना होगा। इस मानसून सत्र में विपक्ष जिस मुद्दे को प्रमुखता से उठाने की तैयारी कर रहा है, उनमें अयोध्या के राम मंदिर से जुड़े कथित चंदा चोरी प्रकरण का मामला भी शामिल है। विपक्ष का ● शेष पेज 11 पर

कॉल प्रबंधन एप्स को डीएनडी का विकल्प दिखाना होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने ट्रूकॉलर समेत अन्य कॉल प्रबंधन ऐप की कार्यप्रणाली पर गंभीर आपत्ति जताई है। ट्राई ने निर्देश दिया है कि वे अपनी स्क्रीन पर कुछ खास सरकारी और बैंकिंग नंबरों के लिए 'फ्रीक्वेंटली ब्लॉक्ड' (ज्यादा ब्लॉक होने वाले नंबर) का टैग दिखाना बंद करें। साथ ही लोगों को डीएनडी का विकल्प दिखाएं ताकि वे अपनी पसंद के अनुसार अनचाही या व्यावसायिक कॉल को बंद कर सकें। ट्राई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इन कंपनियों को 140 और विशेष रूप से 1600 नंबर श्रृंखला पर 'स्पैम' या 'फ्रीक्वेंटली ब्लॉक्ड' (अक्सर ब्लॉक किए जाने वाले) जैसे टैग/टेबल नहीं लगाने चाहिए। ग्राहकों को सुरक्षा देने के लिए ट्राई का अपना डीएनजी फ्रेमवर्क पूरी तरह सक्षम है। ऐसे में ऐप कंपनियों द्वारा अपनी तरफ से कोई भी टैग लगाना ग्राहकों को गुमराह और भ्रमित कर सकता है। ट्राई ने स्पष्ट किया है कि इन कंपनियों को अपनी स्क्रीन पर संदिग्ध टैग दिखाने के बजाय उपभोक्ताओं को यह जागरूक करना चाहिए कि वे ट्राई के आधिकारिक डीएनडी ऐप के जरिए अनचाहे कॉल्स को पूरी तरह ब्लॉक करने के अपने कानूनी अधिकार का उपयोग करें। ट्राई के अनुसार, ट्रूकॉलर जैसी ऐप कंपनियों द्वारा किसी एक नंबर को 'स्पैम' या 'ब्लॉक' फ्लैग करने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता, क्योंकि टेलीमार्केटिंग कंपनियां तुरंत दूसरे नंबर का इस्तेमाल कर लेती हैं। इसके उलट, ट्राई की डू नॉट डिस्टर्ब (डीएनडी) व्यवस्था अधिक प्रभावी है, क्योंकि यह किसी एक नंबर को नहीं, बल्कि व्यावसायिक कॉल की पूरी श्रेणी को ही रोक देती है।

ट्राई का कहना है कि डीएनडी व्यवस्था के तहत उपभोक्ता केवल प्रचार कॉल बंद ही नहीं कर सकते, बल्कि यह भी तय कर सकते हैं कि वे बैंकिंग, स्वास्थ्य, रियल एस्टेट या अन्य किन क्षेत्रों से प्रचार कॉल प्राप्त करना चाहते हैं। इसके अलावा कॉल आने के दिन और समय का चयन भी किया जा सकता है। ट्राई के अनुसार 1600 सीरीज का उपयोग बैंकों, बीमा कंपनियों, वित्तीय संस्थानों और सरकारी विभागों द्वारा सेवा एवं लेनदेन संबंधी कॉल के लिए किया जाता है। इनमें धोखाधड़ी की चेतावनी, ओटीपी सत्यापन, लेनदेन की पुष्टि और सरकारी सूचनाएं जैसी महत्वपूर्ण जानकारी हो सकती है। ऐसे नंबरों पर किसी भी प्रकार ● शेष पेज 11 पर

सख्ती

❒ जरूरी नंबर रोकने के मामले में ट्राई ने ट्रूकॉलर समेत अन्य कंपनियों को दिया निर्देश

असली समस्या कहां है

ट्राई के अनुसार देश में आने वाली 80 प्रतिशत से अधिक अवांछित मार्केटिंग कॉल 140 सीरीज से नहीं, बल्कि सामान्य मोबाइल और लैंडलाइन नंबरों से आती हैं। दूरसंचार कंपनियां ट्राई के निर्देश पर एआई आधारित प्रणाली से प्रतिदिन करीब 26-27 करोड़ ऐसी कॉलों की पहचान कर उन्हें चिह्नित कर रही हैं।

जम्मू में बारिश, बाढ़ का कहर, 11 की मौत

एजेंसी

जम्मू। कश्मीर के पुंछ, राजौरी जिलों में रविवार को मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ में 11 लोगों की मौत हो गई। कई अन्य लापता हैं। सबसे अधिक तबाही पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील में हुई, जहां अधिकांश मौतें हुई हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से बात कर हालात की समीक्षा की और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। मौसम विभाग ने राज्य में 23 जुलाई तक भारी बारिश के आसार जताए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरनकोट के लोअर मुराह गांव में बारिश के कारण रविवार तड़के एक मकान भूस्खलन की चपेट में आ गया। इससे आठ लोग मलबे में दब गए। बचाव दल ने पांच लोगों के शव बरामद किए हैं, जबकि अन्य की तलाश जारी है। वहीं, संगला गांव में अचानक आई बाढ़ में एक ही परिवार के चार सदस्य बह गए। लापता लोगों में अब्दुल हमीद, उनकी पत्नी शरीफा बेगम, बेटी अरीबा और बहन मनीरा बेगम शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, नूनाबंदी गांव में एक मकान ● शेष पेज 11 पर

सैनिकों की मौत के बाद ईरान पर अमेरिका के हमले तेज

एजेंसी

तेहरान। अमेरिका ने जॉर्डन में अपने दो सैनिकों की मौत के बाद ईरान पर हमले तेज कर दिए। उसने रविवार को लगातार आठवीं रात हवाई हमले किए। इसके जवाब में ईरान ने कुवैत स्थित दो अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमले किए।

बहरीन में भी हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजाए गए। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि ईरान के हमले में जॉर्डन में दो अमेरिकी सैनिक मारे गए और एक अन्य अभी लापता है। इन मौतों के साथ 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के हमले से शुरू हुए युद्ध में मारे गए सैन्यकर्मियों की संख्या 16 हो गई है। सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिका ने जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों की हत्या के लिए जिम्मेदार ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड बलों को तुरंत सजा देने के उद्देश्य से हमले किए। वहीं, ईरानी सेना ने कहा कि उसने कुवैत में कैंप उदैरी और अली अल सलेम एयर बेस को निशाना बनाया। उसके मुताबिक कैंप उदैरी में गोला-बारूद के एक डिपो और अली अल सलेम एयर बेस में पैट्रियट रडार तथा हवाई निगरानी प्रणालियों पर हमला किया गया। कुवैत की सेना ने बाद में कहा कि वह ईरान की ओर से किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों के एक और दौर का जवाब दे रही है। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार नए सिरे से शुरू हुई लड़ाई में शुक्रवार तक 50 लोग मारे गए और 500 से अधिक घायल हुए हैं।

ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन ने दक्षिणी ईरान के दरखोविन में निर्माणाधीन परमाणु बिजली संयंत्र के स्थल पर अमेरिकी हमले की निंदा की। हालांकि, उसने यह नहीं बताया कि हमला कब हुआ था। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका को 'भूल न सकने वाला सबक सिखाने का संकल्प लिया। खामेनेई के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार मेजर जनरल मोहसेन रजाई ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने आने वाले दिनों में हमले जारी रखे तो ईरान पूर्ण पैमाने पर आक्रामक अभियान' फिर शुरू कर देगा। कुवैत ने ईरान पर नागरिक ठिकानों और ● शेष पेज 11 पर

ईरान का दावा, अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया

तेहरान। 250 करोड़ रुपये एक एमक्यू-9 ड्रोन की लागत तेहरान, एजेंसी। ईरान ने रविवार को खुजस्तान प्रांत के अहवाज शहर के ऊपर अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। यह दावा ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्न्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है।सरकारी समाचार चैनल प्रेस टीवी के अनुसार यह ड्रोन इराक की सीमा से लगे अहवाज क्षेत्र में गिराया गया। यह दावा ऐसे समय किया गया है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव तेजी से बढ़ गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने ईरान के खिलाफ लगातार आठवीं रात सैन्य कार्रवाई की है। अमेरिकी सेना के अनुसार शनिवार देर रात राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर किए गए हमलों में ईरान की तटीय निगरानी और वायु रक्षा सुविधाओं, समुद्री क्षमताओं तथा मिसाइल और ड्रोन भंडारण स्थलों को निशाना बनाया गया।

ब्लॉक प्रमुख भी बने प्रशासक, आदेश जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में क्षेत्र पंचायत अध्यक्षों (ब्लॉक प्रमुखों) का कार्यकाल रविवार को समाप्त होने के बाद प्रशासनिक व्यवस्था में किसी तरह का व्यवधान न आए, इसके लिए योगी सरकार ने अंतरिम व्यवस्था लागू कर दी है। शासन ने निर्णय लिया है कि नई क्षेत्र पंचायतों के गठन और पहली बैठक होने अथवा अधिकतम छह माह की अवधि तक निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख ही सोमवार से प्रशासक के रूप में कार्य करेंगे। इस संबंध में पंचायती राज विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को शासनादेश जारी कर दिया है।

शासनादेश के अनुसार, उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत अधिनियम-1961 के प्रावधानों के तहत वर्ष 2021 में गठित क्षेत्र पंचायतों का कार्यकाल 19 जुलाई 2026 को समाप्त हो रहा है। नई क्षेत्र पंचायतों के गठन में लगने वाले समय को देखते हुए संबंधित जिलाधिकारी या जिला मजिस्ट्रेट निवर्तमान ब्लॉक प्रमुखों को प्रशासक के रूप में नामित करेंगे, ताकि विकास कार्य और प्रशासनिक गतिविधियां निर्बाध रूप से जारी रह सकें। सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रशासक के रूप में कार्यरत 826 ब्लॉक ● शेष पेज 11 पर

बंगाल की कानून व्यवस्था पर शाह ने की बैठक

गृहमंत्री ने सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों के साथ की बैठक

राज्य की सीमा बांग्लादेश के साथ 2,217 किलोमीटर लंबी है

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेदु अधिकारी के साथ राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर बैठक की। राज्य की सीमा बांग्लादेश के साथ 2,217 किलोमीटर लंबी है और इसकी सीमाएं नेपाल और भूटान से भी लगती हैं। सूत्रों ने बताया कि दक्षिण कोलकाता में हुई इस बैठक में मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल, गृह सचिव संघमित्रा घोष, राज्य पुलिस प्रमुख सिद्धार्थ नाथ गुप्ता और आईजीपी (सीआईडी) एन.आर. बाबू भी शामिल हुए। यह बैठक 'पश्चिम बंगाल सार्वजनिक सुरक्षा और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण अधिनियम' के पारित होने के कुछ हफ्ते बाद हुई है। इस कड़े कानून ने संगठित अपराध, जबरन वसूली, अवैध खनन, साइबर अपराध और सार्वजनिक अव्यवस्था से निपटने के लिए राज्य की शक्तियों को काफी बढ़ा दिया है। राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर गए अमित शाह ने उत्तर बंगाल में ● शेष पेज 11 पर

हर नागरिक को है विश्वास, संकट में साथ खड़ी है सरकार: मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने किया उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मुख्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) मुख्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया। यह भवन 200 करोड़ से अधिक की लागत से बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने प्राधिकरण की वेबसाइट का भी शुभारंभ किया और यहां लगाई गई प्रदर्शनी व भवन का अवलोकन कर कार्यों के बारे में भी विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा संकल्प है कि हर आपदा से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश को ऐसा राज्य बनाना है, जहां प्रत्येक नागरिक यह विश्वास लेकर जीवन जी सके कि संकट की खड़ी में सरकार के साथ वह भी तैयार है। यह नागरिक व राष्ट्रीय कर्तव्य का हिस्सा होना चाहिए। सीएम ने उम्मीद जताई कि यह केंद्र हर नागरिक के मन में नए विश्वास का जागरण करेगा।

सीएम ने कहा कि प्रायः आपदा व जनधन की व्यापक हानि के बाद हम लोग सक्रिय होते हैं और संवेदना व्यक्त करते हैं लेकिन आपदा के प्रति पहले से सतर्कता, तैयारी व जागरूकता जनधन की हानि को न्यूनतम स्तर पर ला सकती है। दैनिक जीवन, स्कूली पाठ्यक्रम व परिवार में संवाद के जरिए इसके बचाव के बारे में बताने की आवश्यकता है। सीएम ने बचपन का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय स्कूल व परिवारों में चर्चा होती थी कि आग, भूकंप, बाढ़ के दौरान क्या सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि इन घटनाओं में असामान्य आचरण नुकसान पहुंचाता है, लेकिन जागरूकता के जरिए इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाया जाए तो जनधन की हानि को नियंत्रित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने घटनाओं को नजरअंदाज करने की प्रवृत्ति को खतरनाक बताया। उन्होंने प्रशिक्षण पर जोर देते हुए कहा कि 45 हजार होमगार्ड की भर्ती प्रक्रिया को पूरा किया जा रहा है। जिन आपदा मित्रों को प्रशिक्षण दिया गया है, उन्हें इस भर्ती में प्राथमिकता देंगे। होमगार्ड को भी आपदा मित्र का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से दिया जाएगा। यह फर्स्ट रिस्पांडर हैं। सरकार इन्हें अच्छी सुविधा, मानदेय, पांच लाख रुपये की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा, घटना-दुर्घटना होने पर परिजनों को लगभग 35-40 लाख रुपये तथा मुख्यमंत्री राहत कोष से पांच लाख रुपये अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराती है। सीएम ने उम्मीद जताई कि सुविधाएं बोझ नहीं बननी चाहिए, बल्कि अपनी सेवा का बेहतर उपयोग समाज के लिए करना चाहिए। सीएम ने कहा कि सामान्य व्यक्ति को भी जागरूकता के जरिए आपदा में राहत उपलब्ध करा सकें। जब आपदा न रहे, तब भी खुद की ट्रेनिंग के साथ ही स्कूलों-कॉलेजों के छात्रों/शिक्षकों व अवकाश के दिनों में जनपद स्तर पर प्रधानाचार्यों का सम्मेलन कर आपदा की सावधानियों से अवगत कराएंगे तो यह देश की बड़ी सेवा होगी। सीएम ने बताया कि बिजनौर में दो वर्ष में 80 लैपर्ड रेस्क्यू किए गए हैं। यह गन्ने के खेत में अधिक पाए जा रहे हैं। लोगों ने उसे शुगर लैपर्ड नाम दिया है। जागरूक न होने पर लोग उसकी चपेट में आ जाएंगे। सीएम ने टाइगर व लैपर्ड के स्वभाव का अंतर बताते हुए कहा कि उसके खतरे वाले क्षेत्र को चिह्नित करके लोगों को अवगत कराएंगे तो बड़ी जनहानि रोकी जा सकती है। यूपी में 4000 से अधिक लोग मानव-वन्य जीव द्वंद्व, 5000 लोग अन्य प्राकृतिक आपदा की चपेट में आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आकाशीय बिजली की घटना में भी जान बचाई जा सकती है। इसके लिए उन्होंने तकनीक ● शेष पेज 11 पर

❒ सीएम ने प्राधिकरण की वेबसाइट का भी शुभारंभ किया

❒ मुख्यमंत्री ने बहराइच में मगरमच्छ की चपेट में आने से बच्चे की मौत पर जताया दुख

❒ सीएम की जनमानस से अपील- घटना का वीडियो बनाने के बजाय बचाव पर दें ध्यान

भारत में शिक्षा पूर्णतया नि:शुल्क थी, अंग्रेजों ने लगाया शुल्क : डॉ. कृष्ण गोपाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने एक संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहाकि भारत में शिक्षा पूर्णतया नि:शुल्क थी। छात्रों को भोजन,वस्त्र,औषधि व पुस्तकें गुरूकुल में नि:शुल्क प्राप्त होती थीं। शिक्षा में शुल्क लगाने का काम अंग्रेजों ने किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में शिक्षा का स्वरूप भिन्न दिशा में जा रहा है। आज देश में बड़े-बड़े हाइवे व एयरपोर्ट बन रहे हैं,लेकिन 80 प्रतिशत समाज उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम नहीं है। इससे समाज में असंतोष उत्पन्न होता है। वह रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में महामना शिक्षण संस्थान के नूतन सत्र के शुभारम्भ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि भारत में आर्थिक व भौतिक उन्नति पर्याप्त थी। दुनिया को व्याकरण,अक्षर ज्ञान, दशमलव, गणित, त्रिकोणमिति, नक्षत्रों की गणना करना, दुनिया को कपड़ा पहनना भारत ने सिखाया। दुनिया में सबसे पहले जहाज भारत ने बनाया। सह सरकार्यवाह ने कहा कि भारत के प्रत्येक गांव में विद्यालय थे। नालंदा,तक्षशिला व विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालय भारत में थे जहां अनेक देशों के विद्यार्थी पढ़ने आते थे। इस्लाम के आक्रमण ने हमारे संस्थानों को नष्ट किया। जब अंग्रेज आये तो उन्होंने भारत की शिक्षा को ही प्रतिबंधित कर दिया। देखते ही देखते भारत निरक्षर देश में बदल गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईआईटी लखनऊ के निदेशक प्रो. अरूण मोहन शेरी ने कहा कि महामना शिक्षण संस्थान समाज को बदलने और समाज को दिशा देने का काम कर रहा है। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों में तनाव व आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में थोड़ा बदलाव की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति दुर्ग सिंह चौहान ने कहा कि शिष्टाचार की जननी माँ होती है। माता–पिता से ही बेटा सीखता है। उन्होंने कहा कि देश की समस्याओं का समाधान शिक्षा में ही है। पौराणिक संस्कारों से ही भारत खड़ा होगा। डॉ. अणिमा जामवाल ने बताया कि महामना पंडित मदन मोहन मालवीय और भाऊराव देवरस इन दो महापुरूषों की प्रेरणा से महामना मालवीय शिक्षण संस्थान चल रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वान्त रंजन,लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.जेपी सैनी,प्रान्त प्रचारक कौशल,पूर्व क्षेत्र प्रचारक शिवनारायण,क्षेत्र के गौरक्षा गतिविधि के संयोजक सामाजिक सदभाव के प्रान्त प्रमुख राजेन्द्र,विभाग प्रचारक अनिल,कैंसर संस्थान के निदेशक प्रो.एमएलबी भट्ट,डा.नवीन जामवाल व डा.संतोष शुक्ला प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पिकअप से पहुंचे चोर, घर से दो भैंसें ले उड़े

निगोहां, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। निगोहां थाना क्षेत्र के बाजपेईखेड़ा मजरा दयालपुर में देर रात पिकअप डाला वाहन से पहुंचे अज्ञात चोरों ने एक घर से दो भैंसें चोरी कर फरार हो गए। घटना की जानकारी सुबह होने पर पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार बाजपेईखेड़ा मजरा दयालपुर निवासी अभिषेक शुक्ला पुत्र बिन्देश्वरी ने तहरीर देकर बताया कि बीती रात अज्ञात चोर पिकअप डाला वाहन लेकर उनके घर पहुंचे और वहां बंधी दो भैंसों को वाहन में लादकर फरार हो गए। सुबह जब परिवार के लोगों ने भैंसें गायब देखीं तो चोरी की घटना का पता चला। पीड़ित की शिकायत पर निगोहां पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ–साथ संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज

नगराम, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगराम थाना क्षेत्र के असलीगढ़ी गांव स्थित प्रेस्बिटेरियन मिशन फील्ड की संपत्ति पर कथित अवैध कब्जा करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में न्यायालय के आदेश पर नगराम पुलिस ने सात नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मा. न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम, लखनऊ के आदेश के अनुपालन में संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। वादी शिवम सिंह पुत्र शिवनाथ सिंह, निवासी तरगांव, जनपद उन्नाव ने आरोप लगाया है कि असलीगढ़ी स्थित प्रेस्बिटेरियन मिशन फील्ड की संपत्ति एवं भवन, जिसके वह अधिकृत स्वामी हैं, पर विपक्षियों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया। विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस मामले में पुलिस ने जितेन्द्र पुत्र सुरेश सिंह, सुधाकर सिंह उर्फ सुधर पुत्र शिवराज सिंह, विशाल, नेहा सिंह, बिन्देश्वरी सिंह, राजेश्वरी सिंह तथा नंदनी सिंह, सभी निवासी ग्राम असलीगढ़ी, थाना नगराम, जनपद लखनऊ को नामजद किया है। नगराम थाना प्रभारी अंजनी सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश के अनुपालन में रविवार को मुकदमा दर्ज किया गया। घटना स्थल असलीगढ़ी गांव बताया गया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक चन्द्रशेखर को सौंपी गई है। नगराम पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों का संकलन कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा विवेचना के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

ऑपरेशन किरण के तहत पति–पत्नी में कराया समझौता

नगराम, लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के जोन दक्षिणी द्वारा संचालित 'ऑपरेशन किरण' अभियान के तहत नगराम थाना पुलिस ने एक पारिवारिक विवाद का सफलतापूर्वक निस्तारण करते हुए एक परिवार को बिखरने से बचा लिया।

पुलिस उपायुक्त जोन दक्षिणी की पहल पर नगराम पुलिस ने पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद में दोनों पक्षों की काउंसलिंग की। इस दौरान उनकी बातों को गंभीरता से सुनते हुए आपसी संवाद स्थापित कराया गया और सकारात्मक परामर्श दिया गया। काउंसलिंग के बाद दोनों पक्ष अपने मतभेद भुलाकर साथ रहने के लिए सहमत हो गए। समझौता होने के बाद नगराम पुलिस ने दोनों को आपसी प्रेम, विश्वास और सौहार्द के साथ नया जीवन शुरू करने की शुभकामनाएं देते हुए सकुशल उनके घर रवाना किया। नगराम पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन किरण का उद्देश्य संवाद, काउंसलिंग और आपसी सहमति के माध्यम से पारिवारिक विवादों का शांतिपूर्ण समाधान कर परिवारों को टूटने से बचाना तथा समाज में आपसी विश्वास और सौहार्द का वातावरण बनाए रखना है।

दो फरार वारंटी गिरफ्तार, जेल गए

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ। न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट के अनुपालन में नगराम थाना पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

थाना प्रभारी अंजनी कुमार सिंह के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने रविवार को ग्राम दुल्हापुर हुसैनाबाद में दबिश देकर वारंटी अभियुक्त सत्यनाम रावत पुत्र हरीराम तथा दिनेश कुमार गोस्वामी पुत्र भोला गोस्वामी को उनके घर से गिरफ्तार किया। दोनों अभियुक्त संबंधित मामलों में न्यायालय की निर्धारित तिथियों पर लगातार अनुपस्थित चल रहे थे, जिसके चलते उनके विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी किए गए थे। पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद दोनों अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक राकेश कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक राम हरीश यादव तथा कांस्टेबल सुजीत कुमार शामिल रहे। थाना प्रभारी अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि न्यायालय से जारी वारंटों के अनुपालन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करने वाले वारंटियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और कानून से बचने का प्रयास करने वाले किसी भी अभियुक्त को बख्शा नहीं जाएगा।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने की अपील की

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने की अपील की है। रविवार को उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए यह बात छात्रों और उनके अभिभावकों को संबोधित करते हुए कही है।

अखिलेश ने अपनी पोस्ट में लिखा कि जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने की युवाओं और उनके अभिभावकों की मुहिम में, हम सब पूरी तरह से आपके साथ हैं। बदले की भावना में जल रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार जौहर यूनिवर्सिटी को अपनी संकीर्ण राजनीति का शिकार बनाने की कोशिश न करे। इस दुर्भावनापूर्ण पक्षपाती फ़ैसले के ख़िलाफ़, हमारे साथ हमारा छोटे-से-छोटा कार्यकर्ता, समर्थक, बड़े-से-बड़ा नेता और वो सब हज़ारों बच्चे व उनके मेहनतकश माता-पिता भी हैं जिनके सपने पर बुलडोज़र चलाने की निकृष्ट कोशिश भाजपा सरकार कर रही है।

हर विश्वविद्यालय शिक्षा का मंदिर होता है, हम 'शिक्षा के मंदिर' को बचाने के लिए देश भर से अपील करते हैं कि वो हमारे साथ आएं। विश्वविद्यालय में हर समाज के बच्चे पढ़ते हैं, क्या भाजपा अब हर समाज के युवाओं के विरुध्द हो गई है। भाजपा का अहंकार ही ये सब गलत काम करा रहा है। अगर कहीं कुछ काग़ज़ी कमी है भी तो उसके काग़ज़ पूरे करके यूनिवर्सिटी को बचाया जाए और स्टूडेंट्स के भविष्य को भी। यहाँ ग़रीबों के बच्चे पढ़ते हैं, जिनके पास इतना पैसा नहीं होता कि वो भाजपाइयों की तरह अपने बच्चों को महँगे विश्वविद्यालय या विदेशों में पढ़ा सकें। जिनके न परिवार हैं न बच्चे,वो परिवारवालों का दर्द क्या जानें। अगर भाजपा के मन में बच्चों, युवाओं, उनके परिवार-परिजनों व समाज के लिए रत्ती भर भी सहानुभूति होती तो वो ज़ुल्म और नाइंसाफ़ी से भरी इस विध्वंसक कार्रवाई का तत्काल कोई विकल्प ढूँढती।

सच तो ये है कि भाजपा शिक्षा के ही विरुद्ध है क्योंकि शिक्षित लोग जागरूक और प्रगतिशील होते हैं , वो अन्याय के ख़िलाफ़ आवाज़ भी उठाते हैं और सवाल भी, जो दक़ियानूसी सोचवाली दमनकारी भाजपा की सत्ता को जरा भी रास नहीं आता है। इसीलिए भाजपाई और उनके संगी-साथी, गाँव-गाँव में प्राथमिक विद्यालय तथा अन्य स्थानों पर विश्वविद्यालय तक बंद करवाने की भूमिगत योजना बनाते रहते हैं। भाजपाई जानते हैं कि पढ़-लिखकर लोग नौकरी-रोज़गार माँगेंगे, जो भाजपा सरकार देना ही नहीं चाहती है। नौकरी-भर्ती भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं। जब हमारे प्राइमरी स्कूल बंद किये गये तो हमारे सजग शुभचिंतकों ने 'पीडीए पाठशाला' खोलकर, भाजपाई साज़िश नाकाम कर दी थी, इसीलिए अब उनके निशाने पर यूनिवर्सिटी आ गई है।

ब्रिक क्लिन एक्सपो में शामिल होने पहुंचे डिप्टी सीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। ब्रिक क्लिन एक्सपो में शामिल होने डिप्टी सीएम बृजेश पाठक रविवार को गोसाईगंज पहुंचे। लखनऊ सीतापुर तथा बाराबंकी संगठन के साझा प्रयासों से लखनऊ सुल्तानपुर रोड स्थित यूपी 32 ढाबा पर आज ब्रिक क्लिन एक्सपो का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा कि वह भट्ठा व्यवसाय से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए कृत संकल्प हैं। ठेठ देहाती गांव की भाषा में बातचीत कर बृजेश पाठक ने सभी का दिल जीत लिया। उन्होंने कहा जो भी मांग पत्र उन्हें देंगे शीघ्र ही उनकी मांगों के संबंध में उचित कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर यूनियन के अध्यक्ष प्रेम कृपलानी, लखनऊ महामंत्री शेषमणि तिवारी, सीतापुर महामंत्री शैलेश जावरानी, बाराबंकी महामंत्री चरण दास आहूजा के साथ गोसाईगंज नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल मिश्रा, साबिर भाई, मंटू त्रिपाठी, दीपचंद वर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। गोसाईगंज नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल मिश्रा ने समर्थकों के साथ कार्यक्रम में पहुंचकर डिप्टी सीएम की अगवानी व स्वागत किया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के लगभग 35 जनपदों तथा देश के कई अन्य राज्यों सहित नेपाल के ईंट भट्ठा मालिकों ने काफी उत्साह के साथ भाग लिया। विभिन्न कंपनियों ने एक्सपो में अपने स्टाल लगाया और अपने उत्पाद के बारे में सभी को जानकारी प्रदान की। यह पहला मौका था जब गोसाईगंज में भट्ठा व्यापारियों ने इतने बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया। व्यापारियों ने एक बड़ी समस्या दोहराई कि ईंट की लागत तो बढ़ती जा रही है लेकिन कीमत नहीं बढ़ रही इससे नुक्सान होता है।

भारतीय किसान यूनियन का विशाल संगठन विस्तार कार्यक्रम संपन्न

300 सौ अधिक लोगों ने ग्रहण की सदस्यता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (प्रयाग) का संगठन विस्तार एवं पदाधिकारी नियुक्ति कार्यक्रम शनिवार को भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संगठन की राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला, तहसील एवं ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन किया गया और पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। इस अवसर पर 300 से अधिक लोगों ने भारतीय किसान यूनियन (प्रयाग) की सदस्यता ग्रहण कर संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष के.के. मिश्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिल बिंद, राष्ट्रीय महासचिव पिंटू चौबे, प्रदेश अध्यक्ष राजू चौबे, प्रदेश महासचिव राजेश पांडे सहित जिला, तहसील एवं ब्लॉक कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के.के. मिश्रा ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन (प्रयाग) किसानों के अधिकारों की रक्षा और उनके हितों के लिए निरंतर संघर्षरत रहेगा। संगठन का विस्तार किसानों की बढ़ती एकजुटता और विश्वास का प्रमाण है। आने वाले समय में संगठन किसान हितों से जुड़े प्रत्येक मुद्दे को मजबूती के साथ उठाएगा। कार्यक्रम का समापन संगठन की मजबूती, किसानों की एकता और किसान हितों की रक्षा के संकल्प के साथ हुआ।

स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने और ग्रामीणों को योग के प्रति किया जागरूक

- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महराजगंज के अंतर्गत ग्राम ओथी स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में रविवार को 'करो योग, रहो निरोग
- संकल्प अभियान के तहत विशेष योग शिविर एवं सद्भावना साइकिल रैली का आयोजन किया गया

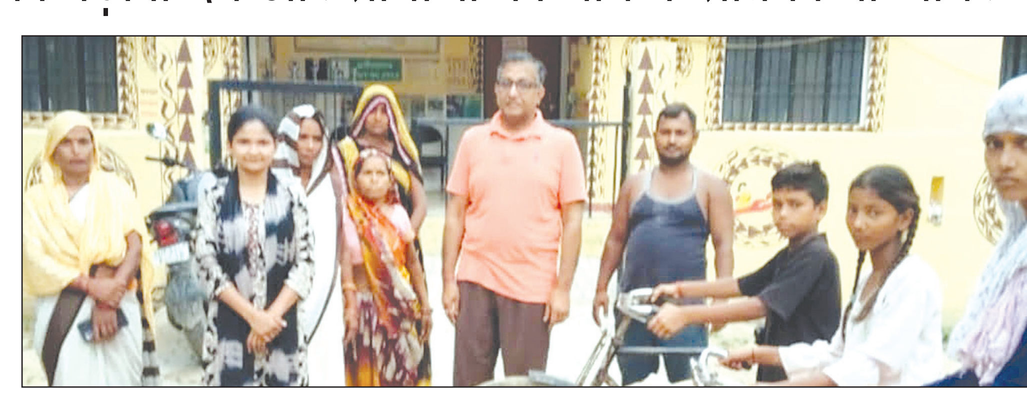

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महराजगंज,रायबरेली। स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने और ग्रामीणों को योग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महराजगंज के अंतर्गत ग्राम ओथी स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में रविवार को 'करो योग, रहो निरोग' संकल्प अभियान के तहत विशेष योग शिविर एवं सद्भावना साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्इक्र) एवं फिट इंडिया मिशन के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मियों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। आपको बता दें कि, सीएचसी अधीक्षक डॉ. गणनायक पांडेय के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में उन्होंने स्वयं उपस्थित ग्रामीणों, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ), एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया। योगाभ्यास के दौरान उन्होंने सही तरीके से आसन करने की विधि बताते हुए नियमित योग के स्वास्थ्य लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. गणनायक पांडेय ने कहा कि, योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का आधार है। उन्होंने बताया कि नियमित योग और प्राणायाम से मानसिक तनाव कम होता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है तथा अनेक जीवनशैली संबंधी बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने सभी से अपील की कि योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाकर स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दें। कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए गांव में सद्भावना साइकिल रैली भी निकाली गई। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, नियमित योग करने तथा स्वच्छ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। पूरे गांव में निकली रैली के दौरान लोगों ने उत्साह के साथ अभियान का स्वागत किया और योग को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सीएचओ, एएनएम, आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और योग के माध्यम से स्वस्थ एवं निरोगी समाज की परिकल्पना को साकार करना रहा।

सड़क दुर्घटना में घायल बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत

महराजगंज,रायबरेली। मिल एरिया थाना क्षेत्र के जमलापुर कचौंदा के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप ने साइकिल सवार बुजुर्ग को टक्कर मार दी। घटना में 55 वर्षीय रामआसरे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हे नाजुक हालत में जिला अस्पताल से लखनऊ रेफर किया गया है। घटना के संबंध में पीड़ित के पुत्र शैलेंद्र ने मिल एरिया थाने में लिखित तहरीर देकर आरोपी वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

घटना 11 जुलाई की रात की है पूरे ककई मजरे थुलवासां निवासी रामआसरे 55 वर्ष भवानी पेपर मिल में मजदूर हैं। ड्यूटी के बाद राम आसरे रात करीब ग्यारह बजे घर वापस लौट रहे थे। जमलापुर कचौंदा गांव के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राम आसरे सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया।

प्राचीन स्वरूप को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से जुड़ेगी काशी : एके शर्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। काशी विश्व के प्राचीनतम जीवंत शहरों में से एक है, जिसकी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक पहचान पूरी दुनिया में अद्वितीय है। इस गौरवशाली विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए नागरिकों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आधुनिक एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्राचीन स्वरूप को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से काशी जुड़ेगी।

यह विचार रविवार को उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने वाराणसी में व्यक्त किए। वे काशी के ऐतिहासिक एवं प्राचीन स्वरूप को संरक्षित रखते हुए भीड़ प्रबंधन और सतत शहरी परिवहन (सस्टेनेबल मोबिलिटी) के प्रभावी समाधान विकसित करने की दिशा में आयोजित ''सस्टेनेबल सिटीज चैलेंज'' कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काशी से सांसद बनने के बाद शहर में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। सड़क, घाट, पर्यटन, आधारभूत संरचना तथा नागरिक सुविधाओं में व्यापक परिवर्तन आया है, जिससे देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ी है। इसके साथ ही क्राउड मैनेजमेंट और सुगम आवागमन जैसी नई चुनौतियां भी सामने आई हैं, जिनका समाधान आधुनिक तकनीक, डेटा आधारित प्रबंधन और नवाचारों के माध्यम से किया जाना आवश्यक है। मंत्री ए. के. शर्मा ने कहा कि काशी की पहचान उसकी प्राचीन संस्कृति, संकरी गलियों और धार्मिक विरासत से है। इसलिए विकास का प्रत्येक मॉडल ऐसा होना चाहिए जो विरासत संरक्षण और आधुनिक नगरीय प्रबंधन के बीच संतुलन स्थापित करे। नवीन तकनीकों, स्मार्ट मोबिलिटी समाधानों और जनभागीदारी के माध्यम से काशी को विश्वस्तरीय, सुरक्षित और सुगम शहर के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि ''सस्टेनेबल सिटीज चैलेंज'' जैसे कार्यक्रम विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और प्रशासन के बीच विचार-विमर्श का सशक्त मंच बनेंगे तथा इनके माध्यम से प्राप्त सुझाव भविष्य में काशी के भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था और सतत शहरी विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मंत्री अरविंद शर्मा ने झाड़ू लगाकर किया 76 दिवसीय वार्ड प्रवास कार्यक्रम की शुरुआत

वाराणसी। वाराणसी में रविवार को सूरजकुंड वार्ड में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने 76 दिवसीय वार्ड प्रवास कार्यक्रम की शुरुआत किया। वाराणसी दक्षिणी विधानसभा में विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी की योजना से 76 दिवसीय वार्ड प्रवास के शुभारम्भ पर मुख्य अतिथि रहे मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने झाड़ू लगाया और स्थानीय लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। वार्ड प्रवास कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जन–जन को स्वच्छता के कार्य से जोड़ने के लिए झाड़ू उठाने का जो कार्य किया था, उसी को आगे बढ़ाते हुए हम स्वच्छता कार्य में जुटे हुए हैं। विश्व पटल पर आज वाराणसी की तस्वीर बदली हुई दिखाई देती है, इसका एक प्रमुख कारण यहां का स्वच्छ वातावरण भी है। विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी निर्वाचन क्षेत्र दक्षिणी विधानसभा में 76 दिवसीय वार्ड प्रवास का कार्यक्रम आज से प्रारंभ किया गया है। कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। आने वाले दिनों में प्रतिदिन एक वार्ड में हम वहां के स्थानीय लोगों और भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ स्वच्छता कार्य को करते हुए दिखेंगे। इस अवसर पर भाजपा के विभिन्न वार्डों से आए पार्षदगण, भाजपा नेत्री साधना वेदांती, अशोक यादव, अंकुर महरोत्रा सहित नगर निगम कर्मियों का रहना हुआ।

हेतु संदर्शित करने की सूचना

(साधारण प्रारुप)
न्यायालय श्रीमान् अपर आयुक्त महोदय देवीपाटन मण्डल, गोण्डा
वाद संख्या–
C201508000000397
सूरजलाल प्रति रामनेवास आदि
तारीख पेशी– 28.07.2026

1. विजयपाल, 2. गरीबलाल पुत्रगण रामनेवास, 3. जशमती पुत्री रामनेवास निवासीगण ग्राम चपरहिया, पर0 व तह0 उतरौला, जिला बलरामपुर, 4. मेवालाल 5. राम महेश, 6. रक्षाराम पुत्रगण जगप्रसाद निवासीगण ग्राम मधपुर, पर0 व तह0 उतरौला, जिला बलरामपुर, 7. शब्बीर हसन पुत्र अब्दुल रसीद निवासी ग्राम मोटेडीह, मशमूले ईटईरामपुर, पर0 व तह0 उतरौला, जिला बलरामपुर।

चूंकि ऊपर नामांकित ने इस न्यायालय में यह निवेदन किया है कि अतः एवं आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुद्ध हेतु संदर्शित करने के लिए दिनांक 28.07.2026 को 10:00 बजे पूर्वान्ह स्वयं और सम्यक को अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में सफल न रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रुप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित दिनांक 16.07.2026 को निकाली गयी। –न्यायालय

विकसित युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव : रक्षा निखिल खडसे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अधिक सक्रिय भागीदारी दिलाने और सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने के उद्देश्य से युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के दो दिवसीय क्षेत्रीय चिंतन शिविर का समापन शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुआ। शिविर में यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि ''विकसित युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव है।''

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने युवा अधिकारियों से कहा कि वे केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित न रहें, बल्कि युवाओं को नेतृत्व, स्वयंसेवी सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने वाले मार्गदर्शक बनें। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले अधिकारी स्थानीय समस्याओं को बेहतर समझते हैं और उनके व्यावहारिक समाधान तैयार कर सकते हैं। शिविर में 'मेरा युवा भारत' (एमवाई भारत), प्रधानमंत्री प्रशिक्षुता योजना, फिट इंडिया अभियान, अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम, नशा मुक्त भारत अभियान, लैंगिक संवेदनशीलता, युवा नेतृत्व तथा सामुदायिक जनभागीदारी जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारियों, स्वयंसेवा और कौशल विकास से जोड़ना समय की आवश्यकता है। युवा कार्यक्रम विभाग के संयुक्त सचिव शिव रतन ने कहा कि प्रत्येक राज्य की चुनौतियाँ अलग हैं, इसलिए योजनाओं के क्रियान्वयन में स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप रणनीति अपनाई जानी चाहिए। वहीं 'मेरा युवा भारत' की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला ने युवाओं तक अधिक प्रभावी पहुँच बनाने के लिए नवाचार, तकनीक और स्थानीय संस्थाओं के साथ मजबूत साझेदारी पर बल दिया। शिविर का एक महत्वपूर्ण निर्णय यह रहा कि 'मेरा युवा भारत' मंच को युवाओं के नेतृत्व वाले राष्ट्र निर्माण के प्रमुख माध्यम के रूप में और अधिक मजबूत किया जाएगा। इसके लिए राज्यों के बीच श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान, तकनीक आधारित क्रियान्वयन, क्षमता निर्माण तथा समुदाय आधारित कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाएगी। समापन अवसर पर उत्तर प्रदेश को 'मेरा युवा भारत' में सर्वाधिक पंजीकरण करने वाला राज्य घोषित कर सम्मानित किया गया।

पहली राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता के विजेता हुए सम्मानित

बीबीडीयू में जस्टिस डी.पी. गुप्ता की 100वीं जयंती पर भव्य आयोजन

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बाबू बनारसी दास यूनिवर्सिटी (बीबीडीयू) में शनिवार को राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश स्वर्गीय न्यायमूर्ति डी.पी. गुप्ता की 100वीं जयंती पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. अखिलेश दास गुप्ता ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में न्यायपालिका, शिक्षा जगत और विधि क्षेत्र की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर पहली जस्टिस डी.पी. गुप्ता राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता-2026 के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कुलाधिपति अलका दास गुप्ता एवं प्रो-चांसलर विराज सागर दास के मार्गदर्शन में हुआ। समारोह में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एवं 23वें विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी मुख्य अतिथि रहे। वहीं मद्रास हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एस.एन. भंडारी, मद्रास हाई कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति शमीम अहमद तथा इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

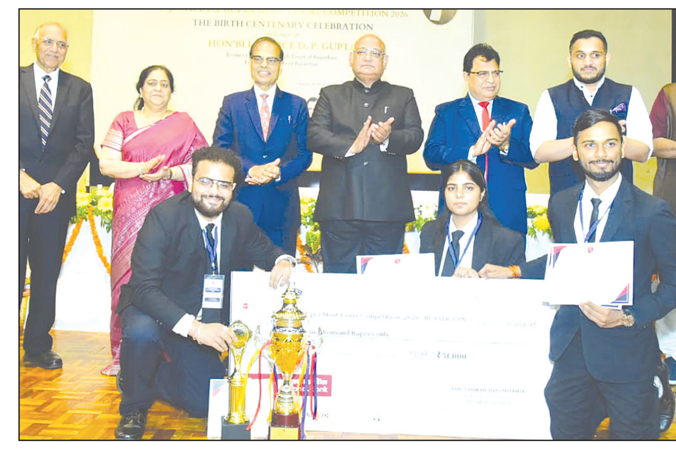

वक्ताओं ने न्यायमूर्ति डी.पी. गुप्ता के न्यायिक जीवन, निष्पक्षता, ईमानदारी और संवैधानिक मूल्यों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को याद करते हुए उन्हें नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम के दौरान उनके जीवन एवं न्यायिक योगदान पर आधारित स्मारिका का भी विमोचन किया गया। कुलाधिपति अलका दास गुप्ता ने कहा कि न्यायमूर्ति डी.पी. गुप्ता का जीवन सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और संविधान के प्रति समर्पण का प्रतीक था। उनके आदर्श आज भी युवाओं को न्याय और जनसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। प्रो-चांसलर विराज सागर दास ने कहा कि कानूनी शिक्षा का उद्देश्य केवल कानून का ज्ञान देना नहीं, बल्कि छात्रों में तार्किक सोच, जिम्मेदारी और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता विकसित करना भी है। मूट कोर्ट प्रतियोगिता जैसे मंच विद्यार्थियों को न्यायालय की वास्तविक कार्यप्रणाली का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं। समारोह के दौरान पहली जस्टिस डी.पी. गुप्ता राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता-2026 का ग्रैंड फिनाले और पुरस्कार वितरण भी हुआ। प्रतियोगिता में देशभर की नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज, केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों तथा प्रमुख विधि महाविद्यालयों की 54 टीमों ने भाग लिया। विजेता प्रतिभागियों को लगभग एक लाख रुपये की नकद पुरस्कार राशि तथा 96 हजार रुपये मूल्य की एससीसी ऑनलाइन सदस्यता प्रदान की गई।

कार्यक्रम के समापन पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि इस प्रकार की शैक्षणिक पहलें विद्यार्थियों में कानूनी शोध, वकालत की दक्षता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। बीबीडीयू भविष्य में भी ऐसे राष्ट्रीय स्तर के आयोजन कर विधि शिक्षा को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

हर परिषदीय विद्यालय में लगेंगे निपुण लक्ष्य पोस्टर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। परिषदीय विद्यालयों में लक्ष्य आधारित शिक्षण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने निपुण भारत मिशन के तहत बड़ा कदम उठाया है। विभाग द्वारा 31 जुलाई तक प्रत्येक परिषदीय प्राथमिक विद्यालय की सभी कक्षाओं में संबंधित कक्षा के निपुण लक्ष्य पोस्टर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी बीआरसी, बीएसए कार्यालय और डायट में भी इनका प्रदर्शन सुनिश्चित किया जाएगा। विभाग का उद्देश्य बालवाटिका से कक्षा-5 तक प्रत्येक विद्यार्थी के लिए तय अधिगम लक्ष्यों को विद्यालय की दैनिक शिक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बनाना है। निपुण लक्ष्य पोस्टर के प्रदर्शन को निरीक्षण व्यवस्था से भी जोड़ा गया है। सपोर्टिव सुपरविजन ऐप और निरीक्षण ऐप में पोस्टर प्रदर्शन से संबंधित प्रश्न शामिल किए जा रहे हैं। इसके साथ ही निपुण संकल्प कार्यशालाओं तथा सभी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निपुण लक्ष्यों पर गहन चर्चा होगी। शिक्षकों, अभिभावकों और अन्य हितधारकों को भी इन लक्ष्यों के प्रति लगातार जागरूक और प्रेरित किया जाएगा। विद्यालय स्तर पर पोस्टर का प्रदर्शन टीएलएम अनुदान से कराया जाएगा। निपुण लक्ष्य चार्ट में बालवाटिका से कक्षा-5 तक प्रत्येक कक्षा के लिए विषयवार अधिगम परिणाम निर्धारित किए गए हैं। बालवाटिका में बच्चों के लिए दो से तीन अक्षर वाले सरल शब्द पढ़ने, अपना नाम पहचानने और लिखने तथा एक अंकीय संख्याओं की पहचान जैसे लक्ष्य तय किए गए हैं। कक्षा-1 और 2 में छोटे वाक्य पढ़ने-लिखने, गिनती, जोड़-घटाव और दैनिक जीवन में मुद्रा के उपयोग जैसी दक्षताओं पर जोर दिया गया है। वहीं कक्षा-3 से 5 के विद्यार्थियों के लिए हिंदी में अज्ञात गद्यांश को समझकर पढ़ना और उससे संबंधित कम से कम 75 प्रतिशत प्रश्नों के सही उत्तर देना, स्वतंत्र लेखन, गणित में गुणा, भाग, भिन्न, ज्यामितीय आकृतियों की समझ, पर्यावरण अध्ययन से जुड़ी व्यावहारिक अवधारणाओं तथा अंग्रेजी में समझ के साथ पढ़ने और लिखने के स्पष्ट अधिगम लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

वर्षों से जर्जर सड़क बंद नालियां और जलभराव से ग्रामीण बेहाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

काकोरी लखनऊ। राजधानी लखनऊ के काकोरी ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत रनियामऊ, पोस्ट गोपुर मऊ में विकास कार्यों की बदहाल तस्वीर सामने आई है। गांव में रमेश यादव के घर से शंकर जी मंदिर तक की सड़क वर्षों से जर्जर हालत में पड़ी है। ग्रामीणों का आरोप है कि न तो सड़क का निर्माण कराया गया और न ही अब तक उसकी मरम्मत की गई है। ग्रामीणों के अनुसार गांव की नालियां कई वर्षों से पूरी तरह बंद पड़ी हैं। पानी की निकासी का कोई रास्ता नहीं होने के कारण बरसात का पानी सड़कों पर ही जमा रहता है। जलभराव और कीचड़ के कारण लोगों का पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। सबसे अधिक परेशानी स्कूल आने-जाने वाले बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को उठानी पड़ रही है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों

में सड़क, नाली और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं। दूसरी ओर ग्राम पंचायत रनियामऊ, पोस्ट गोपुर मऊ, ब्लॉक काकोरी, जनपद लखनऊ की यह स्थिति सरकारी दावों पर सवाल खड़े कर रही है। गांव की बदहाल सड़क और जलभराव की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रही हैं। मीडिया द्वारा गांव के निवासी संतोष यादव से बातचीत की गई। उन्होंने बताया कि कई वर्षों से हर बारिश में हम लोगों को इसी कीचड़ और भरे हुए पानी से होकर निकलना पड़ता है। कई बार बाइक और अन्य वाहन लेकर जाते समय हम गिर भी चुके हैं। लेकिन आज तक किसी जिम्मेदार अधिकारी या जनप्रतिनिधि ने इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं कराया। संतोष यादव ने ये भी आरोप लगाया कि गांव में सफाई कर्मी नियमित रूप से नहीं आते हैं। जिसके कारण नालियां पूरी तरह जाम हो जाती हैं। नालियों की सफाई न होने से पानी सड़कों पर भर जाता है और पूरे गांव के नाले भी गंदगी व सिल्ट से पटे पड़े हैं। लंबे समय से नालों और नालियों की सफाई नहीं होने के कारण ग्रामीणों को जलभराव, दुर्गंध और गंदगी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सड़क निर्माण, नालियों एवं नालों की सफाई तथा जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है।

लापता युवक के अपहरण की आशंका, एफआईआर दर्ज

चिनहट, कैनविज टाइम्स संवाददाता। राजधानी लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र में गोरखपुर निवासी एक युवक के कथित अपहरण का मामला सामने आया है। पीड़ित के भाई की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर के अनुसार, सुल्तानपुर जनपद के शिवगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम ज्ञानीपुर निवासी इस्तियाक अहमद ने बताया कि उनका भाई मो0 गुलफाम अहमद 22 मई 2026 को गोरखपुर से आर्टिका कार लेकर लखनऊ के लिए निकला था, लेकिन उसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। वाहन मालिक द्वारा 25 मई को गोरखपुर के बांसगांव थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। इसके बाद 2 जून 2026 को चिनहट थाने में भी गुमशुदगी दर्ज कराई गई। तहरीर में आरोप है कि बाद में एक अज्ञात नंबर से फोन कर सूचना दी गई कि गुलफाम को आतिल पुत्र बबलू निवासी हुसैनगंज (जनपद बाराबंकी), साहिल पुत्र बबलू, समीर निवासी कंचनपुर मटियारी तथा एक अन्य अज्ञात व्यक्ति अपने साथ ले गए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसके भाई को अंतिम बार इन्हीं लोगों के साथ देखा गया था, जिससे उसे विश्वास है कि आरोपियों ने उसके भाई का अपहरण किया है और उसके साथ किसी गंभीर घटना की आशंका है। पीड़ित की शिकायत पर चिनहट पुलिस ने नामजद आरोपियों एवं एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सोसाइटी में घुसने का प्रयास, रोकने पर गार्ड पर हॉकी से हमला

चिनहट, कैनविज टाइम्स संवाददाता। राजधानी लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र स्थित बीसीसी ग्रीन कल्चुरा सोसाइटी में जबरन प्रवेश का प्रयास करने और विरोध करने पर सुरक्षा गार्ड पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। सोसाइटी अध्यक्ष की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सोसाइटी के अध्यक्ष शैलेश सिंह ने बताया कि 18 जुलाई 2026 को सुबह करीब 10 बजे पांच युवक मुंह पर कपड़ा बांधकर बीसीसी ग्रीन्स परिसर के मुख्य गेट से अंदर घुसने का प्रयास कर रहे थे। ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड सौरभ ने उन्हें बिना एंट्री के अंदर जाने से रोका, जिस पर आरोपितों ने हॉकी से गार्ड पर हमला कर दिया। हमले में गार्ड के सिर पर गंभीर चोट आई और वह लहूलुहान हो गया। शोर-शराबा सुनकर सोसाइटी के पदाधिकारी और अन्य निवासी मौके पर पहुंचे। पूछताछ में पता चला कि फ्लैट संख्या ए-110 में रहने वाले मनोज श्रीवास्तव के साले का बेटा धनंजय श्रीवास्तव अपने साथियों के साथ परिसर में प्रवेश करना चाहता था। विरोध करने पर सभी ने मिलकर गार्ड के साथ मारपीट की और घटना के बाद फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जाते समय आरोपितों ने रोकने वालों को जान से मारने की धमकी भी दी। घायल गार्ड को तत्काल राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। चिनहट पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।

विवाहिता से मारपीट व दहेज उत्पीड़न का आरोप, मुकदमा दर्ज

चिनहट, कैनविज टाइम्स संवाददाता। राजधानी लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र में विवाहिता के साथ मारपीट, दहेज उत्पीड़न और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मुरलीपुर, गोयला निवासी रंजीत ने बताया कि उन्होंने अपनी पुत्री की शादी करीब एक वर्ष पहले रहमान पुत्र राकेश निवासी मुरलीपुर, थाना चिनहट से की थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति और उसके परिजन रुपये के लेन-देन को लेकर शालिनी को प्रताड़ित करते थे। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि रहमान के साथ उसकी सास, चिचड़े (जेठ), आकुल बाबा, मुकेश, गुलफाम, अमरेश, प्रमोद, सुल्तान समेत अन्य लोगों ने मिलकर शालिनी की बेरहमी से पिटाई की। बीच-बचाव करने पहुंचे शिकायतकर्ता और उनके भाई सुरेंद्र के साथ भी मारपीट की गई, जिसमें सुरेंद्र का हाथ टूट गया। घायलों को तत्काल डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां से शालिनी की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बलरामपुर अस्पताल रेफर किया गया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। चिनहट पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बिजनौर में बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी, नकदी-जेवर समेत बैंक लॉकर की चाबी भी ले गए चोर

सरोजिनी नगर, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बिजनौर थाना क्षेत्र स्थित ओमेक्स सिटी कॉलोनी में रविवार देर रात चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण, 50 हजार रुपये नकद, दो महंगी घड़ियां और बैंक लॉकर की चाबी तक लेकर फरार हो गए। पीड़िता गर्विता सिंह, पत्नी अविरल सिंह, निवासी ए-99, ओमेक्स सिटी, ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रविवार देर रात करीब 1:56 बजे दो अज्ञात चोर उनके घर का ताला तोड़कर अंदर घुस आए। चोरों ने घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण, 50 हजार रुपये नकद, एक-एक घड़ी चोरी कर ली। इसके अलावा यूनियन बैंक, साउथ सिटी शाखा के लॉकर संख्या 56 की चाबी भी घड़ी के डिब्बे में रखी थी, जिसे भी चोर अपने साथ ले गए। घटना की जानकारी होने पर पीड़िता ने बिजनौर थाने में तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और जल्द ही आरोपितों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास किया जाएगा।

इन्वेस्ट यूपी द्वारा मुख्यमंत्री उद्यमी मित्र योजना के लिए 25 पदों पर भर्ती परीक्षा आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप 'इन्वेस्ट यूपी' राज्य के निवेश पारिस्थितिकी तंत्र को निरंतर सशक्त बना रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री उद्यमी मित्र योजना के तहत 25 अतिरिक्त उद्यमी मित्रों की भर्ती के लिए लिखित परीक्षा का सफल आयोजन किया गया।

यह परीक्षा रविवार, 19 जुलाई को लखनऊ के जानकीपुरम स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के सहयोग से संपन्न हुई। इस भर्ती प्रक्रिया का उद्देश्य राज्य में निवेश परियोजनाओं को धरातल उतारने में तेजी लाना, निवेशकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इकोसिस्टम को और सशक्त बनाना है।

मुख्यमंत्री उद्यमी मित्र योजना की भर्ती परीक्षा में 752 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए, जिनमें से 438 शामिल हुए। ओएमआर आधारित 90 मिनट की परीक्षा में 75 बहुविकल्पीय प्रश्न (300 अंक) पूछे गए, प्रत्येक गलत उत्तर पर एक अंक के नकारात्मक अंकन का प्रावधान रहा। अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कंप्यूटर कौशल एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की आधारभूत जानकारी (40 प्रश्न), तार्किक क्षमता (20 प्रश्न) तथा उत्तर प्रदेश की औद्योगिक एवं निवेश नीतियों (15 प्रश्न) के आधार पर किया गया। परीक्षा की निष्पक्षता, पारदर्शिता और सुचारु संचालन हेतु इन्वेस्ट यूपी ने विशेष समिति गठित की थी।

यूनिट लगाकर उठाएं अनुदान व अन्य सुविधाओं का लाभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा जिलों में स्थापित राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्रों एवं सामुदायिक फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में विभाग द्वारा जिलों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रशिक्षण कार्य समय से पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं

इन केन्द्रो पर युवक/युवतियों व कृषकों खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र प्रशिक्षण दिया जाता है। उप मुख्यमंत्री ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह प्रभावी कार्ययोजना व रूपरेखा तैयार कर इच्छित नवयुवकों, नवयुवतियों व किसानों को विभिन्न विधाओं मेबेहतर से बेहतर प्रशिक्षण दिलाना सुनिश्चित करें।प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षण कार्यों की लगातार निगरानी भी जाय और प्रशिक्षण प्राप्त करने पर प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार से जोड़ने के प्रभावी प्रयास किए जाएं।प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रशिक्षणार्थी फूड प्रोसेसिंग का कार्य कर अपनी आमदनी बढ़ा सकेंगे प्रशिक्षित लोग अपनी यूनिट लगाकर अनुदान व अन्य सुविधाओं का लाभ भी ले सकेंगे।

विभाग द्वारा आगरा/अलीगढ़,मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, कानपुर, झांसी, प्रयागराज ,वाराणसी, अयोध्या व गोरखपुर के राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केंद्रो के प्रधानाचार्यो, मिर्ज़ापुर, देवीपाटन,बस्ती, आजमगढ़, सहारनपुर व चित्रकूट धाम के खाद्य प्रसंस्करण अधिकारियों तथा फल संरक्षण अधिकारी लखनऊ को निर्देश दिए गए हैं कि वह निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप निर्धारित रोष्टर के अनुरूप समय से प्रशिक्षण पूरा करायें। खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा ,बेकरी एवं कन्फ़ेक्शनरी, कुकरी(पाक-कला) में एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स कराया जाता है। इसी तरह बेकरी एवं कन्फ़ेक्शनरी में व कुकरी (पाक- कला) में एक मासीय अंशकालीन प्रशिक्षण दिये जाने का का कोर्स चलता है।

सीएम योगी के विजन के अनुरूप बड़े पैमाने पर फिक्स के साथ-साथ पोर्टेबल प्लांट लगाने की तैयारी

हर जिले में लगेंगे 1,000 से अधिक बायोगैस प्लांट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- प्रति प्लांट 25 से 40 हजार तक आएगा खर्च, 15 अग्रणी कंपनियों ने परियोजना से जुड़ने में दिखाई रुचि
- योगी सरकार ग्रामीणों को प्लांट लगाने के लिए अनुदान देने की रूपरेखा भी कर रही तैयार
- आईआईटी दिल्ली के वैज्ञानिक यूपी के युवाओं को बनाएंगे टेक्नीशियन, बड़े पैमाने पर मिलेगा रोजगार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश में गो आधारित ग्रीन इकोनॉमी का सबसे बड़ा अभियान शुरू होने जा रहा है। प्रदेश के हर जिले में एक हजार से अधिक घरों में मिनी बायोगैस प्लांट लगाने की योजना तैयार की गई है। इसमें फिक्स के साथ पोर्टेबल प्लांट भी लगाए जाएंगे। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में आईआईटी दिल्ली तकनीकी साझेदार की भूमिका निभाएगा, जबकि इस क्षेत्र में कार्य कर रही 15 से अधिक अग्रणी कंपनियों ने भी ग्रामीण क्षेत्रों में इस परियोजना से जुड़ने में रुचि दिखाई है। इसके साथ ही ग्रामीणों को प्लांट लगाने के लिए अनुदान देने की रूपरेखा भी तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश की गोशालाओं को 'रूरल रिसोर्स एंड एनर्जी हब' के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां गोबर से बायोगैस, बायो-सीएनजी, ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर और भविष्य में कार्बन क्रेडिट तक की पूरी वैल्यू चेन विकसित की जाएगी। योगी सरकार का लक्ष्य गो आधारित उत्पादों को आय, ऊर्जा और रोजगार का स्थायी स्रोत बनाना है।

उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि इस योजना की सबसे बड़ी ताकत तकनीकी और औद्योगिक सहयोग है। आईआईटी दिल्ली प्लांट की तकनीक, संचालन, रखरखाव और युवाओं के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी संभालेगा। वहीं, इस क्षेत्र में कार्यरत 15 से अधिक बड़ी कंपनियां प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में परियोजना के क्रियान्वयन और विस्तार में भागीदारी के लिए आगे आई हैं। इससे आधुनिक तकनीक और निजी क्षेत्र के अनुभव का लाभ गांवों तक पहुंचेगा।

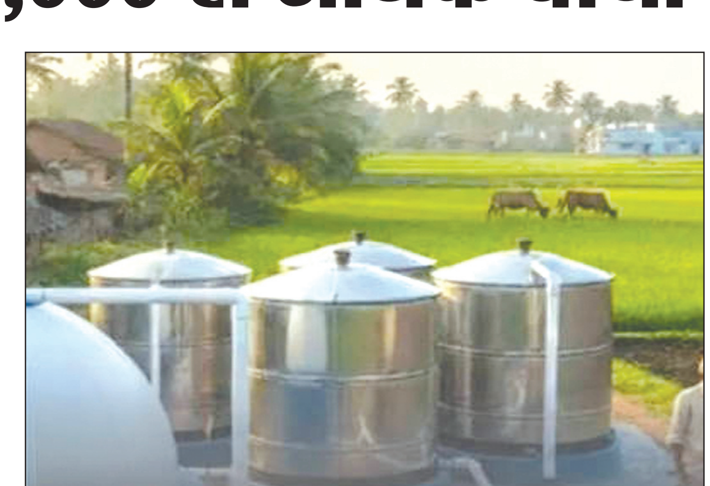

आईआईटी दिल्ली के प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेशभर के युवाओं को बायोगैस प्लांट की स्थापना, संचालन और रखरखाव का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे ग्रीन टेक्नीशियन की नई पीढ़ी तैयार होगी। वहीं, स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उद्यमियों के लिए भी स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

प्लांट से तैयार गैस का उपयोग घरेलू ईंधन के रूप में होगा, जिससे ग्रामीण परिवारों का रसोई गैस खर्च कम होगा। वहीं, प्लांट से निकलने वाली स्लरी उच्च गुणवत्ता वाली ऑर्गेनिक खाद के रूप में खेतों में इस्तेमाल होगी। इससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटेगी और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा।

गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाना और जैविक खाद का उत्पादन बढ़ाना है। प्लांट लगाने के लिए ग्रामीणों को अनुदान देने की योजना भी तैयार की जा रही है। आने वाले समय में यह मॉडल उत्तर प्रदेश को देश की गो आधारित ग्रीन इकोनॉमी का अग्रणी राज्य बनाएगा।

जेपीए की त्रैमासिक बैठक संपन्न, संगठन के विस्तार पर हुई चर्चा

चिनहट, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एसोसिएशन की त्रैमासिक बैठक आज अपने शिवपुरी कॉलोनी कमता स्थित प्रधान कार्यालय पर अध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में संगठन के विस्तार को लेकर चर्चा हुई और आगामी 17 दिसंबर को होने वाले वार्षिक अधिवेशन की तैयारी पर जोर दिया गया। संगठन की आगामी बैठक 9 अगस्त 2026 को आशियाना में होगी। इस कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष नरसिंह नारायण पांडे, संगठन मंत्री राम यादव यादव, कार्यकारी संगठन मंत्री प्रवीण सिंह, जिला अध्यक्ष सनी शाह, रक्षक सदस्य संरक्षक सदस्य विवेक विश्व पांडे, उप प्रचार मंत्री सैयद फैजान उर्फ इकबाल, सह मीडिया प्रभारी सौरभ निगम, सदस्य रणजीत सिंह, धनीश श्रीवास्तव, सदस्य संजय श्रीवास्तव समेत कई सदस्य और पदाधिकारी मौजूद रहे।

भव्य स्वागत के बीच महमूदाबाद पहुंचा जैन आर्यिका संघ, 31 जुलाई से होगा चातुर्मास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। फतेहपुर से पदविहार करते हुए विख्यात जैन साध्वी आर्यिका विविक्त श्री माता जी अपने संघ के साथ रविवार को महमूदाबाद पहुंचीं। बारिश के बावजूद जैन धर्मावलंबियों ने गाजे-बाजे और जयकारों के साथ उनका भव्य स्वागत किया। नगर में निकाली गई स्वागत शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आर्यिका विविक्त श्री माता जी के साथ वियोजना श्री माता, विप्रमा श्री माता एवं क्षुल्लिका विलोक श्री माता जी भी पदविहार करते हुए महमूदाबाद पहुंचीं। विकास जैन एवं राहुल जैन के शोरूम से शुरू हुई शोभायात्रा गाजे-बाजे की धुन पर नगर के प्रमुख मार्गों से होकर जैन मंदिर पहुंची। रामकुंड चौराहे पर जैन पाठशाला के बच्चों ने मनमोहक भाव-नृत्य प्रस्तुत कर आरती उतारी। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पाद-प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पारंपरिक वेशभूषा में महिलाओं ने भक्ति भाव से नृत्य करते हुए शोभायात्रा की शोभा बढ़ाई। बारिश के बीच भी पूरे नगर में जयकारों की गूंज सुनाई देती रही। जैन मंदिर पहुंचने के बाद आर्यिका संघ ने दर्शन-पूजन किया तथा धर्मोपदेश देकर श्रद्धालुओं को धार्मिक जीवन के महत्व से अवगत कराया। आर्यिका संघ का चातुर्मास इस वर्ष महमूदाबाद में प्रस्तावित है। चातुर्मास की स्थापना 31 जुलाई को की जाएगी। इस अवसर पर जैन पाठशाला की संचालिका अनुष्का जैन, शिक्षिका स्नेहा जैन, नंदिता जैन, जैन युवा संघ,मां पद्मावती सौभाग्यवती महिला मंडल, जैन महिला मंडल, शांतिनाथ बहू मंडल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सिधौली रोड पर ओवर ब्रिज के पास जर्जर सड़क पर धान रोपकर जताया गया विरोध, जल्द सड़क मरम्मत की उठी मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महमूदाबाद (सीतापुर)। कस्बे के सिधौली रोड पर ओवरब्रिज से चीनी मिल मोड़ तक बदहाल सड़क और जलभराव की समस्या को लेकर रविवार दोपहर समाजवादी लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष मेराज अहमद के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर बने पानी से लबालब गहरे गड्ढों में धान की रोपाई कर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया।

मेराज अहमद ने कहा कि इस मार्ग की हालत लंबे समय से बेहद खराब बनी हुई है। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे ऑटो, ई-रिक्शा, बाइक सहित अन्य वाहन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने प्रदेश सरकार के गड्ढामुक्त सड़क अभियान पर सवाल उठाते हुए कहा कि महमूदाबाद नगर क्षेत्र की कई प्रमुख सड़कें जर्जर अवस्था में हैं। जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण बरसात में लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और विकास कार्य भी प्रभावित दिखाई दे रहे हैं।

प्रदर्शन के दौरान मेराज अहमद ने किसानों को खाद न मिलने की समस्या भी उठाई। उन्होंने कहा कि धान की रोपाई का समय चल रहा है, लेकिन किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं हो रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब खेतों में धान लगाना मुश्किल हो गया है और सड़कें ही खेत जैसी दिखाई दे रही हैं, तो मजबूरन सड़क के गड्ढों में ही धान की रोपाई कर विरोध दर्ज कराया गया।

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की कि सिधौली रोड की तत्काल मरम्मत कराई जाए, जलभराव की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराई जाए, ताकि आम नागरिकों और किसानों को राहत मिल सके।

सर्विलासं सेल ने 201 मोबाइल बरामद कर उनके स्वामी को सुपुर्द किए

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। सर्विलांस सेल/एसओजी और थाने पर संचालित साइबर हेल्प डेस्क कर्मियों की संयुक्त पुलिस टीम ने 201 मोबाइल फोन बरामद कर उनके स्वामी को सुपुर्द किए। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 47 लाख रुपए बताई गई है। मोबाइल फोन मिलने पर उनके स्वामियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शाहजहांपुर पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

दरअसल, गुम हुए मोबाइल फोन के संबंध में शिकायतकर्ताओं के द्वारा पुलिस अधीक्षक के समक्ष अथवा ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से शिकायत की जाती है। जिन पर सर्विलांस सेल द्वारा लगातार मॉनीटरिंग की जाती है। इसी क्रम में रविवार को पुलिस लाइन सभागार में सर्विलांस सेल/एसओजी और थाने पर संचालित साइबर हेल्प डेस्क पर नियुक्त संयुक्त पुलिस टीम ने बरामद किए गए 201 मोबाइल फोन को उनके स्वामियों को सुपुर्द किया। एसपी सिटी देवेन्द्र कुमार ने बताया कि भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए सीईआईआर पोर्टल शुरू किया गया है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति अपने गुम अथवा चोरी हुए मोबाइल फोन को ब्लॉक या अनब्लॉक कर सकता है। बताया कि मोबाइल गुम अथवा चोरी हो जाने उसका आईएमईआई नंबर, सिम विवरण, और शिकायत संख्या दर्ज करें। थाना स्तर से सत्यापन के बाद मोबाइल को ट्रैक करने की कार्रवाई की जाती है। कहा कि मोबाइल गुम होने के बाद साइबर अपराध की संभावना बढ़ जाती है, अतः संबंधित सिम को तुरंत बंद कराकर दोबारा रि-इश्यू कराएं। मोबाइल खरीदते समय उसका आईएमईआई नंबर सुरक्षित रखें। मोबाइल गुम/चोरी होने पर निकटतम थाना या साइबर हेल्पलाइन 1930 पर सूचना दें। किसी भी अनजान व्यक्ति या लिंक पर व्यक्तिगत जानकारी या बैंकिंग डिटेल साझा न करें। शाहजहांपुर पुलिस ने लोगों से अपील की है कि गुम अथवा चोरी हुए मोबाइल फोन की सूचना तत्काल सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज कर मोबाइल को ब्लॉक कराएं। जिससे न केवल मोबाइल के दुरुपयोग पर प्रभावी रोक लगे, बल्कि तकनीकी सर्विलांस के माध्यम से उसकी शीघ्र एवं सुरक्षित बरामदगी संभव हो सके।

बरसात के मौसम में भी ग्रामीण फीडरों पर हो रही मनमानी बिजली कटौती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गर्मियों में ओवरलोड व बरसात में 33 केवी लाइन फ़ेल का हवाला देकर की जाती है कटौती

हरगांव सीतापुर।उपकेंद्र से संचालित ग्रामीण फीडरों पर बरसात में भी मनमानी बिजली कटौती से ग्रामीण उपभोक्ता परेशान हैं।हरगांव उपकेंद्र के सभी फीडरों पर रात में में चार चार घंटे बिजली कटौती की जाती है।कटौती को लेकर 33केवी लाइन रोस्टर में फ़ेल होना बताया जाता है और सभी फीडर बंद कर दिए जाते हैं।ग्रामीणों को 18 घंटे में महज 9 से 10 घंटे ही बिजली मिल रही है।ग्रामीण हरिपाल अभय सिंह शिवप्रसाद दिव्यांशू सहित लोगों ने बताया कि गर्मियों में ओवरलोड बताकर कटौती की जाती है लेकिन बरसात में कौन से ओवरलोड में लाइन खोल दी जाती है और रात भर बिजली गुल रहती है।दिन में भी दो से तीन घंटे ही बिजली मिलती है जिससे भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।ग्रामीणों ने यह भी कहा बिल वसूली पूरे 18 घण्टे के हिसाब से की जाती लेकिन बिजली महज 9 घंटे ही मिलती है वो भी टुकड़ो में,18 घंटे केवल कागजों पर आपूर्ति हो रही है।

कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निर्देशन में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान प्रमुख चौराहों, तिराहों, बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, भीड़भाड़ वाले स्थानों, संवेदनशील क्षेत्रों एवं मुख्य मार्गों पर बैरियर लगाकर वाहनों की सघन चेकिंग की की गई और वाहन चालकों के आवश्यक अभिलेखों की जांच करते हुए संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर उनकी पहचान एवं गतिविधियों का सत्यापन किया गया तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान पुलिस टीमों ने आमजन से संवाद स्थापित कर उन्हें यातायात नियमों का पालन करने, अपने वाहनों के आवश्यक दस्तावेज साथ रखने तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस अथवा यूपी-112 को देने के लिए जागरूक किया। इसके अलावा साइबर अपराधों से बचाव एवं विभिन्न पुलिस हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी भी दी। जनपद पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया कि अपराधों की रोकथाम, असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण एवं जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऐसे सघन चेकिंग अभियान भविष्य में भी निरंतर संचालित किए जाते रहेंगे।

खाद्य एवं औषधि विभाग के नियमों का पूर्ण पालन करें सभी दवा व्यापारी : विनीत कुमार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के तत्वावधान में शहर के एक होटल में दवा व्यापारियों एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहायक आयुक्त (खाद्य) विनीत कुमार ने कहा कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी दवा व्यापारियों से खाद्य एवं औषधि विभाग के नियमों का पूर्ण पालन करने, वैध बिल के साथ दवाओं का क्रय-विक्रय करने, अभिलेख अद्यतन रखने तथा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन करने की अपील की। ड्रग इंस्पेक्टर शिवेन्द्र प्रताप सिंह ने दवा व्यापारियों से दवाओं के सुरक्षित भंडारण, शीत श्रृंखला वाली दवाओं के उचित रख-रखाव, एक्सपायरी दवाओं को अलग सुरक्षित रखने तथा औषधि अधिनियम के सभी प्रावधानों का पालन करने की अपील की। कहा कि नियमों का पालन करने वाले व्यापारियों को विभाग का पूरा सहयोग मिलेगा। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष संचित सिंह ने कहा कि विभाग और दवा व्यापारियों के बीच नियमित संवाद से समस्याओं का समाधान होता है तथा आपसी विश्वास और सहयोग मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि संगठन हमेशा व्यापारियों के हितों की रक्षा के साथ-साथ नियमों के पालन के लिए भी प्रतिबद्ध है। जिला महामंत्री लक्ष्मण प्रसाद ने सभी से संगठन की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा नियमों का पूर्ण पालन करते हुए जनहित में कार्य करने का आह्वान किया। जिला कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र सक्सेना ने कहा कि व्यवस्थित स्टॉक प्रबंधन और गुणवत्तापूर्ण दवा उपलब्ध कराना प्रत्येक दवा व्यापारी का नैतिक दायित्व है। बैठक में दवा व्यापारियों ने विभागीय अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं एवं सुझाव रखे, जिनके समाधान के लिए अधिकारियों ने आश्वासन दिया। बैठक में जिला चेयरमैन नरेश चंद्र गुप्ता, संरक्षक सुनील गुप्ता, अनुपम द्विवेदी, संतोष गुप्ता, अशोक सक्सेना, पंकज मिश्रा, सूरज दीक्षित, दीपक, सुनील सक्सेना, अनुज मिश्रा, कुलदीप यादव, हरिओम अग्रवाल सहित जनपद की विभिन्न इकाइयों के अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आज 20 जुलाई को घाघरा घाट पर होगा खंडित हनुमान विग्रह का विसर्जन, जल्द होगी नए विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा

बिसवां सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। गत माह बड़े हनुमानजी मंदिर में स्थापित हनुमान जी की प्राचीन विग्रह के खंडित हो जाने से क्षेत्र के भक्तों में शोक व्याप्त था। अब उसे शास्त्रोक्त विधि-विधान से विसर्जित किया जाएगा। हनुमंत सेवक समिति के पदाधिकारियों अमित अग्रवाल, वीरेश कुमार मिश्र और मुकुट बिहारी बाजपेयी ने संयुक्त रूप से बताया कि खंडित विग्रह का विसर्जन 20 जुलाई 2026, दिन सोमवार को प्रातः 8 बजे घाघरा घाट पर किया जाएगा। पदाधिकारियों ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार खंडित मूर्ति को जल में विसर्जित करने की परंपरा है। विसर्जन से पूर्व मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और हवन किया जाएगा। इसके बाद शोभायात्रा के रूप में विग्रह को बैंड-बाजे के साथ घाघरा घाट ले जाया जाएगा। समिति ने कहा कि विसर्जन के बाद जल्द ही मंदिर में हनुमान जी के नए विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा कराई जाएगी। इसके लिए तिथि का निर्धारण किया जा रहा है। समिति ने क्षेत्रवासियों से विसर्जन कार्यक्रम में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मीसम रिजवी का जन्मदिवस, सीएचसी में मरीजों को वितरित किए फल

महमूदाबाद (सीतापुर) कैनविज टाइम्ससंवाददाता। मौलाना आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमैनिटीज़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, महमूदाबाद के संस्थापक एवं चेयरमैन तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री डॉ. अम्मार रिजवी के सुपुत्र मीसम रिजवी का जन्मदिवस रविवार को सादगी, सेवा भावना और उत्साह के साथ मनाया गया। जन्मदिवस के अवसर पर कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मीसम रिजवी ने केक काटकर समारोह की शुरुआत की। इस दौरान कॉलेज के शिक्षक, कर्मचारी, स्टाफ एवं शुभचिंतकों ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई देते हुए उनके स्वस्थ, सुखी एवं सफल जीवन की कामना की। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां साझा कीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। जन्मदिवस समारोह के उपरांत मीसम रिजवी अपने सहयोगियों के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महमूदाबाद पहुंचे, जहां भर्ती मरीजों एवं उनके तीमारदारों के बीच फल वितरित किए गए। इस दौरान उन्होंने मरीजों का हालचाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस सेवा कार्य की अस्पताल में मौजूद लोगों ने सराहना की। समारोह में पत्रकार इरफान मंसूरी सहित कई गणमान्य नागरिक, शुभचिंतक एवं कॉलेज परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

गोला की मंडी बनी 'कटरुआ हब'! करोड़ों के कथित वन उत्पाद कारोबार पर उठे सवाल, आखिर किसके संरक्षण में चल रहा खेल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोला गोकरणनाथ खीरी। गोला की मुख्य सब्जी मंडी इन दिनों प्रतिबंधित वन उत्पाद कटरुआ,धरती का फूल के कथित कारोबार को लेकर चर्चाओं में है। आरोप है कि मंडी में आढ़तों के माध्यम से बड़ी मात्रा में कटरुआ फुटकर दुकानदारों तक पहुंचाया जाता है और वहां से खुलेआम बिक्री होती है। स्थानीय लोगों का दावा है कि यह कारोबार लंबे समय से व्यवस्थित तरीके से चल रहा है। बताया जाता है कि खुटार रोड स्थित मुख्य सब्जी मंडी इस कारोबार का प्रमुख केंद्र बनी हुई है, जहां कतारबद्ध दुकानों पर कथित रूप से कटरुआ की खरीद-फरोख्त होती है। आरोप है कि हर दिन छोटा हाथी और अन्य वाहनों से वन उत्पाद मंडी तक पहुंचता है और फिर दुकानदारों में वितरित किया जाता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि चूंकि कटरुआ वन उत्पाद की श्रेणी में आता है, इसलिए बिना प्रभावी निगरानी के इतने बड़े पैमाने पर इसका व्यापार संभव नहीं लगता। सूत्रों के अनुसार वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की बिना मिलीभगत के वन उत्पाद कटरुआ का बड़े पैमाने पर सिंडीकेट सचालित होना संभव नही है और आरोप भी लगाए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और वन विभाग की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

> **जंगल की थाली से बाजार तक!**
> कटरुआ और धरती का फूल प्राकृतिक रूप से जंगलों में उगने वाला वन उत्पाद माना जाता है। यह जंगल के पारिस्थितिक तंत्र का हिस्सा है और कई वन्य जीवों के भोजन का भी स्रोत होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अनियंत्रित दोहन से जंगल के प्राकृतिक संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसी कारण इसके संग्रहण और व्यापार पर लागू नियमों का पालन आवश्यक माना जाता है।

चर्चा यह भी है कि इस कथित कारोबार की जानकारी स्थानीय स्तर से लेकर उच्च अधिकारियों तक है, लेकिन इसके बावजूद बड़े कारोबारियों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही। वहीं, जब मीडिया में खबरें प्रकाशित होती हैं तो कार्रवाई मुख्य रूप से छोटे फुटकर विक्रेताओं तक सीमित दिखाई देती है। इससे निष्पक्ष कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि मंडी में कटरुआ के साथ-साथ धरती का फूल और गुलइंधे जैसे अन्य वन उत्पादों की भी खुलेआम बिक्री होती है। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो वन संपदा को लगातार नुकसान पहुंचता रहेगा। वन प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि पूरे नेटवर्क की निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि किसी वनकर्मी, अधिकारी, व्यापारी या अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाए।

> **आढ़तों से दुकानों तक रोज पहुंच रहा प्रतिबंधित वन उत्पाद, छोटे विक्रेताओं पर कार्रवाई और बड़े कारोबारियों पर चुप्पी को लेकर चर्चा तेज**

फ़ेसबुक फ्रेंड के साथ दिल्ली भाग रही नेपाली नाबालिग को एसएसबी ने सीमा पर रोका, मानव तस्करी की आशंका में बड़ी कार्रवाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पलिया-खीरी। भारत-नेपाल सीमा पर तैनात 39वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (SSB) की सतर्कता से एक संभावित मानव तस्करी का मामला समय रहते सामने आ गया। गौरीफंटा सीमा चौकी पर चेकिंग के दौरान SSB जवानों ने नेपाल की 15 वर्षीय नाबालिग लड़की को 19 वर्षीय नेपाली युवक के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में भारत की ओर जाते हुए रोक लिया। प्रारंभिक जांच में मामला मानव तस्करी से जुड़ा प्रतीत होने पर सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई की।

पूछताछ में पता चला कि करीब तीन माह पहले दोनों की फ़ेसबुक के माध्यम से दोस्ती हुई थी। युवक दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र स्थित एक रेस्टोरेंट में काम करता है और नाबालिग को उसके परिजनों की जानकारी के बिना दिल्ली ले जा रहा था।

नाबालिग की उम्र और परिस्थितियों को देखते हुए SSB ने मामले को गंभीरता से लिया और तत्काल एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (AHTU), नेपाल पुलिस, नेपाल इ्ख्क तथा संबंधित गैर सरकारी संगठन (NGO) को सूचना दी।

सभी संबंधित एजेंसियों और नाबालिग की मां की मौजूदगी में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद किशोरी को नेपाली 'आशीष (ASSN)' के माध्यम से सुरक्षित उसके परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं 19 वर्षीय युवक को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए नेपाल पुलिस के हवाले कर दिया गया। सीमा पर SSB की इस त्वरित कार्रवाई से एक संभावित गंभीर अपराध टल गया। सुरक्षा एजेंसियों ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों की सोशल मीडिया गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखें, क्योंकि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर होने वाली दोस्ती कई बार मानव तस्करी और अन्य अपराधों का माध्यम बन सकती है।

SSB अधिकारियों का कहना है कि भारत-नेपाल सीमा पर संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार कड़ी निगरानी रखी जा रही है और मानव तस्करी के विरुद्ध अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

सिंगल यूस प्लास्टिक मुक्त हो कावड़ यात्रा : केंद्रीय राज्यमंत्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कावड़ यात्रा का आयोजन धूमधाम से उत्सव के रूप में किया जाए : प्रभारी मंत्री

बदायूँ। कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में रविवार को कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत आहूत समीक्षा बैठक में केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि कावड़ यात्रा सिंगल यूस प्लास्टिक मुक्त हो। जनपद के प्रभारी मंत्री व प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन एवं जन्तु विज्ञान अरुण कुमार सक्सेना ने कहा की कावड़ यात्रा का आयोजन धूमधाम से उत्सव के रूप में किया जाए। कावड़ यात्रा घटना रहित हो। उन्होंने कहा कि कावड़ियों का मार्ग सुगम बनाएं और इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कावड़ियों को कोई परेशानी ना हो। 30 जुलाई 2026 से प्रारंभ हो रही कावड़ यात्रा के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में कावड़ यात्रा को सकुशल रूप से संपन्न कराने के संबंध में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आहूत बैठक में मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि कावड़ यात्रा में कावड़ियों को परेशानी ना हो। उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं तथा परस्पर समन्वय से कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत सभी तैयारियां इस प्रकार की हों कि कांवड़ियों के लिए यह यात्रा यादगार बन जाए और वह बदायूं से अमिट स्मृति लेकर जाएं। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जनपद के प्रभारी मंत्री व प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन एवं जन्तु विज्ञान अरुण कुमार सक्सेना ने जिला वन अधिकारी से कहा कि शिवालयों में वन विभाग की ओर से फलदार पेड़ों को भक्तों को दिया जाए ताकि वह उसे अपने घरों पर लगा सके। उन्होंने लोक निर्माण विभाग व एनएचएआई के अधिकारियों से कहा कि सड़कों के गडढ़ों को समय से ठीक कराया जाए ताकि कांवड़ियों को कोई परेशानी ना हो। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बदायूं व कछला से कहा कि अगर कहीं रास्ते में नाले खुले हैं तो उन्हें पाट दिया जाए। उन्होंने साफ सफाई की समुचित व्यवस्था के लिए नगर पंचायत कछला नगर पालिका परिषद उझानी नगर पालिका परिषद बदायूं के अधिशासी अधिकारियों व जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया तथा अब तक की गई कार्यवाही के बारे में भी जानकारी ली। प्रभारी मंत्री ने कहा कि कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाले विद्युत पोलों पर प्लास्टिक/रैपर लगाया जाए तथा ट्रांसफार्मर आदि की भी बैरिकेडिंग की जाए तथा ढीले तारों को टाइट किया जाए ताकि कोई घटना ना हो सके। वहीं उन्होंने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक संचालन करने उसमें समुचित दवाई आदि रखने के लिए निर्देशित किया।

प्रभारी मंत्री ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया कि कावड़ यात्रा के दौरान कानून व्यवस्था सुदृढ़ रहे तथा पुलिस अधिकारियों का व्यवहार कावड़ियों के प्रति अच्छा रहे इसका विशेष ध्यान रखा जाए। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य ने कहा कि प्रत्येक शिविर पर मोबाइल टॉयलेट हो तथा वहां महिला पुलिस कार्मिक की तैनाती हो। कांवड़ियों को परेशानी ना हो। सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जाए। जिलाधिकारी अवनीश राय ने जिला प्रशासन द्वारा कावड़ यात्रा के दृष्टिगत की गई तैयारियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि कांवड़ व डीजे की अधिकतम ऊंचाई 12 फीट व अधिकतम चैड़ाई 10 फीट ही होगी तथा डीजे पर बजने वाले गानों का अधिकतम वॉल्यूम 75 डेसी बल ही अनुमन्य होगा। उन्होंने बताया कि कावड़ यात्रा के दृष्टिगत पूरे जनपद को 06 जोन व 16 सेक्टर में बांटा गया है। प्रत्येक जोन में एक-एक जोनल मजिस्ट्रेट व जोनल पुलिस अधिकारी की तैनाती की गई है वहीं सेक्टर में दो-दो पालियों में 32 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा तीन-तीन पालियों में 42 स्टेटिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने बताया कि कावड़ यात्रा में कछला गंगा घाट मुख्य मार्ग पर 422 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। साथ ही 07 वॉच टावर भी लगाए गए हैं जिसमें एक गंगा घाट पर 6 अन्य स्थानों पर होंगे। बैरियर, नाव, गोताखोरों, मोबाईल टायलेट, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम आदि की व्यवस्था भी रहेगी। कुल 132 शिवालय हैं जिनमें से 68 जलाभिषेक के मंदिर हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में कछला गंगाघाट, जोरी नगला, भुण्डी, अटैना, साधू मढ़ी व जामनी सहित 06 घाट है। कुल 32 कावड़ शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन शिविरों पर शिविर संचालक अपने व्यक्तियों की रोस्टर वार ड्यूटी अवश्य लगाएं। कांवड़ यात्रा की कुल दूरी 331 किलोमीटर है। उन्होंने कहा की कावड़ मार्ग पर पड़ने वाली सभी मास की दुकानें बंद रहेगी। उन्होंने बताया कि कांवड़ मार्ग पर समुचित प्रकाश व्यवस्था के लिए हैलोजन आदि लाइट भी लगाई जाएंगी।जिलाधिकारी ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान त्वरित सहायता एवं प्रभावी समन्वय के लिए कलेक्ट्रेट स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) तथा पुलिस लाइन में कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। कलेक्ट्रेट स्थित आईसीसीसी कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 05832-266049, 05832-266050, 05832-266052 एवं 05832-266054 तथा मोबाइल नंबर 7505389289 एवं 7505395940 जारी किए गए हैं। इसी प्रकार पुलिस लाइन स्थित कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 9454402956 एवं 9454417440 पर भी किसी भी प्रकार की सूचना अथवा सहायता प्राप्त की जा सकती है। इसके अतिरिक्त कछला पुलिस चैकी, थाना कोतवाली उझानी, थाना कोतवाली बदायूं तथा थाना सिविल लाइंस में भी नियंत्रण कक्ष संचालित रहेंगे, जहां से यात्रा से संबंधित व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की जाएगी तथा प्राप्त सूचनाओं पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि 30 जुलाई 2026 से प्रारंभ होने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान प्रत्येक शुक्रवार सायं 8:00 बजे से सोमवार सायं 5:00 बजे तक लागू रहने वाले रूट डायवर्जन को प्रभावी ढंग से लागू कराया जाएगा। उन्होंने बताया की कावड़ यात्रा के दौरान 3 अगस्त, 10 अगस्त, 17 अगस्त, 24 अगस्त सहित कुल चार सोमवार पड़ेंगे तथा 11 अगस्त को श्रावण शिवरात्रि मनाई जाएगी व 28 अगस्त को रक्षाबंधन होगा।

बैठक के दौरान सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, एमएलसी वागीश पाठक, शेखूपुर विधानसभा के पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य आदि ने भी अपने अमूल्य विचार व सुझाव रखें। इससे पूर्व कलेक्ट्रेट आगमन पर प्रभारी मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों को बुके देकर उनका स्वागत किया।

बैठक के दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, एमएलसी वागीश पाठक, शेखूपुर के पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य, जिला कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष जेके सक्सेना, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, सीडीओ गामिनी सिंगला, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरूण कुमार, सहायक निदेशक सूचना आशुतोष चन्दोला सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी आदि मौजूद रहे।

खाटू-श्याम दर्शन को जा रहे बुआ-भतीजे की मौत बदायूं में तेज रफ्तार पिकअप ने मारी बाइक में टक्कर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ बिसौली।खाटू श्याम जा रहे बाइक सवारों को पिकअप ने टक्कर मार दी, जिसमें बुआ- भतीजे की मौके पर ही मौत हो गई। एक किशोरी गंभीर रूप से घायल है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बिसौली तहसील क्षेत्र के वजीरगंज थाना क्षेत्र के बरीपुरा चौराहे के पास रविवार सुबह एक सड़क हादसे में खाटू श्याम के दर्शन करने जा रहे बाइक सवारों को तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे में बुआ-भतीजे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बाइक से खाटू श्याम जा रहे थे बरीपुरा निवासी सत्यम पुत्र शिवराज सिंह अपनी बुआ महेश्वरी देवी व परिवार के साथ बाइक से खाटू श्याम जा रहे थे। जैसे ही वे बरीपुरा चौराहे के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सत्यम और महेश्वरी देवी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में शिवराज सिंह की बेटी मनु सिंह गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल उसे सीएचसी भेजा जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं थाना वजीरगंज पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने पिकअप वाहन को कब्जे में लेने के प्रयास शुरू कर दिए हैं और मामले की जांच की जा रही है।

पालिका चेयरमैन ने नई सराय और मेथोडिस्ट चर्च को सड़क व नाली निर्माण की सौगात दी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। पालिकाध्यक्ष फात्मा रज़ा के नेतृत्व में शहर में विकास कार्यों को लगातार गति मिल रही है। इसी क्रम में रविवार को उन्होंने वार्ड संख्या-27 स्थित नई सराय तथा वार्ड संख्या-19 के मेथोडिस्ट चर्च में पांच लाख रुपये से अधिक की लागत से निर्मित सीसी सड़क, इंटरलॉकिंग सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों का फीता काटकर लोकार्पण किया। विकास कार्यों के पूरा होने पर क्षेत्रवासियों ने खुशी जताते हुए पालिकाध्यक्ष फात्मा रज़ा का जोरदार स्वागत किया और पालिका का आभार व्यक्त किया। पालिकाध्यक्ष फात्मा रज़ा ने कहा कि नगर पालिका का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि शहर के प्रत्येक नागरिक को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता से जुड़े कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जा रहे हैं और विकास की यह गति भविष्य में भी जारी रहेगी। पालिकाध्यक्ष फात्मा रज़ा ने कहा कि नगर पालिका परिषद नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्य करा रही है। जहां भी सड़कें जर्जर हैं अथवा जलनिकासी की समस्या है, वहां प्राथमिकता के आधार पर निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप कराए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक निर्माण कार्य की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए ताकि जनता को लंबे समय तक उसका लाभ मिलता रहे। उन्होंने यह भी कहा कि शहर के समग्र विकास के लिए पालिका पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। नगर पालिका परिषद द्वारा वार्ड संख्या-27 के मोहल्ला नई सराय में रईस दास खां के मकान से अकबर पेंटर के मकान तक लगभग 2.83 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क एवं नाली का निर्माण कराया गया। लंबे समय से यह मार्ग बदहाल था और बरसात में जलभराव के कारण लोगों का निकलना तक मुश्किल हो जाता था। अब नई सड़क और पक्की नाली बनने से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। वहीं वार्ड संख्या-19 स्थित मेथोडिस्ट चर्च के निकट इन्द्रा चौक पर लगभग 2.17 लाख रुपये की लागत से इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण कराया गया। पहले इस मार्ग पर गड्ढों और टूटी सड़क के कारण वाहन चालकों व राहगीरों को परेशानी होती थी, लेकिन अब इंटरलॉकिंग सड़क बनने से आवागमन आसान होने के साथ क्षेत्र की सुंदरता भी बढ़ गई है।

स्थानीय नागरिकों ने कहा कि पालिकाध्यक्ष फात्मा रज़ा ने वर्षों पुरानी मांग को पूरा कर लोगों को बड़ी राहत दी है। बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या अब काफी हद तक समाप्त होगी और बच्चों, महिलाओं तथा बुजुर्गों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि फात्मा रज़ा के नेतृत्व में पालिका द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे बदायूं का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। लोगों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार विकास कार्यों का सिलसिला जारी रहेगा। इस अवसर पर नीरू चंद, लल्लन चौधरी, रोहित चंद, स्वीटी चंद, पतरस मसीह, तूलिका वेलेंटन,

पूर्व सभासद हवीब खाँ उर्फ गुड्डू, अकबर पेंटर, डॉ. नन्नू, जोएब, उवैद, युनुस, हाजी रहीम दास खां, कार्यालय अधीक्षक सूर्य प्रकाश सक्सेना, मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक मोहम्मद तय्यब, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक केशव गंगवार, निर्माण लिपिक सचिन सक्सेना, लवी कुमार, लिपिक नवैद इकबाल गनी, गजेन्द्र शाक्य सहित नगर पालिका परिषद के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

वजीरगंज में किशोरी से दुष्कर्म, 10 घंटे बाद आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

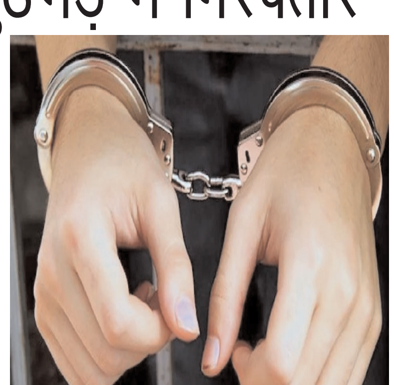

बदायूँ बिसौली। तहसील क्षेत्र के वजीरगंज में अनुसूचित जाति की 13 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने लगभग 10 घंटे बाद मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान अभियुक्त परवेज के पैर में, जबकि सिपाही प्रवेंद्र कुमार के बाएं हाथ में गोली लगी। वजीरगंज के एक मोहल्ला निवासी पीड़िता के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि शनिवार अपराह्न दो बजे उनकी बेटी मोहल्ला तकिया निवासी परवेज पुत्र छुन्ने की दुकान पर सामान लेने गई थी। घर वापस आने पर उनकी बेटी परेशान दिखी तो उन्होंने कारण पूछा। उसने बताया कि परवेज उसे दुकान के भीतर खींच ले गया और दुष्कर्म किया। जब पिता वहां पहुंचे तो परवेज दुकान छोड़कर भाग चुका था। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी परवेज के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। इसके बाद सीओ बिसौली अंशुमन श्रीवास्तव ने आरोपी परवेज की तलाश में टीम गठित कर दी। देर रात मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आंवला रोड पर कुंवरगांव चौराहे के पास आरोपी को घेर लिया। आरोपी परवेज ने पुलिस पर फायर कर दिया, जिसमें एक सिपाही प्रवेंद्र कुमार घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी के बाएं पैर में गोली मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। घायल आरोपी को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। वहीं किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराने के लिए उसे जिला अस्पताल भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। - डॉ हृदेश कठेरिया, एसपी ग्रामीण

जनपदीय पुलिस ने बहू-बेटी सम्मेलन आयोजित कर महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निद ेशन में जनपदीय पुलिस द्वारा लगातार महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थानों और थाना क्षेत्रों में महिला पुलिस टीम ने मिशन शक्ति अभियान के तहत बहू-बेटी सम्मेलन का आयोजन किया और महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उन्हें हेल्पलाइन लाइन नंबरों के बारे में बताया। इसके अलावा महिलाओं एवं बालिकाओं को साइबर अपराधों, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा डिजिटल सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया गया। कहा कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध अथवा अन्य आपराधिक घटना की सूचना बिना किसी संकोच के पुलिस अथवा संबंधित हेल्पलाइन नबरों पर दें, जिससे समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। कहा कि जनपदीय पुलिस महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम लगातार संचालित करती रहेगी।

21 जुलाई को राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग करेगा जनसुनवाई

सम्भल (बहजोई) कैनविज टाइम्स संवाददाता। दिनांक 21 जुलाई 2026 को माननीय उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग लखनऊ के अध्यक्ष एवं सदस्यगणों का जनपद सम्भल भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। कार्यक्रम के अनुसार आयोग द्वारा अपराह्न 3:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक कलेक्ट्रेट सभागार, बहजोई में जनसुनवाई (आपत्तियां एवं सुझाव) आयोजित की जाएगी। जनसुनवाई में जनपद सम्भल के समस्त आमजन से सहभागिता करने एवं अपने सुझाव एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया है।
इस अवसर पर आयोग के माननीय अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री राम औतार सिंह सहित निम्न सदस्यगण उपस्थित रहेंगे— माननीय सदस्य श्री बृजेश कुमार (सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश) माननीय सदस्य श्री संतोष कुमार विश्वकर्मा (सेवानिवृत्त अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश) माननीय सदस्य डॉ. अरविंद कुमार चौरसिया (सेवानिवृत्त आईएएस) माननीय सदस्य श्री एस.पी. सिंह (सेवानिवृत्त आईएएस)

22 जुलाई को राज्य महिला आयोग सदस्या करेंगी जनसुनवाई

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि 22 जुलाई 2026 को 10.00 बजे सदस्य राज्य महिला आयोग अवनी सिंह द्वारा महिला जन सुनवाई लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में की जायेगी । अपरान्हन 01 बजे से ब्लॉक वजीरगंज में जागरुकता चौपाल में उ0प्र0 शासन द्वारा शिविर में उपस्थित व्यक्तियों को विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दिलाये जाने, योजनाओं से सम्बन्धित साहित्य उपलब्ध कराये जाने के साथ ही पात्रों का सुसंगत योजनाओं में यथासम्भव पंजीकरण भी कराये जायेगें।

तेलंगाना सरकार के मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन से शोबी ने की मुलाकात

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। तेलंगाना सरकार में मंत्री रहे मंत्री हैं मंत्री एवं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कांग्रेसी नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन से हैदराबाद पहुंचकर बदायूं के वरिष्ठ नेता फखरे अहमद शोबी ने मुलाकात की उनके साथ पूर्व सांसद दाउद अहमद पूर्व विधायक हाजी बिट्टन और उद्योगपति समी खान मौजूद है। इस मौके पर अज़हर उद्दीन ने कहा कि फखरे अहमद शोबी से हमारे पुराने रिश्ते हैं जिन्हें हम कभी भूल नहीं सकते एस आई आर में उनके द्वारा किए हुए काम की तारीफ भी की इसके अलावा तेलांगना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कैंपेन कमेटी के चेयरमैन मधु गौड यशखी से भी मुलाकात की गई उन्होंने भी शोबी के काम की सराहना की।

पुलिस ने 18 घंटे के अंदर दो बालिकाओं को सकुशल किया बरामद

शाहजहांपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपदीय सर्विलांस सेल और थाना सदर बाजार की संयुक्त पुलिस टीम ने 18 घण्टे के अन्दर दो अपहर्ता बालिकाओं को सकुशल बरामद किया है। शनिवार को थाना सदर बाजार पुलिस को तहरीर देकर एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी 15 वर्षीय पुत्री और उसकी भांजी आज अपनी बुआ के घर जनपद पीलीभीत जाने के लिए घर से निकली थीं, लेकिन अभी तक दोनों घर वापस नहीं पहुंची हैं। थाना सदर बाजार पुलिस ने तहरीर के आधार पर अपहरण का मुकदमा पंजीकृत किया और घटना की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को दी। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देशन में दोनों बालिकाओं की जल्द सकुशल बरामदगी के लिए टीमों का गठन किया गया और उनकी तलाश शुरू की गई। इसी क्रम में आज जनपदीय सर्विलांस सेल एवं थाना सदर बाजार की संयुक्त पुलिस टीम ने दोनों बालिकाओं को घटना के करीब 18 घंटे के अंदर सकुशल बरामद किया। थाना सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि बरामद दोनों बालिकाओं को नियमानुसार थाना सदर बाजार लाया गया है तथा उनके संबंध में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। बालिकाओं को सकुशल बरामद करने वाली टीम में थाना सदर बाजार के प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार के साथ सदर बाजार के उपनिरीक्षक विवेक कुमार और सर्विलांस सेल प्रभारी उपनिरीक्षक मनोज कुमार मय टीम के शामिल रहे।

टेट की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग के लिए सांसद को सौंपा ज्ञापन

औरैया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने रविवार को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को लेकर इटावा लोकसभा क्षेत्र के सांसद जितेंद्र दोहरे को ज्ञापन सौंपा। प्रधानमंत्री और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन में शिक्षकों ने टेट की अनिवार्यता समाप्त कर शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को अधिक व्यावहारिक और सरल बनाने की मांग की। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री अरविंद राजपूत ने बताया कि ज्ञापन में कहा गया है कि टेट की अनिवार्यता के कारण अनेक योग्य एवं अनुभवी अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया में अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

अंतरजनपदीय चोर गिरोह का भंडाफोड़, दो शातिर गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नीमगांव (खीरी)। थाना नीमगांव पुलिस ने अंतरजनपदीय चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सिकंदराबाद स्थित एक दुकान से चोरी किए गए पीतल के बर्तन, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, एक अवैध .315 बोर तमंचा तथा जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मितौली के पर्यवेक्षण में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नीमगांव पुलिस ने सर्विलांस सेल एवं स्वाट टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्तों ने सिकंदराबाद क्षेत्र में एक दुकान से पीतल के बर्तन चोरी करने की घटना स्वीकार कर ली। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विपिन मौर्य उर्फ विवेक उर्फ पिंटू पुत्र निवासी ग्राम गौरिया, थाना पड़रिया तथा लवकुश निवासी जोबेपुरवा, थाना निघासन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी हैं और इनके विरुद्ध चोरी, आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न जनपदों के थानों में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए पीतल के कई बर्तन, एक अवैध .315 बोर तमंचा, जिंदा कारतूस तथा चोरी की घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी नीमगांव, थाना पुलिस, स्वाट टीम एवं सर्विलांस सेल के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही।

संयुक्त रात्रि गश्त में मिली सफलता 53 ग्राम स्मैक बरामद, एक गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) एवं उत्तर प्रदेश पुलिस की संयुक्त टीम ने एक तस्कर को 53 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार्यवाहक कमांडेंट अंजनी कुमार तिवारी के निर्देशन में गोपनीय सूचना के आधार पर शनिवार कि रात्रि भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में रूपईडीहा बाजार, नेपालगंज रोड तथा रेलवे स्टेशन के आसपास संयुक्त गश्त अभियान चलाया गया। इसी दौरान रात लगभग 8:45 बजे सीमा पार करने की कोशिश कर रहे एक संदिग्ध भारतीय नागरिक शमीम अहमद पुत्र लल्लन रैनी को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से काले रंग की पॉलीथीन में छिपाकर रखी गई 53 ग्राम स्मैक बरामद हुई। बरामद मादक पदार्थ की पुष्टि 42वीं वाहिनी एसएसबी के प्रशिक्षित नारकोटिक्स डिटेक्शन (एनडी) डॉग द्वारा की गई।

इसके बाद बरामद स्मैक और गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई के लिए थाना रूपईडीहा, जनपद बहराइच के सुपुर्द कर दिया गया। एसएसबी और उत्तर प्रदेश पुलिस की इस संयुक्त कार्रवाई को भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता एवं बेहतर समन्वय का महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सीमा क्षेत्र में तस्करी एवं अन्य अवैध गतिविधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

रिश्वतखोर दरोगा पर गिरी गाज, डीआईजी के आदेश पर भ्रष्टाचार का मुकदमा दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

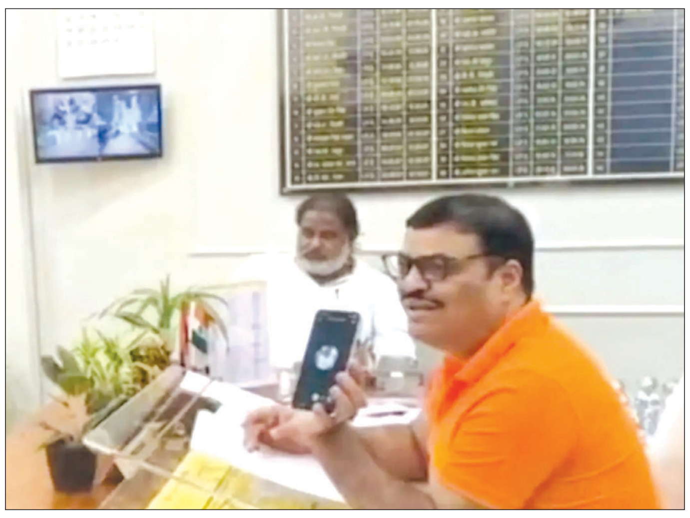

गोंडा । जिले में पुलिस महकमे में भ्रष्टाचार के खिला फ बड़ी कार्रवाई करते हुए तरबगंज थाने में तैनात उपनिरीक्षक ओम प्रकाश यादव के खिलाफ भ्रष्टा चार निवारण अधिनियम की धारा सात के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।देवीपाटन रेंज के डी आईजी अशोक कुमार शुक्ला के निर्देश पर कार्र वाई हुई।मामले की जांच सीओ तरबगंज उमेश्वर प्रताप सिंह को सौंपी गई है।मन्नीपुर गांव निवासी किंग उपाध्याय ने आरोप लगाया कि दरोगा ओम प्रकाश यादव ने मारपीट के एक मुकदमे में चार्ज शीट लगाने के नाम पर उनसे तीस हजार रुपये की रिश्वत ली थी। आरोप है कि रकम लेने के बावजूद बाद में मुकदमे में फाइनल रिपोर्ट लगा दी गई।इस मामले ने तब तूल पकड़ा जब 16 जुलाई को डी आईजी अशोक कुमार शुक्ला का एक वीडियो वायरल हुआ।वीडियो में डीआईजी तरबगंज थाना प्रभारी श्रीधर पाठक को फोन पर कड़ी फटकार लगाते नजर आए।उन्होंने कहा, ्आपके थाने के दरोगा ने चार्जशीट के नाम पर तीस हजार रुपये ले लिए, बाद में फाइनल रिपोर्ट लगा दी।आप वहां क र क्या रहे हैं...? एसएचओ का काम है कि थाने में भ्रष्टाचार न होने पाए।अब इनका पैसा वापस करा ओ, नहीं तो तुम्हें सस्पेंड करूंगा।्दरअसल, किंग उपाध्याय 9 जुलाई को डीआईजी कार्यालय पहुंचे थे, जहां जनसुनवाई के दौरान उन्होंने शिकायत दर्ज कराई थी।उन्होंने बताया कि एक महीने से वह दरोगा से पैसे वापस मांग रहे थे, लेकिन न तो उनकी कॉल उठाई जा रही थी और न ही संदेशों का जवाब दिया जा रहा था।शिकायतकर्ता ने डी आईजी को दरोगा को भेजे गए मैसेज के स्क्रीन शॉट भी दिखाए।स्क्रीनशॉट देखने के बाद डीआ ईजी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।अब मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। मामले की जांच रिपोर्ट आने के बाद दरोगा पर विभागीय कार्रवाई भी तय मानी जा रही है।

चौदह लाख की नाली छह माह में ध्वस्त, मनरेगा में बड़ा खेल उजागर

विकासखंड रूपईडीह ग्राम पंचायत बेलवा बाजार में घटिया निर्माण की खुली पोल; जांच में तेरह मीटर दीवार टूटी मिली, भुगतान पर लगी रोक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । विकासखंड रुपईडीह के ग्राम पंचायत बेलवा बाजार में मनरेगा योजना के तहतकरीब चौदह ला ख रुपये की लागत से बनी नाली महज छह माह में कई स्थानों पर टूट गई। ग्रामीणों की शिकायत पर हुई जांच में निर्माण की गंभीर खामियां सामने आईं, जिसके बाद बीडीओ ने सामग्री मद का भुग तान रोक दिया है।बेलवा बाजार निवासी प्रताप ना रायण दुबे ने जिलाधिकारी और देवीपाटन मंडल आयुक्त को शिकायत पत्र देकर नाली निर्माण में भारी अनियमितता और घटिया सामग्री के प्रयोग का आरोप लगाया था।यह नाली हरिशंकर दुबे के घर से किराहवा तालाब तक बनाई गई थी।जांच में पाया गया कि नाली निर्माण के बाद कई स्थानों प र मिट्टी की भराई नहीं की गई थी।साथ ही ह्यूम पा इप लगाने में आई बाधाओं के कारण संरचना कम जोर हो गई।परिणामस्वरूप करीब तेरह मीटर लं बी नाली की दीवार टूटकर क्षतिग्रस्त हो गई।ग्राम पंचायत अधिकारी देवेश श्रीवास्तव ने बारिश को नुकसान का कारण बताया, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि खराब गुणवत्ता की सामग्री और मान कों की अनदेखी के कारण नाली पहली ही बरसा त में जवाब दे गई।बीडीओ ने मामले को गंभीर मा नते हुए मनरेगा के तहत सामग्री मद का भुगतान रोक दिया है।उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट के आ धार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने जिम्मेदार अधिकारियों और निर्माण ए जेंसी पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

लाखो रूपये खर्च होने के बाद भी नगर में लगे सीसी टीवी कैमरा बना शोपीस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । नगर में अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा नगर के सभी चौक चौराहों पर सीसी टीवी कैमरा लगाए गए है।इसके अलावा स्टेशन के बाहर मुख्यगेट पर सीसी टीवी कैमरा लगाए है।जबकि नगर के अत्यंत व्यस्ततम इलाका वीर अब्दुल हमीद चौक, महाराजगंज पुलिस चौकी,पीपल चौराहा,गुरु नान क चौराहा, अग्रसेन चौक,मनकापुरबस स्टॉप,डिग्री कॉलेज चौराहा,आईटीआई चौराहा, झूलेलाल चौ राहा,अंबेडकर चौराहा सहित आदि चौराहों पर सीसी टीवी कैमरा लगाया गया है।ताकि बाहर से कोई अराजकतत्व जनपद में प्रवेश न कर सक और न अंदर से बाहर जा सके।लेकिन अधिक तर चौराहों पर कैमरा सिर्फ शोपीस में बना हुआ है।

वर्तमान में अधिकतर कैमरे खराब पड़े है।आलम यह है कि कोई कैमरा आसमान की ओर देख रहा है तो कोई कैमरा जमीन की ओर देख रहा है। इस के प्रति पुलिस महकमा तब जागता है,जब नगर में कोई बड़ी घटना घटित हो जाती है। इसके लगाने का उद्देश्य साफ है कि अपराधी अपराध करने से घबराएगा और उसके अंदर खौफ रहेगा।लेकिन पुलिस महकमा इस कवायद में फ़ेल है।जिसके च लते अधिकांश कैमरे शोपीस बने हुए है और अप राधियों पर इसका तनिक भय नहीं है।उनकी मर म्मत कराने में पुलिस महकमा उदासीन बना हुआ है।ऐसे में शहर में भी कोई बड़ी वारदात हो जाए तो अपराधियों को शिनाख्त करना पुलिस के लिए मुश्किल हो जाता है। सीसीटीवी बनवाने के संबंध में पुलिस अफसरों का कहना है कि संबंधित एजें सी को कैमरा दुरुस्त करने के लिए कहा गया है, जल्द ही दुरुस्त हो जाएंगे।

पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैर में लगी गोली, तीन अंतरजनपदीय चोर गिरफ्तार

कर्नलगंज,खरगूपुर और परसपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई,तीन शातिर चोर गिरफ्तार,चोरी के जेवर, नकदी,तमंचे और दो बाइक बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले में सर्राफा दुकानों और ग्राहक सेवा कें द्रों को निशाना बनाने वाले अंतरजनपदीय चोर गि रोह पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है।कर्नलगंज, खरगूपुर और परसपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने श निवार देर रात पंडितपुरवा बगिया के पास मुठभेड़ के दौरान तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया इनमें दो बदमाश पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पै र में गोली लगने से घायल हुए। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के निर्देशन में अपर पुलिस अ धीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी कर्नलगंज आनंद कुमार राय के नेतृ त्व में यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान चुनमुन चौहान उर्फ विशाल,शिवकुमार उर्फ सुक्खी और रोशनलाल के रूप में हुई है।चुन मुन और शिवकुमार को गोली लगने के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।पुलिस के अनुसार, टीम पंडितपुरवा-कादीपुर लखनऊ-गोंडा मार्ग पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी।इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की दो मोटरसाइकिलों पर सवार बदमाशों को रुकने का संकेत दिया गया, लेकिन वे भागने लगे।पीछा किए जाने पर बदमाशों ने पुलि स पर फायरिंग कर दी।आत्मरक्षा में पुलिस ने ज वाबी कार्रवाई की, जिसमें दो बदमाश घायल हो गए, जबकि तीसरे को घेराबंदी कर दबोच लिया गया।पुलिस के पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि वे पहले दुकानों की रेकी करते थे और रात में ताला तोड़कर चोरी की वारदातों को अंजा म देते थे।गिरोह ने कर्नलगंज क्षेत्र के चौरी चौराहा स्थित सर्राफा दुकान,खरगूपुर के मनोहरजोत स्थि त ज्वेलरी दुकान और परसपुर क्षेत्र के ग्राहक सेवा केंद्र में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों पर गोंडा बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर और संतकबीरनगर समेत कई जिलों में चोरी, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट के दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं।कर्नलगंज पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शु रू कर दी है।

पीएम मोदी की महत्वपूर्ण जल जीवन मिशन की खुल रही पोल

गाँव में पाइप बिछी टोंटियां सूखी करोड़ों खर्च के बाद भी प्यासे गाँव

जिले के कई ब्लॉकों में अधूरे कार्य घटिया निर्माण और टूटी सड़कों पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना गोंडा जिले में सवालों के घेरे में है।सरकार हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने का दावा कर रही है,लेकिन जिले के कई गांवों में पाइ पलाइन बिछने के बावजूद नलों से पानी की एक बूंद तक नहीं पहुंच रही है। कहीं नल की टोंटियां नहीं लगीं,तो कहीं सप्लाई शुरू ही नहीं हुई।करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी ग्रामीण प्यास बुझाने के लिए पुराने हैंडपंपों और दूरस्थ जलस्रोतों पर निर्भर हैं।जिले के झंझरी, पंडरी कृपाल, मुजेहना, मनकापुर, बेलसर, करनैलगंज, परसपुर, कटरा बाजार, रूपईडीह, तरबगंज, नवाबगंज और छपिया बभन जोत समेत कई विकासखंडों से योजना में अनिय मितताओं की शिकायतें सामने आई हैं।

जमीनी हकीकत ने खोले दावों के राज

ग्रामीणों का कहना है कि कई गांवों में पाइपलाइन तो बिछा दी गई,लेकिन काम अधूरा छोड़ दिया ग या है अनेक स्थानों पर नल और टोंटी अभी तक नहीं लगाई गई है,जबकि कुछ गांवों में एक वर्ष से अधिक समय बीतने के बाद भी जलापूर्ति शुरू न हीं हो सकी है।

गाँव वालो की प्रमुख समस्याएं

अधूरा निर्माण : पाइपलाइन बिछाने के बाद कार्य रोक दिया गया,नल कनेक्शन अधूरे
सूखी टोंटियां : कई घरों में नल लगे हैं,लेकिन पानी की सप्लाई शुरू नहीं हुई,
घटिया सामग्री : ग्रामीणों ने पानी की टंकियों में दरारें आने और कमजोर निर्माण सामग्री के उप योग का आरोप लगाया..
टूटी सड़कें :पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों की मरम्मत नहीं हुई,जिससे रास्ते गहरे गड्ढों में बदल गए...जवाबदेही का अभाव : शिकायतों के बावजूद जि म्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों पर स्थानीय स्तर पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है वही गाँव वालो का आरोप है कि योजना के नाम पर सिर्फ कागजी प्रगति दिखाई जा रही है,जबकि धरातल पर स्थिति बदहाल है।लोगों का कहना है कि उन्हें हर घर जल का लाभ नहीं मिला,बल्कि टूटी सड़ कों और अधूरे निर्माण की परेशानी झेलनी पड़ रही है।सूत्र बता रहे है कि राज्य के अन्य जिलों में जल जीवन मिशन में अनियमितताओं को लेकर ठेकेदारों पर जुर्माना,रिकवरी और इंजीनियरों के निलंबन जैसी कार्रवाइयां हो चुकी हैं।ऐसे में गोंडा जिले में भी योजना की गुणवत्ता और खर्च की नि ष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है।वही सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब पाइपलाइन बिछाने और नि र्माण पर करोड़ों रुपये खर्च हो चुके हैं, तो आखिर गोंडा के हजारो ग्रामीण अब भी शुद्ध पेयजल से वंचित क्यों हैं....?

देवरिया : टेस्टिंग के दौरान दूसरी बार टूटी पाइपलाइन, सड़क से निकला पानी का फ़व्वारा

देवरिया । उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में रुद्रपुर नगर पंचायत क्षेत्र में जल जीवन मिशन के तहत बिछाई गई नई पेयजल पाइपलाइन की टेस्टिंग के दौरान लगातार दूसरे दिन पाइपलाइन टूटने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। रविवार को जमुनी चौराहे के पास टेस्टिंग के दौरान पाइपलाइन में अचानक लीकेज होने से सड़क पर तेज पानी का फव्वारा फूट पड़ा। काफी देर तक पानी बहने से स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। इससे एक दिन पहले गोला वार्ड में भी टेस्टिंग के दौरान पाइपलाइन में रिसाव मिला था। लगातार दूसरे दिन सामने आई इस समस्या ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि योजना पूरी होने से पहले ही पाइपलाइन में लीकेज मिलना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। नगर पंचायत द्वारा नगरवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दो करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सभी 16 वार्डों में नई पाइपलाइन बिछाई गई है। करीब दो वर्षों से यह कार्य चल रहा था और अब जलापूर्ति शुरू करने से पहले पूरे नेटवर्क की टेस्टिंग की जा रही है। इसी दौरान विभिन्न स्थानों पर पाइपलाइन में लीकेज सामने आ रहे हैं।

कुर्रा बनाने के लिए धन की मांग सम्बन्धी शिकायत पर डीएम का कड़ा रूख

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। शनिवार को तहसील महसी में आयोजित आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपेन्द्र कुमार पुत्र देवेन्द्र कुमार निवासी ग्राम लालीपुरवा दा. केवलपुर द्वारा जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के समक्ष एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करते हुए बताया कि तत्कालीन लेखपाल दुर्गेश निगम द्वारा उसके भाई से कुर्रा बनाने के सम्बन्ध में पैसा लिया गया था और अतिरिक्त पैसे की मांग की जा रही थी। आरोपों की पुष्टि के सम्बन्ध में आवेदक द्वारा एक आडियो क्लिप भी उपलब्ध कराया गया। उक्त प्रकरण का तत्काल संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी द्वारा उप जिलाधिकारी महसी को जांचोपरान्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम के सम्बन्धित प्रकरण की जांच राजस्व निरीक्षक/नायब तहसीलदार से कराते हुए आवेदक द्वारा उपलब्ध कराये गये आडियो विलप के क्रम में तहसीलदार महसी की आख्या के अनुसार आरोपों की प्रथम दृष्टया पुष्टि करते हुए दुर्गेश निगम तत्कालीन लेखपाल तहसील महसी सम्प्रति तहसील कैसरगंज के विरुद्ध निलम्बित विभागीय कार्यवाही संचालित किये जाने हेतु संस्तुति सहित आख्या प्रेषित की गयी। तहसीलदार महसी की आख्या का संज्ञान लेते हुए उप जिलाधिकारी कैसरगंज द्वारा वर्तमान में तहसील कैसरगंज के लेखपाल क्षेत्र रायगढ़ बेहडा में तैनात लेखपाल दुर्गेश निगम को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है। सम्बन्धित प्रकरण में विभागीय कार्यवाही हेतु नायब तहसीलदार जरवल सुरेन्द्र कुमार वर्मा को जांच अधिकारी नामित करते हुए निलम्बित लेखपाल को भूलेख अनुभाग कैसरगंज से सम्बद्ध कर दिया गया है।

सागौन के तीन पेड़ काटने पर लकड़ी कारोबारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना फुरसतगंज क्षेत्र के गांव सरवन में बेखौफ लकड़ी कारोबारियों द्वारा दिनदहाड़े प्रतिबंधित सागौन के तीन पेड़ो को काटकर धाराशायी कर दिया गया है और आनन फानन में मौके से लकड़ी हटाकर उसे ठिकाने लगा दिया गया है। ग्रामीणों की शिकायत पर कुम्भकर्णी नींद में सो रहे वन कर्मियों ने लकड़ी कारोबारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाते हुये मामले की इतिश्री कर दिया है। स्थानीय पुलिस एवं वन विभाग की खाऊ कमाऊ नीति के चलते वन रेंज तिलोई में लकड़ी कारोबारियों के हौसले बुलंद है। प्रदेश सरकार द्वारा अभी चंद दिनों पहले लाखों रुपया खर्चकर वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया जिसमें क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ ही जनपद के आला अधिकारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया लेकिन चंद दिन बीतते ही खेवनहार अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के बजाय चंद कागज के टुकड़ों की खातिर लकड़ी कारोबारियों से हाथ मिला बैठे और इलाके में अवैध कटान एक बार फिर से शुरु करा दी जिससे लकड़ी कारोबारियों के हौसले बुलंद है और आसपास के जनपदों के नामचीन लकड़ी कारोबारियों ने इस क्षेत्र को अपना मुफीद अडडा बना लिया है। बताते चलें कि वन रेंज तिलोई के गांव सरवन में स्थानीय पुलिस एवं वन विभाग की मिलीभगत से सागौन के पेड़ों की कटान हो रही थी इसकी शिकायत वन विभाग के आला अधिकारियों तक पहुंच गई तो बीट प्रभारी मुकेश यादव एवं सेक्शन प्रभारी सचिन गौतम ने मौके पर पहुंचकर देखा तो ग्राम सरवन में तीन बृक्ष सागौन का अवैध कटान मिला और लकडी मौके से उठायी जा चुकी थी।बीट प्रभारी मुकेश यादव ने बताया कि वन विभाग से बिना कटान परमिट लिये उक्त पेड़ो का कटान और ढुलान कराया जगया है जो कि नियमतः गलत है। बीट प्रभारी की तहरीर पर स्थानीय पुलिस ने लकड़ी कारोबारी कैलाश पुत्र पच्चू निवासी ग्राम पूरे बनिया मजरे बंदीपुर संदी नागिन थाना मिलएरिया जिला रायबरेली के खिलाफ मुकदमा दर्जकर लिया है।

कचरा प्रबंधन में मॉडल बनेगा वाराणसी,केंद्रीय सचिव ने करसड़ा और रमना प्लांट का लिया जायजा

वाराणसी । उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी को कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में देश का रोल मॉडल बनाने की कवायद नगर निगम ने शुरू कर दी है। स्मार्ट सिटी और स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहर में कचरे से ऊर्ज़ा और जैविक खाद बनाने की आधुनिक तकनीकों पर अब निगम प्रशासन विशेष जोर दे रहा है। इसी क्रम में शनिवार को केंद्रीय टीम ने वाराणसी में आकर जमीनी हकीकत परखी। केन्द्रीय शहरी आवासन एवं कार्य मंत्रालय के सचिव श्रीनिवास कटिकिथला ने करसड़ा तथा रमना प्लांट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्रीय संयुक्त सचिव रूपा मिश्रा भी उनके साथ उपस्थित रहीं। दोनों अफसरों के वाराणसी आगमन पर नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनकी अगवानी की। केंद्रीय सचिव ने सबसे पहले करसड़ा स्थित वेस्ट टू कंपोस्ट प्लांट का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान प्लांट का संचालन करने वाली संस्था ईस्टर्न ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर्स के प्रतिनिधियों ने एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) के माध्यम से सचिव को कचरा प्रसंस्करण और खाद निर्माण की पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया।

नशीली दवाओं के अवैध नेटवर्क पर बड़ा शिकंजा, 1.13 करोड़ की दवाएं सीज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । प्रदेश में नकली और नशीली दवाओं के अवै ध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अ भि यान में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई सा मने आई है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने तीन दिन तक चली सघन छापेमारी में बिना लाइसेंस संचालित तीन अवैध गोदामों से एक करोड़ तेरह लाख रुपये मू ल्य की नशीली और एलोपैथिक दवाएं बरामद कर सीज कर दीं।बरामद दवाओं में कोडीन सिरप, ट्रा माडोल इंजेक्शन, अल्प्राजोलम टैबलेट समेत भा री मात्रा में मनःप्रभावी औषधियां शामिल हैं। कार्र वाई के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया ग या,जबकि मुख्य आरोपी अमन कसौधन फरार हो गया है।उसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें लगा तार दबिश दे रही हैं।

तीन दिन तक चला संयुक्त अभियान

गोपनीय सूचना के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मुख्यालय, लखनऊ के निर्देशन में 16, 17 और 18 जुलाई को बरियार पुरवा, सो नार गली और बड़गांव क्षेत्र में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया।इस अभियान में प्रदेश के नौ जिलों के औषधि निरीक्षक और स्थानीय पुलि स बल शामिल रहे।टीम सबसे पहले गोंडा-बलरा मपुर मार्ग स्थित जयनगरा, बड़गांव में संचालित बताए गए अमन फार्मास्युटिकल्स पहुंची, लेकिन फर्म निर्धारित पते पर नहीं मिली और न ही वहां कोई साइन बोर्ड लगा था।पूछताछ के बाद टीम अमन कसौधन के आवास पहुंची,जहां उसके भाई शिवम कसौधन ने बिना लाइसेंसदवा कारोबार की बात स्वीकार की।

दस्तावेज नहीं दिखा सके संचालक

जांच के दौरान संचालक दवाओं के क्रय-विक्रय संबंधी बिल, स्टॉक रजिस्टर और अन्य वैधानिक अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके।इसके बाद टीम ने तीनों गोदामों में रखी भारी मात्रा में दवाओं को मौ के पर ही सीज कर दिया।मौके पर भारी मात्रा में बरामद हुईं दवाएं 1,96,000 ट्रामाडोल इंजेक्शन
60,000 अल्जोमैक 0.5 (अल्प्राजोलम) टैबलेट
63 बोतल कोडीन फॉस्फ़ेट सिरप 2,82,960 से म्प्लेक्स प्लस कैप्सूल 53,712 डिपट्राम प्लस कै प्सूल, 59,256 प्रोक्सीस्पास कैप्सूल बरामद दवा ओं का अनुमानित बाजार मूल्य 1.13 करोड़ रुपये आंका गया है।संयुक्त टीम ने 19 विभिन्न दवाओं के नमूने जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेजे हैं।

एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज

पुलिस ने शिवम कसौधन पुत्र प्रमोद कसौधन नि वासी रानी बाजार, बड़गांव को गिरफ्तार कर लि या है।वहीं मुख्य आरोपी अमन कसौधन फरार है। आरोपियों के खिलाफ थाना कोतवाली नगर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत एफ आईआर संख्या 0676 दर्ज की गई है।अधिका रियों ने कहा कि युवाओं में नशे की प्रवृत्ति बढ़ाने वाले ऐसे अवैध नेटवर्क के खिलाफ प्रदेश सरकार जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रही है और आगे भी लगातार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

सीडीओ ने ग्रामीण पाइप पेयजल परियोजना के साथ ही गोवंश आश्रय स्थल का किया निरीक्षण

गोवंश आश्रय स्थल कपूरीपुर के औचक निरीक्षण में सीसीटीवी कैमरे चालू मिले

चारे पानी की पर्याप्त उपलब्धता पर बीडीओ को व्यवस्था सुदृढ़ रखने की हिदायत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू ने विकास क्षेत्र जगदीशपुर के अंतर्गत मुख्य विकास परियोजनाओं एवं लोक-कल्याणकारी योजनाओं का सघन स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण पाइप पेयजल योजना और गोवंश आश्रय स्थल की जमीनी हकीकत का जायजा लिया।मुख्य विकास अधिकारी ने 'जल जीवन मिशन' के तहत कपूरीपुर में नवनिर्मित ग्रामीण पाइप पेयजल परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया। वित्तीय वर्ष 2022-23 की इस स्वीकृत परियोजना की कुल लागत 264.61 लाख रुपया है जिसके अंतर्गत कार्यदायी फर्म मेसर्स विन्ध्या टेलीलिंक्स-गाजा, इंजी0 प्राइवेट लिमिटेड जे0वी0 नोएडा द्वारा शत-प्रतिशत कार्यों को पूर्ण कर लिया गया है।निरीक्षण के दौरान मौके पर उपस्थित सहायक अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि ट्यूबवेल व जलाशयः एक नग ट्यूबवेल (पांच सौ एलपीएम) तथा एक नग उच्च जलाशय (एक सौ पचास किलोलीटर / सोलह मीटर स्टेजिंग) का निर्माण कार्य पूरी तरह पूर्ण होकर क्रियाशील है। ग्रामीण क्षेत्र में करीब दस किलोमीटर की वितरण प्रणाली (पाइपलाइन) बिछाई जा चुकी है, जिसके माध्यम से लक्षित चार सौ बारह घरों में क्रियाशील गृह संयोजन सफलतापूर्वक प्रदान कर दिए गए हैं।

* अधोसंरचना व ऊर्जा स्रोतः परिसर में बाउण्ड्रीवाल, पम्पहाउस तथा 12.5 क्रू क्षमता की मोटर स्थापित है। साथ ही बिजली आपूर्ति को सुचारू रखने हेतु 20 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल भी पूर्ण रूप से स्थापित किया जा चुका है।सहायक अभियंता ने बताया कि इस पेयजल परियोजना से क्षेत्र के कुल दो राजस्व ग्रामों के अंतर्गत आने वाले गांव शिवनन्दन का पुरवा, कपूरीपुर, हुसैनगंज, पूरबगांव के निवासियों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति शुरू हो गई है। मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू ने अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल कपूरीपुर के निरीक्षण के दौरान आश्रय स्थल पर सुरक्षा एवं निगरानी के दृष्टिगत स्थापित सीसीटीवी कैमरे सुचारू रूप से चालू पाये गये। इसके साथ ही मौके पर संरक्षित निराश्रित गोवंशों हेतु हरे चारे, शुद्ध पेयजल एवं भूसे की पर्याप्त व संतोषजनक उपलब्धता सुनिश्चित मिली। मुख्य विकास अधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी जगदीशपुर को निर्देशित किया कि मौसम के दृष्टिगत गोवंशों की देखभाल, स्वास्थ्य परीक्षण और आश्रय स्थल की समस्त व्यवस्थाओं को निरंतर इसी प्रकार सुदृढ़ बनाए रखें तथा समय-समय पर स्वयं भी इसका पर्यवेक्षण सुनिश्चित करें।

बारिश भी नहीं रोक सकी गोमती मित्रों का कारवां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। लगातार हो रही बारिश के बीच भी गोमती मित्र मण्डल का सेवा भाव और स्वच्छता के प्रति समर्पण अडिग रहा। माँ गोमती स्वच्छता मिशन के अंतर्गत श्री सीताकुण्ड धाम पर आयोजित 741वें स्वच्छता जागरूकता श्रमदान में कार्यकर्ताओं ने बारिश की परवाह किए बिना नदी तट और आसपास के क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। भीगते हुए श्रमदान कर गोमती मित्रों ने यह संदेश दिया कि प्रकृति और पर्यावरण की सेवा किसी मौसम की मोहताज नहीं होती।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोमती मित्र मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष रूद्र प्रताप सिंह श्मदनश ने कहा कि माँ गोमती केवल एक नदी नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और आस्था की धरोहर है। इसके संरक्षण और स्वच्छता के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब तक हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेगा, तब तक संगठन का जनजागरण अभियान निरंतर चलता रहेगा। आज का श्रमदान इस बात का प्रमाण है कि सच्चे संकल्प के आगे मौसम की बाधाएँ भी छोटी पड़ जाती हैं। वरिष्ठ पदाधिकारी मुन्ना सोनी ने कहा कि बारिश में भी पूरे उत्साह के साथ श्रमदान करने वाले गोमती मित्र समाज के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों में नदी संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और स्वच्छता के प्रति स्थायी जनजागरण करना है।

741वें श्रमदान में प्रदेश प्रवक्ता रमेश माहेश्वरी, मुन्ना सोनी, राजेश पाठक, डॉ. कुंवर दिनकर प्रताप सिंह, अजय प्रताप सिंह, राकेश सिंह श्दद्दूश, रामू सोनी, युवा मण्डल अध्यक्ष अजय वर्मा, सोनू सिंह, आलोक तिवारी, अरुण अग्रहरि सहित अनेक गोमती मित्रों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। बारिश के बीच हुए इस श्रमदान ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि सेवा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृढ़ संकल्प रखने वालों के कदम किसी भी परिस्थिति में नहीं रुकते।

विद्यार्थियों में ज्ञान की जिज्ञासा जगाना आचार्य का दायित्व : शेषधर द्विवेदी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ज्ञान कुंज विवेकानंद नगर में सुलतानपुर संकुल के गणित एवं विज्ञान प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि प्रदेश निरीक्षक शेषधर द्विवेदी ने कहा कि आचार्य का प्रमुख दायित्व विद्यार्थियों में ज्ञान प्राप्ति की जिज्ञासा और सीखने की ललक विकसित करना है। उन्होंने पंचपदी शिक्षण पद्धति तथा प्रभावी शिक्षण के विभिन्न पहलुओं पर भी प्रकाश डाला।

प्रधानाचार्य एवं संकुल प्रमुख राकेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण कौशल से दक्ष बनाकर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। प्रशिक्षण में डॉ. जे. एन. मिश्र ने गणित तथा शैलेन्द्र चतुर्वेदी, अभिषेक तिवारी, उर्मिला और डॉ. शशांक श्रीवास्तव ने विज्ञान विषय की आधुनिक शिक्षण तकनीकों, नवाचारों एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप प्रभावी शिक्षण विधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्या भारती के पूर्णकालिक कार्यकर्ता सुमंत पाण्डेय सहित संकुल के पदाधिकारी, प्रधानाचार्य एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

पूरनपुर में भाजपा ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष पूरनलाल लोधी का ऐतिहासिक स्वागत हजारों वाहनों के काफिले और जनसैलाब से गूंजा विधानसभा क्षेत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।भारतीय जनता पार्टी के ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष पूरनलाल लोधी के पूरनपुर विधानसभा में प्रथम आगमन पर पूरे विधानसभा क्षेत्र में भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया सबसे पहले कजरी स्थित पंडित राजेंद्र प्रसाद स्मारक कॉलेज ऑफ फार्मेसी पहुंचने पर संस्थान के चेयरमैन अमित मिश्रा ने अपने सहयोगियों के साथ फूलमालाओं और पटका पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया इसके बाद स्वागत काफिला आगे बढ़ा और पूरे विधानसभा क्षेत्र में जगह-जगह उनका अभिनंदन किया गया ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष के साथ विधायक बाबूराम पासवान,भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, विधान परिषद सदस्य सुधीर गुप्ता, नगर पालिका परिषद पूरनपुर के अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता, जिला कार्यकारिणी सदस्य ऋतुराज पासवान, मंडल अध्यक्ष हर्ष प्रधान, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह सहित भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे विधानसभा क्षेत्र की सीमा से विधायक बाबूराम पासवान के नेतृत्व में विशाल स्वागत काफिला शुरू हुआ सैकड़ों वाहनों का लंबा काफिला और सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब पूरे नगर में आकर्षण का केंद्र बना रहा जगह-जगह भाजपा कार्यकर्ताओं, मातृशक्ति, युवाओं और क्षेत्रवासियों ने पुष्प वर्षा कर क्षेत्रीय अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया पूरे मार्ग पर भाजपा के झंडों, स्वागत द्वारों और जयकारो से माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा स्टेशन चौराहा पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने भी क्षेत्रीय अध्यक्ष पूरनलाल लोधी का पटका पहनाकर एवं फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया व्यापारियों ने संगठन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए भाजपा नेतृत्व का अभिनंदन किया कार्यक्रम के दौरान वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भी कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया नेताओं ने प्रत्येक बूथ को सशक्त बनाने, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने तथा संगठन को और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया उन्होंने विश्वास जताया कि कार्यकर्ताओं की मेहनत, जनता के आशीर्वाद और संगठन की एकजुटता से वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में पुनः भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी अंत में भाजपा नेताओं ने पूरनपुर विधानसभा की देवतुल्य जनता, सभी जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों का ऐतिहासिक स्वागत एवं अपार सहयोग के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का यही विश्वास और स्नेह उन्हें निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

शहीदों के सम्मान में बड़ी पहल- पूरनपुर के कारगिल शहीद पार्क का होगा सौंदर्यीकरण

पूरनपुर।देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों की स्मृति में राष्ट्रीय राजमार्ग 730 स्थित कारगिल शहीद पार्क, जो लंबे समय से उपेक्षा का शिकार होकर दिशाहीन और जर्जर अवस्था में पड़ा था, अब जल्द ही नए स्वरूप में दिखाई देगा। कुछ दिन पूर्व नेकी की दीवार सामाजिक संस्था द्वारा पार्क की बदहाल स्थिति को जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह के संज्ञान में लाया गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी महोदय ने संबंधित अधिकारियों को पार्क के सौंदर्यीकरण एवं आवश्यक विकास कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं।यह पहल केवल एक पार्क के विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि उन अमर शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।इसी क्रम में 26 जुलाई, कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल शहीद पार्क में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी तथा देशभक्ति, स्वच्छता और जन-जागरूकता का संदेश दिया जाएगा। नेकी की दीवार सामाजिक संस्था ने जनपद प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शहीदों की स्मृतियों का संरक्षण और सम्मान प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। संस्था ने जनसामान्य से भी कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है।

बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम से गूंजा पीएम श्री विद्यालय हाजीपट्टी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। पीएम श्री कम्पोजिट विद्यालय हाजीपट्टी कुड़वार में शनिवार को पदोन्नति प्राप्त खंड शिक्षा अधिकारी सुधीर सिंह के सम्मान में एक विशेष अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुई। गीत, नृत्य और देशभक्ति प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। बच्चों की ऊर्जा और अनुशासन की जमकर सराहना हुई। समारोह का संचालन राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के कुड़वार अध्यक्ष अजीत सिंह ने किया। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में सुधीर सिंह के योगदान को याद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सुधीर सिंह की पदोन्नति अब डायट प्रतापगढ़ में वरिष्ठ प्रवक्ता के पद पर हुई है। इस अवसर पर उन्होंने कुड़वार शिक्षा क्षेत्र के सभी शिक्षकों को शैक्षिक उन्नयन और नवाचार के लिए निरंतर प्रयास करते रहने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप बच्चों में रचनात्मकता और कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना समय की मांग है। कार्यक्रम में कई शिक्षक संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इनमें राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष अशोक सिंह, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के अध्यक्ष रणधीर सिंह, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सुशील गुट के मनोनीत अध्यक्ष संतोष सिंह प्रतापगढ़ी, मंत्री राहुल तिवारी, शिक्षक नेता रणवीर सिंह, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ भेटुआ के अध्यक्ष दल बहादुर सिंह और शिक्षा मित्र संघ कुड़वार के अध्यक्ष राम प्रसाद मिश्र शामिल थे। समारोह के अंत में विद्यालय परिवार द्वारा सुधीर सिंह को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। शिक्षकों और अभिभावकों ने इस आयोजन को प्रेरणादायी बताया और इसे शिक्षा के प्रति समर्पण का उदाहरण कहा।

चोरी के ट्रैक्टर और दो ट्राली के साथ दो युवक गिरफ्तार

शुकुल बाजार अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना बाजार शुकुल पुलिस ने चोरी की वारदात का खुलासा करते हुये चोरी का एक ट्रैक्टर व दो ट्राली के साथ व दो अन्तर्जनपदीय शातिर चोरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बाजार शुकुल पुलिस द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर ट्रैक्टर सवार मोहम्मद शाहिल पुत्र असलम निवासी राजघाट सराय थाना सुबेहा जनपद बाराबंकी एवं मोहम्मद जहीर पुत्र मुन्ना निवासी सुदौली रामपुर थाना बछरांवा जनपद रायबरेली को गिरफ्तार किया गया है जिनके कब्जे से एक ट्रैक्टर व दो ट्राली को बरामद किया गया। पुलिस टीम द्वारा की गई पूंछतांछ में गिरफ्तार युवकों ने ट्रैक्टर-ट्राली के बारे में पूछने पर बताया कि हम दोनों ने एक सफ़ेद रंग की ट्राली बीती चार जुलाई की रात्रि को पूरे रग्घू शुक्ल का पुरवा मवैया रहमतगढ़ से चोरी किया था और नीले रंग की ट्राली को आठ जुलाई को ग्राम पाताल पुरवा बाराबंकी से चोरी किया था तथा एक नीले रंग का ट्रैक्टर इएच डीआई 450 यूपी 32 जे बी 6496 को कमालपुर लखनऊ से चुराया था।उक्त चोरी के संबन्ध में थाना बाजार शुकुल पर अभियोग पंजीकृत किया गया था। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष विवेक कुमार वर्मा ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये युवकों को जेल भेज दिया गया है।

बार-बार शिकायत के बावजूद नहीं हट सका सरकारी भूमि से अवैध कब्जा

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के ग्राम पूरे सुखलाल पंडित में सरकारी भूमि पर कथित अवैध कब्जे का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद तहसील प्रशासन और राजस्व विभाग ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। ग्रामीण एवं शिकायतकर्ता अलख निरंजन का कहना है कि गाटा संख्या 2252 तथा तालाब की गाटा संख्या 2256 पर गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा कथित रूप से अवैध कब्जा किया गया है। कई बार प्रार्थना पत्र देने के बाद भी न तो प्रभावी जांच कराई गई और न ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हुई। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब और अन्य सार्वजनिक भूमि पर कब्जे से जल संरक्षण, भू-जल पुनर्भरण और विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री से की शिष्टाचार भेंट, लम्भुआ के विकास पर हुई सार्थक चर्चा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जनसेवा, क्षेत्रीय विकास और संगठनात्मक विषयों पर लिया मार्गदर्शन

पूर्व सांसद प्रवीण निषाद सहित कई प्रमुख लोग रहे मौजूद

लंभुआ/सुल्तानपुर। निषाद पार्टी एवं भाजपा एनडीए गठबंधन के 190 लम्भुआ विधानसभा क्षेत्र के नेता तथा सेवार्थम फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. आशीष तिवारी ने रविवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। आत्मीय वातावरण में हुई इस मुलाकात में प्रदेश के विकास, जनहित से जुड़े मुद्दों और लम्भुआ विधानसभा क्षेत्र की आवश्यकताओं पर विस्तार से सकारात्मक चर्चा हुई। डॉ. आशीष तिवारी ने उपमुख्यमंत्री के समक्ष क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे। उपमुख्यमंत्री ने जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जनता के बीच निरंतर सक्रिय रहने तथा सरकार की विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संदेश दिया। उन्होंने समाजहित में समर्पित भाव से कार्य करते रहने के लिए प्रेरित भी किया।डॉ. आशीष तिवारी ने कहा कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद उनके लिए ऊर्जा का स्रोत है। उनके अनुभव और सुझाव जनसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रेरित करते हैं तथा क्षेत्र के विकास को नई गति देने में सहायक सिद्ध होंगे। इस अवसर पर पूर्व सांसद एवं निषाद पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक प्रवीण निषाद, सेवार्थम फाउंडेशन के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित सिंह तथा विक्की सिंह भी उपस्थित रहे। सभी ने प्रदेश के विकास, सामाजिक समरसता और संगठन की मजबूती से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया।मुलाकात के अंत में डॉ. आशीष तिवारी ने उपमुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे जनसेवा और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे।

ऑल इंडिया सिख पंजाबी वेलफ़ेयर काउंसिल द्वारा पूरनपुर में मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।ऑल इंडिया सिख पंजाबी वेलफ़ेयर काउंसिल के मुख्य आयोजन एवं नेकी की दीवार तथा उत्तर प्रदेश सिख पंजाबी संगत के सहयोग से गुरुद्वारा श्री दमदमा साहिब, गोमती पुल, पूरनपुर में कक्षा 10 एवं 12 के मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 50 मेधावी छात्र-छात्राओं ने विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों से प्रतिभाग किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में जिलाधिकारी पीलीभीत ज्ञानेन्द्र सिंह पुलिस अधीक्षक पीलीभीत सुकृति माधव पुलिस अधीक्षक विक्रम तथा दिल्ली से विशेष रूप से पधारे सरदार बलविंदर सिंह उपस्थित रहे।

हरपाल सिंह जग्गी राष्ट्रीय अध्यक्ष का संबोधन

ऑल इंडिया सिख पंजाबी वेलफ़ेयर काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार हरपाल सिंह जग्गी ने कहा कि तराई क्षेत्र की जनसांख्यिकी में परिवर्तन का कारण केवल धर्म परिवर्तन नहीं है, बल्कि बड़ी संख्या में युवाओं का विदेशों की ओर पलायन भी है। उन्होंने कहा कि यदि हमारे मेधावी विद्यार्थी सिविल सर्विसेज, प्रशासनिक सेवाओं तथा अन्य राष्ट्रीय सेवाओं में आगे बढ़ेंगे तो वे समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने घोषणा की कि ऑल इंडिया सिख पंजाबी वेलफ़ेयर काउंसिल आने वाले समय में सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए नियमित मार्गदर्शन शिविर, कार्यशालाएँ एवं कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित करेगी, ताकि ग्रामीण एवं सीमांत क्षेत्रों के युवाओं को उचित दिशा मिल सके।

हरपाल सिंह राणा (प्रदेश अध्यक्ष) का संबोधन प्रदेश अध्यक्ष सरदार हरपाल सिंह राणा ने कहा कि शिक्षा ही समाज की वास्तविक शक्ति है। संस्था का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों का सम्मान करना नहीं, बल्कि उन्हें उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने सभी अभिभावकों से बच्चों को प्रशासनिक सेवाओं, रक्षा सेवाओं तथा अन्य प्रतिष्ठित क्षेत्रों में आगे बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथियों के विचार पुलिस अधीक्षक विक्रम ने कहा कि आज अधिकांश युवा विदेश जाने की परीक्षाओं को ही अपना प्रमुख लक्ष्य मानने लगे हैं, जबकि सिविल सर्विसेज में सफलता प्राप्त कर देश की सेवा करना कहीं अधिक गौरवपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने लक्ष्य बड़े रखने का आह्वान किया।पुलिस अधीक्षक सुकृति माधव ने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि जो छात्र सिविल सेवा की तैयारी करना चाहते हैं, उनके मार्गदर्शन के लिए वे समय-समय पर अपना समय देंगी। उन्होंने संस्था से आग्रह किया कि नियमित रूप से सिविल सर्विसेज मार्गदर्शन कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए।जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने कहा कि सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए नियमित अध्ययन, समाचार पत्रों का अध्ययन तथा आधुनिक तकनीक, गूगल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सकारात्मक उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवाओं में चयन केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण में योगदान का अवसर है।संगठनात्मक घोषणा इस अवसर पर श्री सोनी दुष्यंत को ऑल इंडिया सिख पंजाबी वेलफ़ेयर काउंसिल का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।सहयोग के लिए आभार राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार हरपाल सिंह जग्गी ने गुरुद्वारा दमदमा साहिब की प्रबंधक कमेटी, विशेष रूप से जथेदार सरदार बलबीर सिंह, अध्यक्ष सरदार हरपाल सिंह, ग्रंथी सिंह साहिब तथा समस्त सेवादारों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि संस्था गुरुद्वारों के ग्रंथियों एवं सेवादारों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।कार्यक्रम की सफलता में सरदार गुरप्रीत सिंह जिला अध्यक्ष, लखीमपुर एवं उनकी पूरी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संस्था के संरक्षक सरदार सुखविंदर सिंह वीर के मार्गदर्शन एवं सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।इस अवसर पर सुक्कू प्रधान, सरदार निरंजन सिंह, सरदार गुरप्रीत सिंह, क्षेत्र की भला कमेटी के सदस्य तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

हाइड्रोजन ट्रेन

देश की पहली हाइड्रोजन ऊर्ज़ा से चलने वाली रेल की शुरुआत ने भारत में साफ-सुथरे और कम प्रदूषण वाले ट्रांसपोर्ट की ओर बदलाव की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को हरियाणा में हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया यह प्रोजेक्ट- 'मेक इन इंडिया' की सफलता के प्रतीक के तौर पर भी प्रस्तुत किया गया। दूसरे शब्दों में कहें तो यह पूरी दुनिया को संदेश देने का प्रयास ही है कि आज भारत पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता देने के लिये प्रतिबद्ध है। यानी हम भी इस क्षेत्र के ग्लोबल लीडर्स में शामिल होने के आकांक्षी हैं। निश्चित रूप से हाइड्रोडन फ्यूल सेल से चलने वाली यह 10-कोच वाली ट्रेन, जिसमें सिर्फ पानी की भाप ही निकलती है, डीजल इंजनों का पर्यावरण अनुकूल विकल्प भी है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के जींद में स्वदेशी टेक्नोलॉजी और स्थानीय स्तर पर विकसित हाइड्रोजन इकोसिस्टम के साथ, यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को भी दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर यह प्रोजेक्ट देश के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को भी संबल देने वाला है। जिसका उद्देश्य आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करना तो है ही, साथ ही दीर्घकाल में देश के नेट-जीरो के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग बढ़ाना भी है। सही मायने में देश में ग्रीन हाइड्रोजन का रणनीतिक महत्व जलवायु संबंधी चिंताओं से कहीं आगे बढ़कर है। हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते अमेरिका व ईरान के संघर्ष से उपजे विषम हालातों ने ऊर्ज़ा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की जरूरत को एकबार फिर से रेखांकित किया है। ऐसे में आयातित कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और औद्योगिक फीडस्टॉक पर भारत की भारी निर्भरता के कारण ऊर्ज़ा सुरक्षा आज देश की राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। विशेष रूप से वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर में। आज के वैश्विक अशांति के समय में ऊर्ज़ा सुरक्षा राष्ट्रीय संप्रभुता की संरक्षा के लिए अपरिहार्य शर्त बन गई है। इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि मौजूदा दौर में हमें नवीकरणीय ऊर्ज़ा की उपयोगिता को बढ़ावा देना होगा। इसी क्रम में देश में ही हाइड्रोजन का उत्पादन करने से हमें अस्थिर वैश्विक ऊर्ज़ा बाजार पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर इन सभी प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। निस्संदेह, हाइड्रोजन ट्रेन को लेकर जो उत्साह देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक ही है। लेकिन इससे जुड़ी हकीकत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए हरित हाइड्रोजन की कीमत आम ग्रे हाइड्रोजन की कीमत से लगभग दोगुनी होती है। इसमें बिजली की अधिक लागत, महंगे इलेक्ट्रोलाइजर और लगातार पॉलिसी सपोर्ट की जरूरत, बड़े पैमाने पर इसके उपयोग को लेकर चुनौतियां पैदा कर सकती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि देश में ब्रॉड-गेज रेलवे नेटवर्क का 95 फीसदी हिस्सा पहले ही बिजली से संचालित हो चुका है। हाल-फिलहाल इस बात की संभावना कम ही है कि हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन पूरे देश में इलेक्ट्रिक ट्रेनों की जगह ले लेंगी। इसके बजाय, हाइड्रोजन ऊर्ज़ा से संचालित ट्रेनों का ज्यादा लाभ उन रूटों पर हो सकता है, जहां बिजली की लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी रूप से कठिन होता है। इस दृष्टिकोण से हाइड्रोजन ट्रेन को लंबे समय के समाधान के बजाय एक रणनीतिक प्रदर्शन के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत इसकी उत्पादन लागत किस हद तक कम करने में सफल हो पाता है। साथ ही नवीकरणीय ऊर्ज़ा की क्षमता का विस्तार करने तथा व्यावसायिक रूप से कामयाब हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने में हम किस सीमा तक सफल होते हैं। इसके अलावा हमें कम लागत वाली अन्य नवीकरणीय ऊर्ज़ा के नये स्त्रोतों को भी तलाशना होगा। जिसके लिये इन विकल्पों की व्यावहारिकता और आर्थिक लागत कम रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमारे प्रयास हों कि तकनीक व अन्य संसाधनों के मामले में 'मेक इन इंडिया' के लक्ष्यों की प्राथमिकता पर ध्यान दें।

संघ की जीवंत परम्परा की सूरत सत्य के आईने में

सम्पूर्ण दुनिया भारत की ओर देख रही है, उसमें विश्व गुरु की पात्रता निरन्तर प्रवहमान रही है, हमने कोरोना महामारी के एक जटिल एवं संघर्षमय दौर में दुनिया के सभी देशों के हित-चिन्तन का भाव रखा, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास मंत्र के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साबित किया कि वसुधैव कुटुम्बकम-दुनिया एक परिवार है, का भारतीय दर्शन ही मानवता का उजला भविष्य है। इसी विचार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आगे बढ़ रहा है, वह एक अनोखा और दुनिया का सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। यह भारतीय राष्ट्रवाद की सबसे मुखर, सबसे प्रखर आवाज है। देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता उसका मूल उद्देश्य है। जैसे-जैसे संघ का वैचारिक, सांस्कृतिक, सामाजिक प्रभाव देश और दुनिया में बढ़ रहा है, वैसे-वैसे हिंदुत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पित इस संगठन के बारे में जानने और समझने की ललक लोगों के बीच बढ़ती जा रही है। इस विशाल संगठन के विभिन्न विषयों पर विचार तथा इसकी कार्यप्रणाली से आमजन परिचित होना चाहते हैं। जाजू एवं त्रिवेदी की पुस्तक संघ से जुड़ी जिज्ञासाओं का प्रभावी, प्रासंगिक एवं तथ्यपरक विवेचन करती है। एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन होते हुए भी संघ ने भारतीय राजनीति की दिशा को राष्ट्रीयता की ओर कैसे परिवर्तित किया है, यह समझने के लिए भी यह पुस्तक पढ़ना आवश्यक है। भारत का विश्वगुरु के रूप में अभ्युदय एक महत्वपूर्ण प्रश्न रहा जिसकी विवेचना लेखक ने समग्र रूप से प्रस्तुत पुस्तक में की है, जो संघ के शताब्दी वर्ष की आयोजना का मूल केन्द्र है। इस महत्वपूर्ण पुस्तक का लोकार्पण भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में किया।

सृजन में शोर नहीं होता। साधना के जुबान नहीं होती। किंतु सिद्धि में वह शक्ति होती है कि हजारों पर्वतों को तोड़कर भी उजागर हो उठती है। यह कथन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्षरशः सत्य सिद्ध होता है। संघ अपने स्थापना के सौवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा बोया गया एक छोटा-सा संगठनात्मक बीज आज भारतीय समाज के सबसे व्यापक स्वयंसेवी संगठनों में विकसित हो चुका है। इन सौ वर्षों में संघ ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे-स्वतंत्रता आंदोलन का दौर, देश का विभाजन, प्रतिबंध, आपातकाल, सामाजिक परिवर्तन, वैश्वीकरण, कोरोना महामारी और विकसित भारत की नई आकांक्षाएं। इन सभी चरणों में संघ ने स्वयं को केवल एक संगठन के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, संगठन और राष्ट्रचेतना के माध्यम के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। यही कारण है कि संघ की शताब्दी केवल किसी संगठन की यात्रा का उत्सव नहीं, बल्कि इस सार्थक एवं राष्ट्र-निर्माण की विचार-यात्रा का मूल्यांकन भी है। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में प्रकाशित 'आरएसएस एट 100: एक सदी संकल्प की' अत्यंत महत्त्वपूर्ण पुस्तक बनकर सामने आती है। प्रभात प्रकाशन से प्रकाशित इस कृति के लेखक श्याम जाजू और अनुपम त्रिवेदी हैं। लेखक द्वय की इस पुस्तक में संघ के अतीत एवं भविष्य की विवेचना करते हुए भारत एवं नया भारत निर्मित करने में उसकी भूमिका को उजागर किया है और उसके इतिहास में सच्चाई के प्रतिबिम्बों को उभारने पर बल दिया है। संघ के इतिहास को धूमिल किया गया, धुंधलाया गया है, अन्यथा संघ का इतिहास दुनिया के लिये एक प्रेरणा है, अनुकरणीय है। क्योंकि संघ एक ऐसा शांति-अहिंसामय संगठन है, जो हर मोड पर निरंतरता लिये हुए सृजनात्मक बना रहा है। इसी निरंतरता में संघ की पहली शताब्दी का महत्व निहित है और शायद अगली शताब्दी के संकल्पों की दिशा भी। सम्पूर्ण दुनिया भारत की ओर देख रही है, उसमें विश्व गुरु की पात्रता निरन्तर प्रवहमान रही है, हमने कोरोना महामारी के एक जटिल एवं संघर्षमय दौर में दुनिया के सभी देशों के हित-चिन्तन का भाव रखा, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास मंत्र के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साबित किया कि वसुधैव कुटुम्बकम- दुनिया एक परिवार है, का भारतीय दर्शन ही मानवता का उजला भविष्य है। इसी विचार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आगे बढ़ रहा है, वह एक अनोखा और दुनिया का सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। यह भारतीय राष्ट्रवाद की सबसे मुखर, सबसे प्रखर आवाज है। देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता उसका मूल उद्देश्य है। जैसे-जैसे संघ का वैचारिक, सांस्कृतिक, सामाजिक प्रभाव देश और दुनिया में बढ़ रहा है, वैसे-वैसे हिंदुत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पित इस संगठन के बारे में जानने और समझने की ललक लोगों के बीच बढ़ती जा रही है। इस विशाल संगठन के विभिन्न विषयों पर विचार तथा इसकी कार्यप्रणाली से आमजन परिचित होना चाहते हैं। जाजू एवं त्रिवेदी की पुस्तक संघ से जुड़ी जिज्ञासाओं का प्रभावी, प्रासंगिक एवं तथ्यपरक विवेचन करती है। एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन होते हुए भी संघ ने भारतीय राजनीति की दिशा को राष्ट्रीयता की ओर कैसे परिवर्तित किया है, यह समझने के लिए भी यह पुस्तक पढ़ना आवश्यक है। भारत का विश्वगुरु के रूप में अभ्युदय एक महत्वपूर्ण प्रश्न रहा जिसकी विवेचना लेखक ने समग्र रूप से प्रस्तुत पुस्तक में की है, जो संघ के शताब्दी वर्ष की आयोजना का मूल केन्द्र है। इस महत्वपूर्ण पुस्तक का लोकार्पण भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में किया। समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय तथा अनेक विशिष्ट जनों की उपस्थिति ने इसे केवल पुस्तक-विमोचन तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि संघ की शताब्दी यात्रा पर एक राष्ट्रीय विमर्श का स्वरूप प्रदान किया। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने संघ-इतिहास से जुड़ी अनेक नये सन्दर्भो एवं बातों को विवेचित करते हुए कहा कि किस तरह से संघ पिछले सौ वर्षों से राष्ट्र और समाज की सेवा कर रहा है, किंतु उसके बारे में आज भी अनेक भ्रांतियां और पूर्वाग्रह मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक उन भ्रमों को दूर करने और संघ के वास्तविक स्वरूप को समझने का सशक्त माध्यम बनेगी। यह टिप्पणी इस पुस्तक की मूल आत्मा भी है, क्योंकि इसका उद्देश्य केवल संघ का गुणगान करना नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक यात्रा, संगठनात्मक विकास, राष्ट्र निर्माण में भूमिका तथा भविष्य की दिशा को तथ्यपरक ढंग से सामने रखना है। इस पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह संघ को केवल अतीत के संदर्भ में नहीं देखती, बल्कि विकसित भारत-2047, सांस्कृतिक पुनर्ज़ागरण, सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता, सेवा, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक भारत की उभरती भूमिका के साथ जोड़कर उसका विश्लेषण करती है। इसलिए यह केवल संघ के इतिहास का दस्तावेज नहीं, बल्कि नए भारत के वैचारिक विमर्श का भी एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ है। पुस्तक का स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा अध्याय विशेष रूप से उल्लेखनीय है। लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि संघ का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं था। पुस्तक इस धारणा का ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर प्रतिवाद करती है। इसमें डॉ. हेडगेवार की स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका, उनके कारावास, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा क्रांतिकारियों को सहयोग तथा विभाजन के समय राहत और सुरक्षा कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। पुस्तक का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें संघ को राजनीति से जोड़कर देखने की सीमित दृष्टि का विस्तार किया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि संघ स्वयं राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले व्यक्तियों का निर्माण करने वाला संगठन है। शिक्षा, ग्राम विकास, पर्यावरण, सेवा, संस्कृति, श्रमिक संगठन, छात्र आंदोलन, महिला सशक्तीकरण, अनुसूचित वर्गों के उत्थान तथा आपदा राहत जैसे अनेक क्षेत्रों में संघ प्रेरित संगठनों की भूमिका का विस्तृत परिचय दिया गया है। विशेष रूप से सेवा कार्यों का विवरण इस पुस्तक की आत्मा है। कोरोना महामारी, प्राकृतिक आपदाओं, सीमावर्ती क्षेत्रों, वनवासी समाज तथा अभावग्रस्त वर्गों के बीच संघ और उसके स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों को तथ्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ का सेवा कार्य केवल संकट के समय तक सीमित नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक साधना है। पुस्तक में संघ से जुड़े अनेक मिथकों और विवादों पर भी खुलकर चर्चा की गई है। हिंदू राष्ट्र की अवधारणा, जाति व्यवस्था, आरक्षण, महिलाओं की भूमिका, अल्पसंख्यकों के प्रति दृष्टिकोण तथा लोकतंत्र के प्रति संघ की प्रतिबद्धता जैसे विषयों को विस्तार से समझाया गया है। विशेष रूप से राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से महिलाओं की सहभागिता का विवरण उन धारणाओं को चुनौती देता है कि संघ में महिलाओं के लिए कोई स्थान नहीं है। पुस्तक का एक आकर्षक अध्याय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका को संघ की वैचारिक दृष्टि से देखता है। वैचारिक दृष्टि से देखें तो पुस्तक बार-बार इस तथ्य को रेखांकित करती है कि संघ का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि चरित्रवान नागरिकों का निर्माण है। संघ के अनुसार राष्ट्र निर्माण का आधार व्यक्ति निर्माण है। शाखा इसी उद्देश्य की प्रयोगशाला है, जहां अनुशासन, सेवा, नेतृत्व और सामाजिक समरसता का अभ्यास कराया जाता है। यही कारण है कि पुस्तक बार-बार यह स्थापित करती है कि स्वयंसेवक ही संघ का वास्तविक परिचय है। निस्संदेह किसी भी वैचारिक पुस्तक की तरह इस पुस्तक को भी विभिन्न दृष्टिकोणों से पढ़ा जा सकता है। आलोचक इसके कुछ निष्कर्षों पर असहमति व्यक्त कर सकते हैं, जबकि समर्थकों को इसमें अपने विचारों का प्रामाणिक आधार मिलेगा। किंतु इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पाठक को पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर संघ को उसके अपने संदर्भों में समझने का अवसर देती है। यही किसी भी गंभीर वैचारिक पुस्तक की सफलता होती है। संघ के विषय में पहले भी अनेक महत्त्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं, जिनमें 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के 100 वर्ष', 'कृति रूप संघ दर्शन', 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पहली अग्निपरीक्षा', तथा सुनील आंबेकर की चर्चित कृति 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघः स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' उल्लेखनीय हैं। इन कृतियों की परंपरा में 'आरएसएस एट 100' अपनी समकालीन प्रस्तुति, व्यापक शोध और संतुलित संरचना के कारण विशिष्ट स्थान प्राप्त करती है। **–ललित गर्ग**

सौर ऊर्ज़ा की अनूठी पहल

बाबा मायाराम

ओडिशा के बरगढ़ जिले में सौलर ऊर्ज़ा के लिए एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता अमिताभ पात्र सालों से अंधेरे में दीपक जलाने का काम कर रहे हैं। वे ऐसे दुर्गम व जरूरतमंद इलाकों में सौलर ऊर्ज़ा की ज्योति जला रहे हैं, जहां लोग बिजली नहीं होने से परेशान थे। आज इस कॉलम में सौर ऊर्ज़ा की पहल पर बात करना चाहूंगा, जिससे वैकल्पिक ऊर्ज़ा की अच्छी समझ बन सके। अमिताभ पात्र धुन के पक्के हैं। वे सामाजिक कार्यकर्ताओं के परिवार से आते हैं। उनके नाना, अलेख पात्र प्रसिद्ध सर्वोदयी थे। उन्होंने कई रचनात्मक काम किए, और प्राकृतिक खेती में मिसाल पेश की। 90 के दशक की शुरूआत में मुझे भी उनके कृषि फार्म पर जाने और उनसे मिलने का मौका मिला था। मैंने उनके साथ कुछ दिन गुजारे थे और ताजी जैविक सब्जियों का स्वाद चखा था। सामाजिक क्षेत्र में आने के लिए अमिताभ उनको ही श्रेय देते हैं। उनका बचपन पाईकमाल स्थित निसर्ग निवास में ही बीता है, जो उनके नाना अलेख पात्र का कृषि फार्म व आवास स्थल था। निसर्ग निवास ही अमिताभ की खेलभूमि और शिक्षण शाला रही है। गंदमार्दन पहाड़ की तलहटी में स्थित प्रसिद्ध नृसिंहनाथ मंदिर के पास ही यह स्थान है। प्रकृति की गोद में बसा यह इलाका प्राकृतिक रूप से बहुत ही खूबसूरत है। इस पहाड़ में कई झरने हैं और औषधीय पेड़-पौधों का भंडार है। बचपन में ही वैकल्पिक ऊर्ज़ा से उनका परिचय इसी परिसर में हुआ, जो अब मिशन बन गया। यहां गोबर गैस प्लांट था, जिससे भोजन बनता था और बल्ब जलते थे। उनके जीवन में एक मोड़ जब आया तब वे सैम पित्रोदा से मिले। यह वर्ष 2010 की बात है। दिल्ली में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय वैकल्पिक ऊर्ज़ा समारोह के दौरान सैम पित्रोदा से उनकी मुलाकात हुई। वहां बातचीत करने का मौका मिला और उनसे प्रभावित होकर बाद से वे सौर ऊर्ज़ा के काम में जुट गए। ओडिशा वापस लौटकर उन्होंने कुछ विस्थापित गांवों में सौर पैनल लगवाए और जिन्होंने पूर्व से सौलर पैनल लगवाए थे, उनके रखरखाव और मरम्मत में मदद की। और उसके बाद से लगातार यह सिलसिला चल रहा है। वे बताते हैं कि सौर ऊर्ज़ा बहुत उपयोगी है। इससे बिजली निर्माण करना, पानी गरम करना, मोटर पंप चलाना, फ्रिज चलाना, बल्ब जलाना, पंखे चलाना इत्यादि सभी काम किए जा सकते हैं और यह सब भी सस्ते दामों में संभव है। ये तीन तरह के होते हैं- ऑन ग्रिड, ऑफ ग्रिड और हाइब्रिड। इनमें से ग्राहकों के लिए हाइब्रिड सबसे उपयुक्त होती है, क्योंकि इस तकनीक ग्रिड न रहने पर भी बिजली की आपूर्ति बनी रहती है। और बची हुई उत्पादित ऊर्ज़ा वापस ग्रिड में बेची जाती है। उन्होंने बताया कि हीराकुंड बांध से कुछ विस्थापित गांवों में बिजली की समस्या थी, तब कुछ साल पहले उन्होंने वहां सौर ऊर्ज़ा के छोटे- बड़े पैनल लगवाए थे, जिससे उस गांव में रोशनी पहुंची थी। यह गांव डेब्रीगढ़ अभयारण्य के अंदर है। इसमें जो भी खर्च आया, उन्होंने खुद व उनके साथियों ने वहन किया था। बाद में सरकार ने सभी परिवारों के लिए सौर ऊर्ज़ा सिस्टम लगवाए। मुझे उन्होंने कुछ स्थानों के सौर पैनल दिखाए, जिसमें बरगढ़ जिले के भेड़न प्रखंड के सहरा टीकरा गांव का अरबिंदो स्कूल (ऑरोविहार स्कूल) भी था। वहां 9 सौर पैनल लगे थे। यहां सौर ऊर्ज़ा से 2 ट्यूबवेल, बल्ब, पंखे चलते हैं। अब लगातार आपूर्ति बनी रहती है, और बिजली बिल भी नहीं आता है। यहां के देखभालकर्ता रविन्द्र बंछोर ने बताया कि पहले यहां तीन कनेक्शन थे, इनका करीब 20 हजार बिजली बिल आता था। बार-बार बिजली गुल व कम वोल्टेज की समस्या लगी रहती थी, इससे बच्चों की पढ़ाई बाधित होती थी। बिजली न होने की स्थिति में हम जनरेटर चलाते थे, जिसमें करीब 2000 रुपए का डीजल जल जाता था। इसके अलावा, ध्वनि व वायु प्रदूषण होता था। सोलर लगने से जनरेटर का इस्तेमाल लगभग खत्म हो गया है। वे आगे बताते हैं कि हमें सौर पैनल लगाने में 3 लाख रूपए का खर्च आया। 2 वर्ष हो गए हैं। किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। यह एक आवासीय स्कूल है, जहां करीब सौ विद्यार्थी रहते हैं। वैसे नर्सरी से लेकर 10 वीं कक्षा तक 300 छात्र-छात्राएं अध्ययन करते हैं। जिस दिन हम इस स्कूल में गए थे, उस दिन रविवार था। संयोग से बिजली गुल थी, पर सभी काम निर्धारित समय पर हुए। कोई दिक्कत नहीं हुई। ऑनलाइन डिजीटल कक्षाएं भी चल रही थीं।

सेहत मंत्र

तेजी से गिर रहा है वजन, तो यह है किसी बड़ी बीमारी होने का संकेत

वर्तमान समय में, हर व्यक्ति एक आकर्षक शरीर पाने की चाह रखता है और इसके लिए लोग अपने वजन को कम करने या बढ़ाने की फिराक में लगे रहते हैं। लेकिन अगर आपका वजन लगातार और तेजी से गिर रहा हो तो यह खुश होने का समय नहीं है, बल्कि आपको सतर्क हो जाने की आवश्यकता है। दरअसल, लगातार वजन गिरना सामान्य नहीं होता। यह दर्शाता है कि आप कुछ गंभीर बीमारियों की चपेट में आ गए हैं। तो चलिए जानते हैं उन बीमारियों के बारे में, जिनके शुरूआती लक्षण वजन गिरना होता है? आज के समय में थॉयराइड की समस्या बेहद आम है। इसे आप अपने वजन के घटने या बढ़ने के आधार पर पता लगा सकते हैं। आमतौर पर थॉयराइड दो प्रकार का होता है? हाइपरथॉयराइड और हाइपोथॉयराइड। जब आपका वजन तेजी से गिरता है तो यह संकेत है कि आप हाइपरथॉयराइड की चपेट में आ गए है। हाइपरथॉयराइड होने पर आपकी थॉयराइड ग्रंथि अति सक्रिय हो जाती है। इस बीमारी में आपका वजन तो तेजी से गिरता है ही, साथ ही आपको सोने में भी परेशानी होती है और आपको हमेशा ही गर्मी का अहसास होता है। अगर आपके साथ भी ऐसा हो रहा है तो एक बार थॉयराइड का टेस्ट अवश्य करवाइए। आज के समय में भारत विश्व की डायबिटीक कैपिटल बन गया है। भारत में न सिर्फ अधिकतर लोग मधुमेह पीड़ित हैं, बल्कि इसके लक्षणों के बारे में न पता होने के कारण वे इसकी चपेट में आ जाते हैं। अगर आपका लगातार वजन गिर रहा है और आपको बार?बार प्यास लगती है। साथ ही आपको बार?बार पेशाब जाना पड़ता है तो यह संकेत हैं कि आपके शरीर में इंसुलिन का स्तर गड़बड़ा गया है। काम का बढ़ता बोझ लोगों के लिए कई तरह की परेशानियां लेकर आता है। कभी-कभी अत्यधिक काम, या फिर पर्सनल व प्रोफ़ेशनल लाइफ में परेशानियों के चलते व्यक्ति डिप्रेशन में चला जाता है और उसे खुद भी इसका पता नहीं चलता।

धर्म मंत्र

बिलासपुर में विराजमान हैं भोलेनाथ, घास चढ़ाने से पूर्ण होती है मनोकामनाएं

देवभूमि हिमाचल में बहुत सारे देवी-देवताओं के कई मंदिर स्थित है। जहां भक्त पूर्ण श्रद्धा से मंदिरों में दर्शन कर दान देते हैं। हिमाचल में एक ऐसा ही मंदिर है, जहां घास अर्पित किया जाता है। प्रतिदिन इस मंदिर में कई लोग इस तरह दान करने के लिए आते हैं।

हिमाचल के बिलासपुर जिले के भगेड़ में नंदीश्वर महादेव मंदिर स्थित है। यहां घायल गोवंश की पूजा होती है। माना जाता है कि मंदिर में घास की गड्डी चढ़ाने से व्यक्ति की मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

मंदिर में घायल गोवंश की पूजा होती है और इसके साथ ही इलाज भी किया जाता है। कहा जाता है कि जहां मंदिर स्थापित है, वहां करीब चार साल पहले एक घायल बैल का इलाज किया गया था। उसके बाद यहां पशुओं की संख्या बढ़ती गई और मंदिर निर्माण का विकल्प ढूंढ़ा गया। अब मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। यहां मंदिर परिसर में शिव परिवार, शनिदेव और हनुमान की प्रतिमा स्थापित की गई है। मंदिर में सुबह 6 बजे और शाम को साढ़े 7 बजे आरती होती है। इसके साथ ही हर सप्ताह भजन-कार्तन का आयोजन किया जाता है, जिसमें गो महिमा का गुणगान किया जाता है।

पर्यटन

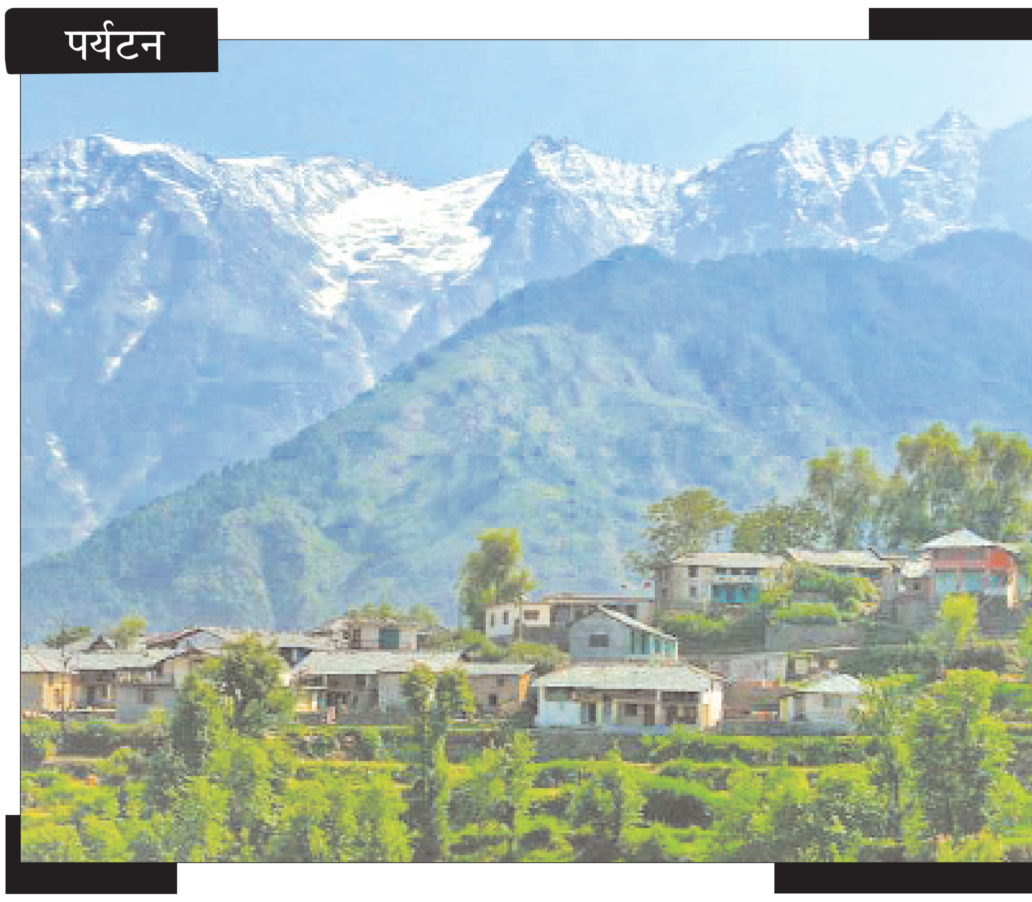

शोरगुल और भीड़ से दूर माशोबरा के जंगलों में घूमने का अलग ही है मजा

शिमला जिले में स्थित माशोबरा बहुत ही खूबसूरत ट्रैवल डेस्टिनेशन है। जहां आपको घूमने के कई सारे ऑप्शन मिलेंगे। समुद्र तल से 2500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित माशोबरा चारों ओर से चीड़, पाइन और देवदार के जंगलों से घिरा हुआ है। मशोबरा एशिया के सबसे बड़े वाटरशेड के रूप में जाना जाता है। ऑफ-बीट डेस्टिनेशन में शामिल ये जगह एडवेंचर के साथ-साथ रिलैक्सिंग और एन्जॉयमेंट के लिए भी बेस्ट है। एडवेंचर के लिए ये हैं ऑप्शन्सः यहां आप ट्रैकिंग से लेकर पैराग्लाइडिंग, पोनी राइड्स, कैंपिंग और बारमेन-बसंतपुर रोड पर बाइकिंग जैसे कई सारे एडवेंचर का मजा ले सकते हैं। जाखू मंदिरः शिमला में 8500 फीट की ऊंचाई पर निर्मित हनुमान जी के इस मंदिर के बारे में मान्यता है कि ये रामायण के वक्त से है। इतनी ऊंचाई पर बने होने की वजह से शिमला के किसी भी कोने से आप हनुमान जी के दर्शन कर सकते हैं। जाखू पहाड़ी पर घने जंगलों के बीच बने हुए इस मंदिर तक पहुंचने के लिए आपको माशोबरा से लगभग 5 किमी का सफर तय करना पड़ता है। महासू देवता मंदिरः भगवान शिव को माशोबरा और आसपास के इलाके के लोग महासू देवता के नाम से पुकारते हैं। हर साल मई महीने के तीसरे मंगलवार को यहां 2 दिनों का महासू जत्रा उत्सव मनाया जाता है। जिसमें यहां के स्थानीय लोग अपने लोक गीत, नृत्य और तीरंदाजी का प्रदर्शन करते हैं। तो अगर आप यहां की असली संस्कृति से रूबरू होना चाहते हैं तो मई महीने में अपना ट्रिप प्लान करें। रिज़र्व फॉरेस्ट सेंचुरीः नेचर लवर्स के लिए मशोबरा का यात्रा इसलिए भी यादगार साबित हो सकती है क्योंकि यहां की इस फॉरेस्ट सेंचुरी में आपको अलग-अलग तरह के बहुत सारे पक्षी देखने को मिलते हैं। चीड़, देवदार के घने जंगलों में पक्षियों की चहचहाट के अलावा आपको किसी भी प्रकार का दूसरा शोर सुनाई नहीं देगा. ट्रैकिंग के अलावा कैंपिग और पिकनिक जैसी कई एक्टिविटीज़ यहां कर सकते हैं।

महादेवा, दोहरे सवाल: कथित फर्जी बैनामे की शिकायत, डीएम के आदेश के बाद भी नहीं हटे तालाबों व सरकारी भूमि से कब्जे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रही महादेवा कॉरिडोर परियोजना का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिलान्यास/लोकार्पण प्रस्तावित है। लेकिन इस महत्वाकांक्षी परियोजना के उद्घाटन से पहले ही दो ऐसे गंभीर मुद्दे सामने आए हैं, जो प्रशासनिक कार्यप्रणाली और सरकारी भूमि की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर रहे हैं। एक ओर परियोजना के लिए भूमि क्रय में कथित फर्जी बैनामे के आधार पर सरकारी धन के भुगतान की शिकायत राजस्व परिषद तक पहुंची है, वहीं दूसरी ओर महादेवा तीर्थ क्षेत्र के लगभग डेढ़ दर्जन तालाबों सहित सार्वजनिक रास्ता, बंजर और खलिहान की सरकारी भूमि पर वर्षों से चले आ रहे अवैध कब्जे अब भी बरकरार हैं।

शिकायतकर्ता ने राजस्व परिषद के अध्यक्ष को दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि महादेवा कॉरिडोर परियोजना के अंतर्गत भूमि क्रय के दौरान कथित रूप से फर्जी बैनामों के आधार पर सरकारी धन का भुगतान कराया गया। शिकायत में पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा सरकारी धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है। इसकी प्रतिलिपि जिलाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को भी प्रेषित की गई है। इधर, तहसील प्रशासन स्वयं अपनी रिपोर्ट में महादेवा क्षेत्र के करीब डेढ़ दर्जन तालाबों पर अतिक्रमण की पुष्टि कर चुका है। इतना ही नहीं, सार्वजनिक रास्ता, बंजर और खलिहान जैसी सरकारी भूमि पर भी अवैध कब्जों की स्थिति दर्ज की गई है। इसके बावजूद मौके पर अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्रवाई आज तक नहीं हो सकी। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार जिलाधिकारी ने एसडीएम रामनगर को 15 दिनों के भीतर सरकारी भूमि से अवैध कब्जे हटाकर कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। किंतु निर्धारित समय सीमा समाप्त हुए लगभग एक माह बीत जाने के बाद भी न तो तालाब अतिक्रमण मुक्त हो सके और न ही सार्वजनिक उपयोग की अन्य सरकारी भूमि से कब्जे हटाए जा सके। इससे प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी राजस्व प्रशासन की होती है। ऐसे में केवल पत्राचार कर देना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। यदि अतिक्रमण की पुष्टि प्रशासनिक अभिलेखों में हो चुकी है, तो नियमानुसार राजस्व विभाग को स्वयं प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए।

महादेवा धाम धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र होने के साथ-साथ पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। यहां के प्राचीन तालाब केवल जलाशय नहीं, बल्कि भूजल संरक्षण, जल संचयन और तीर्थ क्षेत्र की पारिस्थितिकी का महत्वपूर्ण आधार हैं। यदि इन्हें अतिक्रमण से मुक्त नहीं कराया गया, तो करोड़ों रुपये की कॉरिडोर परियोजना का उद्देश्य भी अधूरा रह सकता है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब एक ओर कॉरिडोर परियोजना को प्रदेश के प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, तो दूसरी ओर उसी क्षेत्र की सरकारी भूमि, तालाब और सार्वजनिक रास्ते अतिक्रमण की चपेट में क्यों हैं? यदि जिलाधिकारी के स्पष्ट निर्देशों के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई, तो इसके लिए जवाबदेह कौन है? इसी प्रकार भूमि क्रय और मुआवजा भुगतान में की गई शिकायतों की निष्पक्ष जांच कब होगी?

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शासन को महादेवा कॉरिडोर परियोजना से जुड़े सभी भूमि अभिलेखों, भुगतान प्रक्रिया, कथित फर्जी बैनामों की शिकायत तथा तालाब, सार्वजनिक रास्ता, बंजर और खलिहान की सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमण की उच्चस्तरीय जांच करानी चाहिए। उनका मानना है कि इससे न केवल सरकारी धन और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा होगी, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े महादेवा धाम की गरिमा भी अक्षुण्ण रहेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 20 जुलाई को आएंगे लोधेश्वर महादेवा, 542.41 करोड़ की 82 परियोजनाओं की सौगात

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार, 20 जुलाई को रामनगर तहसील स्थित लोधेश्वर महादेव धाम पहुंचेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वह सुबह 10:55 बजे हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे और दोपहर 1:00 बजे प्रस्थान करेंगे।

मुख्यमंत्री सबसे पहले लोधेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद निर्माणाधीन महादेवा कॉरिडोर का निरीक्षण, श्रावण मेले की तैयारियों और श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। साथ ही विभिन्न विभागों की विकास प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री रामनगर और दरियाबाद विधानसभा क्षेत्रों की कुल 82 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे, जिनकी कुल लागत ?542.41 करोड़ है। इनमें 56 परियोजनाओं का शिलान्यास (?409.09 करोड़) तथा 26 परियोजनाओं का लोकार्पण (लगभग ?133.31 करोड़) किया जाएगा। साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं सहायता वितरित करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के अंत में जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक भी प्रस्तावित है।

बकौल जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुरक्षा, यातायात, पेयजल, विद्युत, चिकित्सा, स्वच्छता, पार्किंग और बैरिकेडिंग सहित सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा चुका है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने नागरिकों से कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा एवं यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

संचारी रोग अभियान दावा, खुली पोल पट्टी, जान घातक कूड़े से पटे नाले

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी। शासन की ओर से संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तहत साफ-सफाई और जलभराव रोकने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन विकासखंड निंदूरा की कई ग्राम पंचायतों में नालों की सफाई न होने से अभियान की हकीकत सामने आ रही है। बरसात शुरू होने के बावजूद सड़क किनारे बने नाले कूड़े-कचरे से पटे पड़े हैं।

ग्राम पंचायत कुर्सी के कस्बा कुर्सी, मोहसंड के टिकैतगंज तथा घुंघटेर और बाबागंज में नालों में प्लास्टिक, पॉलिथीन व अन्य कचरा जमा है। कई स्थानों पर पानी रुकने से दुर्गंध फैल रही है और मच्छरों के पनपने की आशंका बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात से पहले नालों की सफाई कराई जानी चाहिए थी, लेकिन जिम्मेदार विभाग और ग्राम पंचायतों ने ध्यान नहीं दिया। लोगों ने प्रशासन से तत्काल सफाई अभियान चलाकर जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद के त्रिवेदीगंज के ब्लॉक अध्यक्ष बनाए गए धर्मेन्द्र मिश्र किंकर जी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बराबंकी विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद के संगठत्मक बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष त्रिवेदीगंज आचार्य किंकर महाराज का मनोनयन किया गया आपको बताते चले की विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कलराज मिश्र जी एवं इसके संरक्षक श्री कैलाशांनंद जी महाराज जी है आज अवध क्षेत्र की प्रथम संगठनात्मक बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री आनंद किशोर अवस्थी जी व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रमोद तिवारी जी व रामबाबू द्विवेदी प्रदेश महामंत्री के नेतृत्व में बैठक सम्पन्न की गई जिसमे जिला अध्यक्ष देवेश शुक्ला जी की अगवाई में संगठन को एक मजबूत व विस्तृत करने का और अपने संगठन को एकत्रित होने के लिए समस्त ब्राह्मण समाज को मनोनयन पत्र एवं भगवान परशुराम जी का चित्र एवं अंग वस्त्र देकर शपथ दिलाई गई इस अवसरपर जिला महामंत्री हरि कृष्ण शुक्ला जी ब्लाक अध्यक्ष हैदरगढ़ रिशभ ओझा जी धर्मेन्द्र मिश्र नरौली जी प्रवीण मिश्र एवं बड़ी संख्या मे संगठन के पदाधिकारी वहाँ पर उपस्थित रहे कार्यक्रम मे सैकड़ो की संख्या में ब्राह्मण समाज एकत्रित रहा और कार्यक्रम के पूर्व मे भगवान श्री परशुराम के चित्र पर सभी पुष्प अर्पित कर दीप जलाकर शुभारम्भ हुआ भगवान परशुराम के जयकारे के साथ समापन किया गया ।

महादेवा मंदिर में तैयारी के दौरान बिजली मिस्त्री सीढ़ी से गिरा, गंभीर हालत में लखनऊ रेफर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। तहसील रामनगर के लोधौरा स्थित प्रसिद्ध महादेवा मंदिर में रविवार शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों के दौरान एक बिजली मिस्त्री हादसे का शिकार हो गया। बताया जा रहा है कि मंदिर में पंखों और विद्युत व्यवस्था की मरम्मत का कार्य करते समय सीढ़ी फिसलने से वह नीचे गिर गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार महादेवा पट्टी निवासी लगभग 20 वर्षीय समीर पुत्र स्वर्गीय मग्गू मंदिर परिसर में सीढ़ी लगाकर बिजली संबंधी कार्य कर रहा था। इसी दौरान अचानक सीढ़ी फिसल गई और वह नीचे गिर पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार उसके सिर में गंभीर चोट लगी। बताया जा रहा है कि घायल समीर को पहले जिला अस्पताल बाराबंकी ले जाया गया, जहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया गया। हालांकि घटना के बाद उसे किस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, इसकी स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटना के बाद मामले को दबाने का प्रयास किया गया तथा मौके पर पर्याप्त सहायता भी नहीं मिली। वहीं, संबंधित अधिकारी और मंदिर प्रबंधन इस संबंध में स्पष्ट जानकारी देने से बचते रहे। गौरतलब है कि सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महादेवा कॉरिडोर का शिलान्यास करने के साथ मंदिर में पूजा-अर्चना भी करेंगे। उनके आगमन को लेकर मंदिर परिसर में व्यापक तैयारियां चल रही थीं, इसी दौरान यह हादसा हो गया मठ मंदिर के रिसीवर हरिप्रसाद द्विवेदी से दूरभाष पर संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया युवक चककर आने से गिर गया जिसे रामनगर ले जाया गया जहा हालत गंभीर होने पर उपचार हेतु जिला मुख्यालय भेजा गया है ।

सर्प दंश , बच्ची की मृत्यु

रामनगर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। सर्प ने एक और लाडली की ली जान,यह घटना राम नगर थाना के अंतर्गत चांद पुर उटखरा मे दिपान्सी पुत्रीअजय कुमार यादव की सर्प डंस ने ड्स लिया जिसकी जिला अस्पताल मे इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। पीएम के लिये भेज दिया गया। परिवार मे यह लड़की बहुत ही होनाहार थी जो क्लास 11की छात्रा थी।पूरेपरिवार् मे वा गाव मे शोक की लहर है।

10 दिन से लापता युवक का शव नहर में मिला, परिवार में मचा कोहराम

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। दस दिन से लापता युवक का शव रविवार सुबह मसौली थाना क्षेत्र की शारदा सहायक डबल नहर के तिलपुरा झाल में मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिहाली निवासी 33 वर्षीय दिनेश पुत्र प्यारेलाल के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार दिनेश 10 जुलाई को अपनी ससुराल ग्राम मढ़ना (थाना रामनगर) गया था। 17 जुलाई को पत्नी के साथ घर लौटने को लेकर विवाद के बाद वह बाइक से अकेले घर के लिए निकला, लेकिन नहीं पहुंचा। इसके बाद परिजनों ने फतेहपुर कोतवाली में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। रविवार को तिलपुरा झाल में शव मिलने की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उसकी पहचान की। मृतक अपने पीछे पत्नी किरन, पुत्री रागिनी (12 वर्ष) और पुत्र ऋषिकांत (8 वर्ष) को छोड़ गया है। मसौली पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद होगा।

एफएलएन एवं एनसीईआरटी आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) गणेशपुर में एफएलएन एवं एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों पर आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हो गया। प्रशिक्षण का आयोजन प्राचार्य उप शिक्षा निदेशक तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में किया गया।महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा के निर्देशन में आयोजित प्रशिक्षण में जनपद के सभी एआरपी को स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनरों ने प्रशिक्षण दिया। एआरपी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण प्रेरणादायी रहा और इससे मेंटरिंग को नई सकारात्मक दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि सत्र 2026-27 में पठन संस्कृति को बढ़ावा देने तथा निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को सफल बनाने के लिए शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक मिलकर कार्य करेंगे। उन्होंने प्रशिक्षण की सफलता के लिए प्रवक्ता लालचंद, राहुल सिंह, एसआरजी अवधेश पांडेय, पद्मजा त्रिपाठी एवं पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

बाग में फंदे से लटका मिला वृद्ध का शव,

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के ग्राम टेरासानी में रविवार भोर 55 वर्षीय वृद्ध का शव आम के बाग में फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची मसौली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान संतराम (55) पुत्र परमेश्वर के रूप में हुई है। वह अविवाहित था और अपने भाई गंगाराम के साथ रहता था। परिजनों के अनुसार शनिवार रात भोजन करने के बाद वह रोज की तरह घर के हाते में सोने गया था। रविवार सुबह घर से करीब 100 मीटर दूर रेहान के आम के बाग में उसका शव गमछे और रस्सी के सहारे पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु के कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

शौच गया युवक रजबहा में डूबा,मौत

सिद्धौर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोठी थाना क्षेत्र के मजपुरा मजरे टेण्ड़वां गांव में रविवार को सुबह 27 वर्षीय युवक शीतला प्रसाद धीमान की रजबहा में डूबने से मौत हुई। बताया जाता है कि वह शौच के लिए रजबहा किनारे गए था। तभी फिसलकर गहरे पानी में जा समाया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

10 दिन से लापता युवक का शव नहर में मिला, परिवार में मचा कोहराम

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। दस दिन से लापता युवक का शव रविवार सुबह मसौली थाना क्षेत्र की शारदा सहायक डबल नहर के तिलपुरा झाल में मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिहाली निवासी 33 वर्षीय दिनेश पुत्र प्यारेलाल के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार दिनेश 10 जुलाई को अपनी ससुराल ग्राम मढ़ना (थाना रामनगर) गया था। 17 जुलाई को पत्नी के साथ घर लौटने को लेकर विवाद के बाद वह बाइक से अकेले घर के लिए निकला, लेकिन नहीं पहुंचा। इसके बाद परिजनों ने फतेहपुर कोतवाली में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। रविवार को तिलपुरा झाल में शव मिलने की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उसकी पहचान की। मृतक अपने पीछे पत्नी किरन, पुत्री रागिनी (12 वर्ष) और पुत्र ऋषिकांत (8 वर्ष) को छोड़ गया है। मसौली पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद होगा।

भैंस की मौत, पशुपालक को भारी आर्थिक नुकसान

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता । ग्राम पंचायत बड़ागांव के मोहल्ला मंझपटीया में करंट लगने से एक गर्भवती भैंस की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार लज्जावती पत्नी स्वर्गीय राम सजीवन वर्मा की भैंस घर के सामने छप्पर के नीचे बंधी थी। पास में रखा बिजली का बोर्ड उसकी पहुंच में था। परिवार के सभी सदस्य धान की रोपाई के लिए खेत गए हुए थे। इसी दौरान भैंस खूंटे से खुल गई और बिजली के बोर्ड को चबाने लगी। बिजली चालू होने के कारण करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नूर मोहम्मद की सूचना पर हल्का लेखपाल अनुराग पाठक मौके पर पहुंचे। उन्होंने तहसील प्रशासन को सूचना देते हुए पशु चिकित्सक डॉ. संजीव कुमार से भैंस का पोस्टमार्टम कराया। पशुपालक लज्जावती ने बताया कि भैंस लगभग 15 दिन बाद बच्चा देने वाली थी। उसकी मौत से परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

इंटरनेशनल वैश्य फाउंडेशन की बैठक में शिक्षा को मिला बढ़ावा, विद्यालय को छात्र की फीस और कंप्यूटर और क्रोकरी किया भेंट

पूरनपुर। इंटरनेशनल वैश्य फाउंडेशन की नगर में परिचय एवं आवश्यक बैठक का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष संजीव मोहन अग्रवाल उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन विधानसभा महामंत्री नीतीश अग्रवाल ने किया, जबकि अंत में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रशांत गुप्ता ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया बैठक के दौरान वैश्य समाज ने केवल संगठनात्मक मजबूती ही नहीं, बल्कि शिक्षा और सामाजिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का भी परिचय दिया आईवीएफ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रशांत गुप्ता ने नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में एक छात्र की पूरे वर्ष की शिक्षा शुल्क जमा कर उसकी पढ़ाई का दायित्व निभाया साथ ही विद्यालय को एक कंप्यूटर सेट भेंट किया, जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा का लाभ मिल सके इसके अतिरिक्त डॉ. प्रशांत गुप्ता एवं विधानसभा महामंत्री नीतीश अग्रवाल ने विद्यालय को भोजन व्यवस्था के लिए उपयोगी एवं गुणवत्तापूर्ण बर्तन भी भेंट किए, जिससे विद्यालय की सुविधाओं में वृद्धि होगी ।

एफएलएन एवं एनसीईआरटी आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) गणेशपुर में एफएलएन एवं एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों पर आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हो गया। प्रशिक्षण का आयोजन प्राचार्य उप शिक्षा निदेशक तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में किया गया।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा के निर्देशन में आयोजित प्रशिक्षण में जनपद के सभी एआरपी को स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनरों ने प्रशिक्षण दिया।

एआरपी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण प्रेरणादायी रहा और इससे मेंटरिंग को नई सकारात्मक दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि सत्र 2026-27 में पठन संस्कृति को बढ़ावा देने तथा निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को सफल बनाने के लिए शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक मिलकर कार्य करेंगे। उन्होंने प्रशिक्षण की सफलता के लिए प्रवक्ता लालचंद, राहुल सिंह, एसआरजी अवधेश पांडेय, पद्मजा त्रिपाठी एवं पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

भाजपा सरकार द्वारा जौहर विश्वविद्यालय पर कार्रवाई को लेकर भड़की सपा नेत्री मीनू शर्मा

पूरनपुर। मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय रामपुर के खिलाफ चल रही कार्रवाई को लेकर समाजवादी पार्टी की महिला नेत्री भड़क उठीं। समाजवादी पार्टी महिला सभा की नगर अध्यक्ष मीनू शर्मा ने बयान जारी कर कहा कि भाजपा सरकार द्वारा शिक्षा के मंदिर को गिराया जाना बिल्कुल गलत है। विश्वविद्यालय में प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों से छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। यहां सभी जाति और धर्म के बच्चे पढ़ते हैं। सपा नेत्री मीनू शर्मा ने कहा कि शिक्षा से किसी का धर्म नहीं पूछा जाता। एक शिक्षण संस्थान को राजनीति का शिकार बनाना लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ है। सरकार को चाहिए कि वह बदले की भावना छोड़कर शिक्षा और विकास पर ध्यान दे।उन्होंने आरोप लगाया कि जानबूझकर एक विशेष समुदाय से जुड़े संस्थान को निशाना बनाया जा रहा है। इससे प्रदेश के हजारों छात्रों का भविष्य अंधकार में चला जाएगा।

पूर्व राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी अरुण त्रिवेदी खेल रत्न अवार्ड से सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। स्थानीय गांधी भवन में महात्मा गांधी स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में पूर्व राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं एचएएल लखनऊ से सेवानिवृत्त अरुण कुमार त्रिवेदी को खेल रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। समाजसेवी एवं समाजवादी अध्येता नवीन तिवारी ने उन्हें शॉल, स्मृति चिन्ह और सूत की माला भेंट कर सम्मानित किया।

समारोह में नैनीताल में आयोजित 100वीं अखिल भारतीय टेंडर्स कप हॉकी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले गांधी क्लब के खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि नवीन तिवारी ने कहा कि खेल में हार-जीत से अधिक प्रयास महत्वपूर्ण होता है। खिलाड़ियों का जोश, अनुशासन और समर्पण समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया।

क्लब के संस्थापक राजनाथ शर्मा ने युवाओं से महात्मा गांधी के विचारों का स्वयं अध्ययन करने का आह्वान किया, जबकि क्लब अध्यक्ष सलाउद्दीन किदवई ने कहा कि अरुण त्रिवेदी ने 41 वर्षों की सेवा के दौरान खेल से कभी दूरी नहीं बनाई और उनके अनुभव का लाभ अब क्लब के खिलाड़ियों को मिलेगा। कार्यक्रम में तौहीद खान, मुजीब अहमद, राम आशीष वर्मा, निसार अहमद, मोहम्मद फारूख सहित अनेक खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

पी.वी. सिंधु ने रचा इतिहास, अकाने यामागुची को हराकर जीता जापान ओपन 2026 का खिताब

एजेंसी

टोक्यो। भारत की स्टार शटलर पी.वी. सिंधु ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की अकाने यामागुची को सीधे गेमों में हराकर जापान ओपन 2026 महिला एकल का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं।

फाइनल मुकाबले में सिंधु ने आक्रामक स्मैश, सटीक ड्रॉप शॉट और बेहतरीन कोर्ट कवरेज का प्रदर्शन करते हुए घरेलू खिलाड़ी यामागुची को 21-17, 21-17 से मात्र 50 मिनट में पराजित किया। इसके साथ ही उन्होंने अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 खिताब भी जीत लिया। 31 वर्षीय सिंधु के लिए यह सिंगापुर ओपन सुपर 500 (2022) के बाद पहला बड़ा खिताब है। पिछले दो वर्षों में चोटों के कारण उन्हें कई कठिन दौर से गुजरना पड़ा था और वह अपनी लय व निरंतरता हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही थीं। जापान ओपन का यह खिताब उनके शानदार वापसी का प्रमाण है। इस जीत के साथ सिंधु ने तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची के खिलाफ अपने आमने-सामने के रिकॉर्ड को 16-14 कर लिया। इससे पहले उन्होंने यामागुची को 2022 थाईलैंड ओपन में पूर्ण मुकाबले में हराया था। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। मध्यांतर तक यामागुची दो अंकों की बढ़त पर थीं, लेकिन इसके बाद सिंधु ने अपने खेल का स्तर ऊंचा किया और लगातार दबाव बनाया। 17-15 के स्कोर पर दोनों खिलाड़ियों के बीच 38 शॉट की शानदार रैली हुई, जिसमें यामागुची ने बेहतरीन रक्षण किया। हालांकि 17-17 की बराबरी के बाद सिंधु ने लगातार चार अंक जीतकर पहला गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधु ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और 8-3 तथा फिर 14-7 की मजबूत बढ़त बना ली। यामागुची ने अंतिम चरण में वापसी करते हुए स्कोर 19-17 तक पहुंचाया, लेकिन सिंधु ने संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक जीतकर मैच तथा खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ पी.वी. सिंधु ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह विश्व बैडमिंटन की सबसे बड़ी खिलाड़ियों में शामिल हैं और आने वाले बड़े टूर्नामेंटों के लिए भी उन्होंने अपने मजबूत इरादों का संकेत दे दिया है।

निश्चित स्थान किसी का नहीं होता, जो अच्छा प्रदर्शन करेगा वही खेलेगा, रोहित-कोहली पर कपिल देव

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। महान क्रिकेटर कपिल देव ने कहा है कि भारतीय टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों का भी स्थान कभी 'पक्का' नहीं हो सकता लेकिन जब तक ये अनुभवी बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन करते रहेंगे, तब तक उन्हें खेलने का मौका मिलना चाहिए। रोहित (39 वर्ष) और कोहली (37 वर्ष) अपने शानदार करियर के अंतिम दौर में हैं। हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ जारी तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में शुरुआती दो मुकाबलों में रोहित के खराब प्रदर्शन के बाद उनके भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। कपिल ने यहां ''कपिल देव-सुनील गुप्ता अस्पताल'' में पीटीआई से बातचीत में कहा, ''क्रिकेट में किसी का स्थान कभी भी स्थायी नहीं होता। जो लगातार अच्छा प्रदर्शन करता है, वही खेलता है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि वह कौन है। मेरा मानना है कि प्रदर्शन पर नजर रखिए और जब तक खिलाड़ी अच्छा खेल रहा है, उसे खेलने दीजिए। उन्होंने कहा कि ऐसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के भविष्य पर फैसला लेने का अधिकार चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन का है। कपिल ने कहा, ''सचिन तेंदुलकर ने जब संन्यास लिया, तब उनमें काफी क्रिकेट बाकी था। यह फैसला चयनकर्ताओं का काम है। मैं यह नहीं कहूंगा कि किसे बाहर किया जाए। यह चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की जिम्मेदारी है। मैं तो सिर्फ टीवी पर मैच देखकर अपनी राय दे सकता हूं। उन्होंने कहा, ''टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं पर भरोसा रखिए कि वे भारत के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम चुनेंगे। अगर टीम हारती भी है, तब भी हमें उनके साथ खड़ा रहना चाहिए। उन्होंने कहा, ''रोहित अब 20 साल के नहीं हैं। वह लगभग 40 वर्ष के हैं और हर खिलाड़ी को एक दिन संन्यास लेना ही पड़ता है। लेकिन उन्होंने सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को जो खुशी दी है उसके लिए उन्हें सलाम। कपिल ने कहा, ''उन्होंने इतने वर्षों तक भारतीय क्रिकेट को जो योगदान दिया है, उस पर हमें गर्व होना चाहिए। जब तक वह खेल सकते हैं या जब तक चयनकर्ताओं और कप्तान को लगता है कि उन्हें खेलना चाहिए, तब तक उन्हें अवसर मिलना चाहिए। 1983 विश्व कप विजेता कप्तान ने चयनकर्ताओं से उम्र या खिलाड़ी की प्रतिष्ठा जैसे पहलुओं से ऊपर उठकर ऐसी टीम चुनने की अपील की जो भारत के लिए मैच जीत सके। उन्होंने कहा, ''अगर टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है तो इसमें कोई बुराई नहीं है। कल कोई नया खिलाड़ी आएगा और जिम्मेदारी संभालेगा। हमें सिर्फ बैठकर इसका आनंद लेना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारे पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जरूरत इस बात पर ध्यान देने की है कि कौन खिलाड़ी टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ है। बहुत ज्यादा बदलाव करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण चीज जीत है। अगर कोई खिलाड़ी अच्छा है तो उसकी उम्र या कद देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। ऐसी टीम चुननी चाहिए जो भारत को जीत दिला सके।

रोहित अभी कुछ और साल खेल सकते हैं: लालचंद राजपूत

एजेंसी

नयी दिल्ली। एकदिवसीय क्रिकेट में भले ही रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर अब भी अनिश्चितता बनी हुई हो लेकिन उनके शुरुआती मेंटर (मार्गदर्शक) लालचंद राजपूत का मानना ??है कि भारत के पूर्व कप्तान 'कुछ और साल खेलने के लिए पूरी तरह सक्षम हैं। साथ ही वह रोहित के मौजूदा संघर्ष को दो दशक तक क्रिकेट के कारण शरीर को होने वाले स्वाभाविक 'नुकसान' का नतीजा मानते हैं। भारत की भविष्य की योजनाओं में रोहित की जगह को लेकर बहस तब और तेज हो गई जब ऐसी खबरें आईं कि मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस अनुभवी सलामी बल्लेबाज को बता दिया है कि वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने इन अटकलों को जल्द ही खारिज कर दिया। राजपूत ने कहा, ''मैं अटकलों पर यकीन नहीं करता। जब तक कुछ असल में नहीं होता तब तक उस पर बात नहीं की जा सकती। मुझे अब भी लगता है कि वह कुछ और साल खेलने के लिए सक्षम हैं। राजपूत ने ही राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (अब बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) में सबसे पहले युवा खिलाड़ी के तौर पर रोहित की प्रतिभा पहचानी थी। राजपूत ने कहा, ''वह फिट हैं और उन्होंने अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत की है। अगर आप उन्हें अभी देखें तो वह पहले से अधिक दुबले-पतले दिखते हैं। पिछले मैच में उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की उसमें उनकी पुरानी बल्लेबाजी की झलक दिखी। मुझे लगता है कि बस एक अच्छी पारी की जरूरत है। राजपूत 2007 आईसीसी टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के मैनेजर भी थे। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत को रोहित से आगे के बारे में सोचना चाहिए तो राजपूत ने इस बहस में पड़ने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, ''यह एक काल्पनिक सवाल है। अभी कुछ भी पक्का नहीं है। रोहित पर ध्यान दीजिए क्योंकि वह अच्छी बल्लेबाज कर रहे हैं। उन्होंने अपनी फिटनेस पर बहुत मेहनत की है और जबरदस्त वापसी की है। राजपूत ने कहा, ''जब समय आएगा तब हम भविष्य के बारे में बात कर सकते हैं। अपनी फिटनेस पर इतनी मेहनत करने के बाद उनका मन 2027 तक खेलने का ही होगा। हमें इंतजार करना चाहिए और देखना चाहिए। राजपूत का मानना है कि रोहित और विराट कोहली टीम के लिए बहुत जरूरी हैं क्योंकि वे सिर्फ रन ही नहीं बनाते बल्कि उनका अपना एक खास प्रभाव है। उन्होंने कहा, ''इन दोनों खिलाड़ियों ने भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया है।

एमबाप्पे ने 22 गोल के साथ विश्व कप में सबसे अधिक गोल करने का रिकॉर्ड बनाया, मेस्सी को पीछे छोड़ा

एजेंसी

मियामी गार्डन्स। किलियन एमबाप्पे ने शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे स्थान के मैच में फ्रांस के लिए दो गोल करके फुटबॉल विश्व कप में अपने कुल गोल की संख्या 22 तक पहुंचाई और लियोनल मेस्सी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। फ्रांस के स्टार एमबाप्पे ने मौजूदा विश्व कप में 10 गोल किए हैं और 'गोल्डन बूट' की दौड़ में अर्जेन्टीना के महान खिलाड़ी मेस्सी से दो गोल आगे चल रहे हैं। यह पुरस्कार टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले को दिया जाता है। मेस्सी को एमबाप्पे से आगे निकलने का आखिरी मौका तब मिलेगा जब वह और मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना रविवार को न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में फाइनल में स्पेन का सामना करेंगे। एमबाप्पे ने 'फॉक्स स्पोर्ट्स' से फ्रेंच में कहा, ''मैं इतिहास का शीर्ष स्कोरर नहीं बनकर कल का मैच (फाइनल) खेलना अधिक पसंद करता। एमबाप्पे ने चार साल पहले कतर में आठ गोल करके गोल्डन बूट जीता था जहां फ्रांस फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में मेस्सी की कप्तानी वाली अर्जेन्टीना की टीम से हार गया था। मौजूदा टूर्नामेंट में 10 गोल करके एमबाप्पे ने विश्व कप में तीसरे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की। फ्रांस के लिए 1958 में जस्ट फोनटेन ने रिकॉर्ड 13 गोल किए थे जबकि हंगरी के सैंडोर कोक्सिस ने 1954 में 11 गोल किए थे। पश्चिम जर्मनी के गर्ड म्यूलर ने 1970 में 10 गोल दागे थे। जब मध्यांतर के समय फ्रांस 0-4 से पीछे था तो ऐसा लग रहा था कि एमबाप्पे गोल्डन बूट की दौड़ में पिछड़ जाएंगे। एमबाप्पे ने 48वें मिनट में गोलकीपर डीन हेंडरसन को छकाते हुए गोल करके टीम में नई जान फूंकी। इसके बाद 66वें मिनट में उन्होंने लगभग 14 गज की दूरी से बाएं पैर से शॉट मारकर फिर से हेंडरसन को पछाड़ा और मेस्सी के विश्व कप में सर्वाधिक 21 गोल के करियर रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। एमबाप्पे के दूसरे गोल से फ्रांस ने स्कोर 3-4 किया लेकिन टीम जीत दर्ज करने में नाकाम रही। एमबाप्पे ने कहा, ''मैच में दो बिल्कुल अलग हाफ थे। पहले हिस्से के दौरान मैं समझ सकता हूं कि कुछ लोग क्यों सोचते हैं कि हमने खुद को बेवकूफ बनाया और जर्सी का सम्मान नहीं किया। मैं तो बस इतना कहूंगा कि हम इंसान हैं और हम ऐसी गलती करने की स्थिति में नहीं थे। हम पूरी तरह से हैरान रह गए थे और उन्होंने सच में हमें झकझोर दिया। उन्होंने कहा कि फ्रांसीसी खिलाड़ी डिडियर डेसचैम्प्स के लिए जीतना चाहते थे जो राष्ट्रीय टीम की अंतिम मैच में कोचिंग कर रहे थे। एमबाप्पे ने कहा, ''आखिरकार हम जीत नहीं पाए और यह कोच के लिए दुख की बात है। पहले हाफ से ऐसा लगता है कि हमने उन्हें निराश किया। हम बिल्कुल नहीं चाहते थे कि उन्हें ऐसा महसूस हो। यह मैच डिडियर डेसचैम्प्स की विरासत पर कोई दाग नहीं लगाएगा।''

डॉ. रेड्डी फाउंडेशन की मिट्टी जांच प्रयोगशाला में एक लाख नमूनों की जांच का लक्ष्य

एजेंसी

श्रीकाकुलम (आंध्र प्रदेश)। दवा कंपनी डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कोष के प्रमुख लाभार्थियों में से एक और पारिवारिक ट्रस्ट 'डॉ. रेड्डी फाउंडेशन' अपनी हैदराबाद स्थित मृदा परीक्षण प्रयोगशाला (सॉयल टेस्टिंग फैसिलिटी) के परिचालन का दायरा बढ़ा रहा है। प्रयोगशाला ने आगामी रबी सीजन से पहले 75,000 से 1,00,000 नमूनों की जांच का लक्ष्य रखा है, जो इसके परिचालन के पहले पूरे साल के दौरान जांचे गए नमूनों की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। यह कदम मिट्टी की घटती गुणवत्ता और वर्ष 2015 में देशभर में शुरू की गई केंद्र सरकार की मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के क्रियान्वयन में मौजूद खामियों को लेकर बढ़ती चिंता के बीच की जा रही है। फाउंडेशन में ग्रामीण आजीविका एवं जलवायु कार्रवाई निदेशक सुमन सरस्वतीबटला ने कहा, ''हालांकि सरकार की ओर से मिट्टी की जांच की व्यवस्था मौजूद है, लेकिन समस्या का स्तर बहुत बड़ा है। इसलिए हमने अपने स्तर पर इस मुद्दे के समाधान का फैसला किया। सरस्वतीबटला ने बताया कि भरोसेमंद मिट्टी जांच समाधान तलाशने के लिए फाउंडेशन ने करीब सात साल तक प्रयास किए, जिसके बाद अपनी प्रयोगशाला स्थापित करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन ने कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषि विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), सीजीआईएआर संस्थानों और त्वरित मिट्टी जांच उपकरण उपलब्ध कराने वाली निजी कंपनियों से संपर्क किया, लेकिन कोई भी व्यवस्था उसकी जरूरतों के अनुरूप नहीं मिली। उन्होंने कहा, ''यदि जांच में सटीकता है तो निरंतरता की समस्या है और यदि निरंतरता है तो सटीकता की समस्या है।

सेमीकॉन 2.0 के तहत इक्विटी नियमों से अत्याधुनिक चिप डिजाइन के लिए निवेश मिलेगा : आईटी सचिव

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार के 1.27 लाख करोड़ रुपये के सेमीकॉन 2.0 कार्यक्रम के तहत भारतीय कंपनियों को उन्नत सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन के लिए अनुदान के साथ-साथ इक्विटी के रूप में भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे कृत्रिम मेधा (एआई) जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के लिए आवश्यक उन्नत चिप विकसित करने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित किया जा सकेगा। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह बात कही है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेइटी) के सचिव एस. कृष्णन ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा कि कि उन्नत चिप डिजाइन के लिए हजारों करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि पहले की डिजाइन-से जुड़ी प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के तहत अधिकतम 15 करोड़ रुपये तक की सहायता मिलती थी, जबकि अत्याधुनिक चिप डिजाइन करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये या उससे अधिक की जरूरत पड़ सकती है। ''हम अधिक वित्तपोषण उपलब्ध कराने की मंशा रखते हैं। कृष्णन ने कहा कि इसके साथ ही सरकार पूरी राशि खुद उपलब्ध नहीं करा सकती। इसलिए सेमीकॉन 2.0 के तहत ऐसी व्यवस्था की जा रही है, जिसमें उद्यम पूंजी निवेशकों या अन्य निवेशकों के साथ सरकार भी सह-निवेश करेगी। उन्होंने कहा कि इससे एक ओर परियोजनाओं के लिए उपलब्ध कुल पूंजी बढ़ेगी और दूसरी ओर कंपनियों के चयन का काम बाजार आधारित निवेशकों के जरिये होगा। उन्होंने कहा कि सरकार उन मान्यता प्राप्त उद्यम पूंजी कोषों के साथ सह-निवेश करेगी, जो किसी भारतीय चिप कंपनी में पैसा लगाएंगे। इससे सरकार को स्वयं परियोजनाओं के चयन की आवश्यकता नहीं होगी। सरकार ने 15 जुलाई को 1.27 लाख करोड़ रुपये (लगभग 14 अरब डॉलर) के सेमीकॉन 2.0 कार्यक्रम को मंजूरी दी है। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से छह साल तक लागू रहेगी। इसके तहत भारतीय चिप कंपनियों को अनुदान, इक्विटी निवेश या रॉयल्टी आधारित भुगतान के माध्यम से प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्नत चिप डिजाइन के लिए निवेश की कोई अधिकतम सीमा निर्धारित नहीं की गई है। भारतीय सेमीकॉन मिशन के तहत अब तक 105 स्टार्टअप कंपनियों की पहचान की गई है, जो चिप डिजाइन के क्षेत्र में काम कर रही हैं। सरकार का मुख्य जोर देश में मजबूत चिप डिजाइन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर है। कृष्णन ने कहा कि सेमीकॉन 2.0 के दौरान भारत उन्नत चिप डिजाइन करने की क्षमता हासिल कर सकता है। हालांकि, देश में अत्याधुनिक चिप का विनिर्माण अभी निकट भविष्य में संभव नहीं दिखता। उन्होंने कहा कि फिलहाल सरकार का लक्ष्य उन्नत चिप बनाने के बजाय उनके डिजाइन और बौद्धिक संपदा (आईपी) के विकास पर है।

प्रेस्टीज समूह ने पहली तिमाही में 12,000 करोड़ रुपये के राजस्व वाली तीन आवासीय परियोजनाएं पेश कीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने घरों की मजबूत मांग के बीच अपनी विस्तार योजना के तहत अप्रैल-जून तिमाही में तीन नई आवासीय परियोजनाएं शुरू की हैं। इन परियोजनाओं से कंपनी को लगभग 12,000 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की उम्मीद है। बेंगलुरु की इस कंपनी ने अपनी ताजा परिचालन रिपोर्ट में बताया कि उसने कुल 2.016 करोड़ वर्ग फुट के विकास योग्य क्षेत्रफल वाली चार परियोजनाएं शुरू की हैं। इनमें हैदराबाद, बेंगलुरु और मुंबई की तीन आवासीय परियोजनाएं तथा बेंगलुरु में 30 लाख वर्ग फुट विकास योग्य क्षेत्रफल वाली एक वाणिज्यिक परियोजना शामिल है। कंपनी के अनुसार, तीनों आवासीय परियोजनाओं से कुल 12,000 करोड़ रुपये का संभावित राजस्व मिलने का अनुमान है। प्रेस्टीज समूह के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक इरफान रज्जाक ने कहा, ''आने वाले समय में मुंबई, एनसीआर, बेंगलुरु और चेन्नई में कई प्रमुख परियोजनाएं त्योहारों के मौसम में शुरू की जाएंगी, जिससे हमारी वृद्धि की रफ्तार और मजबूत होगी। रज्जाक ने इससे पहले कहा था कि कंपनी के पास करीब 60,000 करोड़ रुपये मूल्य की आवासीय परियोजनाओं की पेशकश करने की पाइपलाइन है। हालांकि, इनमें से कितनी परियोजनाएं बाजार में बिक्री के लिए लाई जाएंगी, यह सरकारी मंजूरियों पर निर्भर करेगा। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की बिक्री बुकिंग 46 प्रतिशत घटकर 6,579.3 करोड़ रुपये रह गई, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 12,126.4 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि बिक्री में यह गिरावट पिछले साल के ऊंचे आधार प्रभाव के कारण दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2025-26 की जून तिमाही में कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर में एक बड़ी परियोजना शुरू की थी, जिससे उसे रिकॉर्ड बिक्री बुकिंग हासिल हुई है।

तिमाही नतीजे, पश्चिम एशिया तनाव और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण कारकों से तय होगी। विश्लेषकों का कहना है कि कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे, पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों की दिशा बाजार की चाल को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति, खरीफ फसलों की बुवाई की स्थिति और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार के लिए प्रमुख संकेतक रहेंगी। रिलायंस ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह घरेलू कंपनियों के तिमाही परिणाम, घरेलू वृहद आर्थिक आंकड़े और वैश्विक घटनाक्रम बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि मानसून और खरीफ बुवाई पर निवेशकों की नजर रहेगी, क्योंकि इनका असर ग्रामीण मांग, खाद्य महंगाई और भारतीय रिजर्व बैंक की भविष्य की नीतियों पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा, ''वैश्विक स्तर पर निवेशक पश्चिम एशिया में जारी तनाव और उसके कारण कच्चे तेल की कीमतों तथा जोखिम वाली

शेयर समीक्षा

परिसंपत्तियों पर पड़ने वाले प्रभाव पर करीबी नजर रखेंगे। इस सप्ताह कई बड़ी कंपनियां अपने तिमाही परिणाम जारी करेंगी। इनमें इन्फोसिस, वन97 कम्युनिकेशंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, बजाज ऑटो, अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी पावर, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि., डॉ. रेड्डीज लैब, इंडसइंड बैंक, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, नेस्ले इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी शामिल हैं। एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि इस सप्ताह निवेशकों का ध्यान मुख्य रूप से पश्चिम एशिया की स्थिति पर रहेगा। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव में कमी आने से बाजार में सकारात्मक माहौल बन सकता है, जबकि सैन्य तनाव बढ़ने या होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति प्रभावित होने की स्थिति में वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ सकती है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से पांच का बाजार पूंजीकरण 1.54 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

एजेंसी

नयी दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1.54 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स में 582.06 अंक या 0.75 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 127.4 अंक या 0.52 प्रतिशत के लाभ में रहा। पिछले सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत घट गई। समीक्षाधीन सप्ताह में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक 72,072.3 करोड़ रुपये बढ़कर 8,20,672.70 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने जून तिमाही में शुद्ध लाभ में 4.61 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 29,062.06 करोड़ रुपये बढ़कर 10,34,441.77 करोड़ रुपये हो गया। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 23,884.93 करोड़ रुपये बढ़कर 17,95,091.26 करोड़ रुपये रहा। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 21,946.5 करोड़ रुपये बढ़कर 6,57,274.28 रुपये, जबकि भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,338.34 करोड़ के उछाल के साथ 9,63,768.78 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के उलट लार्सन एंड टुब्रो का बाजार मूल्यांकन 18,097.72 करोड़ रुपये घटकर 5,24,840.68 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 12,080.75 करोड़ रुपये घटकर 5,48,124.30 करोड़ रुपये पर आ गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 7,706.45 करोड़ रुपये घटकर 11,91,067.77 करोड़ रुपये रह गई। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 7,084.61 करोड़ रुपये घट गया और यह 12,62,369.81 करोड़ रुपये रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में 1,221.79 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई और यह 5,03,775.86 करोड़ रुपये पर आ गया। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, एलआईसी, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

मप्र कैबिनेट ने समान नागरिक विधेयक-2026 के प्रस्ताव को दी मंजूरी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में रविवार को भोपाल जिले के रियासतकालीन नगर जगदीशपुर में हुई कैबिनेट की बैठक में समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड-यूसीसी) विधेयक-2026 के प्रारूप को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। अब सोमवार, 20 जुलाई से शुरू हो रहे मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में इसे सदन के पटल पर पेश किया जाएगा।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस फैसले पर मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों और प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकार विधेयक को विधानसभा में पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि समानता भारतीय संस्कृति और मूल्यों का अभिन्न हिस्सा रहे है। इसी भावना के अनुरूप सरकार ने यह कदम उठाया है। विधानसभा में विधेयक पेश होने के बाद उस पर चर्चा होगी और सदन की मंजूरी मिलने के बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

उन्होंने कहा कि आज समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को सदन में पेश करने का फैसला लिया गया है। यूसीसी के जरिए राज्य में सभी को बराबरी का दर्जा मिल जाएगा, जिनमें 'राम' और 'रहीम' भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूसीसी लागू करने से पहले हम जनता बीच गए। दो महीने तक जनता से फीडबैक लिया। छह सदस्यीय कमेटी गठित की, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक हर तरह के प्रतिनिधि से राय ली गई। इस पर चर्चा के लिए सभी को बुलाया, लेकिन कांग्रेस के लोग नहीं आए, क्योंकि उन्हें हर मौके पर हिंदू-मुस्लिम करना है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि यूसीसी पर नौ लाख 58 हजार सुझाव आए। इनमें 93.54% लोगों ने प्रदेश में इस कानून का समर्थन किया। उन्होंने बताया कि 80 फीसदी मुस्लिम बहनों और 40 प्रतिशत मुस्लिम भाइयों ने भी एक समान कानून की मांग की है। यूसीसी के प्रस्ताव में प्रावधान किया गया है कि प्रदेश में विवाह सिर्फ एक ही मान्य होगा। दूसरा विवाह नहीं चलेगा। तलाक की प्रक्रिया भी कानूनी होगी। उत्तराधिकार का चयन कानून से होगा। महिला और पुरुष को समान अधिकार मिलेंगे। लिव-इन रिलेशन में एक महीने में पंजीकरण अनिवार्य होगा। इसमें प्रावधान में है कि 21 साल का लड़का और 18 वर्ष से अधिक उम्र की लड़की ही लिव इन में रह सकेगी। आदिवासी समाज को इस कानून में अपवाद रखा गया है। विवाह का रजिस्ट्रेशन ग्रामीण स्तर तक अनिवार्य होगा। शादीशुदा व्यक्ति लिव-इन में रहता है तो 5 साल की सजा हो सकती है। भेद भाव पूर्ण प्रथाओं को रोकने का प्रयास किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बात सही है कि भारतीय संस्कृति में सभी के लिए समान सम्मान है। हमारी सोच, संवेदना समान हो और हम एक उदाहरण पेश करें। सबका साथ-सबका विश्वास और सबका विकास की सोच पर हम आगे बढ़ रहे हैं। जब परमात्मा और प्रकृति भेद नहीं करते तो फिर कैसे हम भेद कर सकते हैं। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वे इस कानून का लागू करने में समर्थन दें। उन्होंने कहा कि विभाजन को विश्वास में बदलना इस कानून का मुख्य लक्ष्य है। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मध्य प्रदेश वह राज्य बनेगा, जहां समान नागरिक संहिता लागू होगी। यह ऐतिहासिक निर्णय गोंड राजाओं के किले में हो रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंत्रि-परिषद की बैठक में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री निवास से मंत्रीगण के साथ ई-बस में सवार होकर जगदीश पहुंचे।

चढ़ावा चोरी की स्वतंत्र जांच कराएं मोदी : राहुल

खरगे-राहुल ने चढ़ावा चोरी को लेकर लिखा मोदी को पत्र

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों में सामने आए चढ़ावा चोरी प्रकरण की स्वतंत्र और व्यापक जांच कराने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संयुक्त पत्र लिखा है।

श्री खरगे तथा श्री गांधी ने 18 जुलाई के अपने संयुक्त पत्र में कहा है कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर केंद्र सरकार ने किया था। इसके अधिकांश सदस्य सरकार द्वारा नामित किये गये हैं इसलिए मामले में केंद्र सरकार अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकती।

उन्होंने लिखा कि करोड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण और सेवा के लिए अपनी मेहनत की कमाई श्रद्धा और विश्वास के साथ दान की थी। ऐसे में ट्रस्ट के भीतर वित्तीय अनियमितताओं और चढ़ावे की चोरी की खबरों ने पूरे देश के श्रद्धालुओं की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचायी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में केवल आंतरिक जांच पर्याप्त नहीं है, बल्कि एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और व्यापक जांच करवायी जानी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आये और दोषियों को कानून के अनुसार दंड मिल सके। श्री खरगे ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर पत्र साझा करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी को हमारा संयुक्त पत्र, जिसमें श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों में स्वतंत्र और व्यापक जांच की मांग की गयी है। अपनी मेहनत की कमाई श्रद्धा, भक्ति और विश्वास के साथ दान करने वाले लाखों श्रद्धालु इस चोरी से खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

नेपाल में लगातार बारिश से कोसी उफान पर, बराज से 2.09 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया

एजेंसी

सुपौल, 19 जुलाई (हि.स.)। नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश का असर अब कोसी नदी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। रविवार को कोसी बराज से पानी के बहाव में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। शाम चार बजे तक बराज से कुल 2,09,840 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिसके बाद तटवर्ती क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। जल संसाधन विभाग ने तटबंधों और संवेदनशील स्थलों पर निगरानी तेज कर दी है। जल संसाधन विभाग के कंट्रोल रूम से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोसी बराज के डाउन स्ट्रीम में 2,06,440 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया। वहीं, पूर्वी कोसी मुख्य नहर में पानी का प्रवाह शून्य रहा, जबकि पश्चिमी कोसी मुख्य नहर में 3,400 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इस

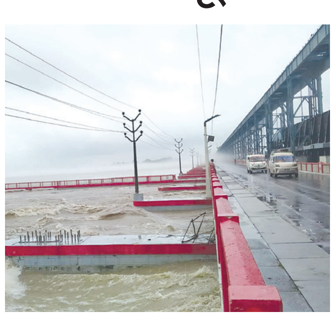

प्रकार बराज से कुल 2,09,840 क्यूसेक जलप्रवाह दर्ज किया गया, जिसमें लगातार वृद्धि की प्रवृत्ति बनी हुई है। विभाग के अनुसार, नेपाल के बराह क्षेत्र (अपस्ट्रीम) में रविवार शाम चार बजे जलप्रवाह 1,56,000 क्यूसेक रिकॉर्ड किया गया, जो लगातार बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में वर्षा जारी रहने पर आने वाले घंटों में कोसी के जलप्रवाह में और वृद्धि हो सकती है। जलस्तर में बढ़ोतरी की आशंका को देखते हुए जल संसाधन विभाग के अभियंताओं को तटबंधों, स्परों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग की टीमें लगातार निरीक्षण कर रही हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे की स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। प्रशासन ने कोसी तटवर्ती और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से नदी के किनारे अनावश्यक आवाजाही से बचने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। साथ ही स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों को पूरी तरह सतर्क रहने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि कोसी बराज के 56 फाटकों में से लगभग दो दर्जन फाटक खोलकर अतिरिक्त पानी की निकासी की जा रही है, ताकि बढ़ते जलप्रवाह का सुरक्षित प्रबंधन किया जा सके।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने श्री हरिमंदिर साहिब में टेका माथा

अमृतसर। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान रविवार को अमृतसर स्थित सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब पहुंचे। उन्होंने गुरु घर में नतमस्तक होकर देश-दुनिया की खुशहाली और सरबत के भले के लिए अरदास की। इस दौरान उन्होंने सम्मान स्वरूप पगड़ी भी सजाई। मीडिया से बातचीत करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि श्री हरिमंदिर साहिब आने पर उन्हें हमेशा विशेष आध्यात्मिक ऊर्जा और मानसिक शांति का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों में सकारात्मक शक्ति तथा सही दिशा की पहले से अधिक आवश्यकता है। इसी कामना के साथ वह गुरु घर में अरदास करने पहुंचे हैं। चिराग पासवान ने कहा कि उनके पिता और लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय रामविलास पासवान उनके आदर्श तथा राजनीतिक प्रेरणास्त्रोत हैं। पार्टी उनके बताए मार्ग पर चलते हुए देशभर में अपने संगठन का विस्तार कर रही है।

अभिषेक बनर्जी ने पुलिस पर गैर-कानूनी तोड़-फोड़ का आरोप लगाया

एजेंसी

नयी दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल पुलिस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने उनका ऑफिस तोड़कर वहां रखा सामान और दस्तावेज़ हटा दिए हैं जबकि यह मामला अभी कलकत्ता हाई कोर्ट में लंबित है।

श्री बनर्जी ने सोशल मीडिया पर रविवार को एक पोस्ट में दावा किया कि तथाकथित ''बुलडोज़र से तोड़-फोड़'' की इस कार्रवाई में उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के निर्देशों को नज़रअंदाज़ किया गया है और यह राज्य में व्याप्त ''अराजकता'' का उदाहरण है। उन्होंने लगाया कि अमतला में उनके लोकसभा क्षेत्र के ऑफिस को कानून का उल्लंघन करते हुए तोड़ा गया। श्री बनर्जी ने कहा, ''बंगाल में अराजकता साफ दिख रही है। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के फैसलों में बुलडोज़र से तोड़-फोड़ को असंवैधानिक करार दिए जाने के बावजूद, कल अमतला में मेरे लोकसभा क्षेत्र के ऑफिस को तोड़ दिया गया।'' तृणमूल कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि वीडियो में पुलिसकर्मी ऑफिस का सामान, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, फर्नीचर और दस्तावेज़ शामिल थे, हटाने में मदद करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''वीडियो में पश्चिम बंगाल पुलिस को भाजपा के लोगों के साथ मिलकर लैपटॉप, प्रिंटर, दस्तावेज़, टेबल, कुर्सियाँ और अन्य फर्नीचर से भरे बक्से ले जाते हुए देखा जा सकता है। यह तोड़-फोड़ नहीं थी बल्कि यह वर्दी में चोरी थी, जिसे कानून के शासन के प्रति पूरी तरह से अनादर दिखाते हुए और उच्च न्यायालय में मामला विचाराधीन होने के बावजूद अंजाम दिया गया। उन्होंने पुलिस पर अपनी संवैधानिक ड्यूटी से मुंह मोड़ने का भी आरोप लगाते हुए कहा , ''जिन लोगों को कानून बनाए रखना चाहिए था, वे ही कानून तोड़ने वाले बन गए हैं। पश्चिम बंगाल पुलिस पर शर्म आती है ! ये आरोप हालिया विधानसभा चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में बढ़े राजनीतिक तनाव के बीच सामने आए हैं, जिसमें तृणमूल कांग्रेस और भाजपा शासन और प्रशासनिक कार्यों को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। श्री बनर्जी के क्षेत्र के ऑफिस को तोड़ा जाना नवीनतम विवाद का मुद्दा बन गया है, जिसमें तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि यह कार्रवाई राजनीतिक रूप से प्रेरित थी और यह मामला न्यायिक विचार-विमर्श के अधीन होने के बावजूद इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

नीट मामले पर विपक्ष ने सोनम वांगचुक को मोहरा बनाया: मल्होत्रा

नयी दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने विपक्षी दलों पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के मुद्दे पर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक हो मोहरा बनाने का आरोप लगाया है। श्री मल्होत्रा ने श्री वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से निजी अस्पताल में भर्ती कराने को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय में दाखिल याचिका पर तत्काल राहत नहीं मिलने पर रविवार को प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि श्री वांगचुक के अनशन मामले में जिस तरह आज दिल्ली उच्च न्यायालय से अंतरिम राहत मांगने के लिए सांसद कपिल सिब्बल और विवेक तनखा जैसे बड़े और महंगे वकील पेश हुए, उससे स्पष्ट हो जाता है कि श्री वांगचुक सामाजिक कार्यकर्ता नाते नहीं, बल्कि बल्कि देश के पूरे विपक्ष के राजनीतिक मोहरे के रूप में धरने पर बैठे थे। उन्होंने कहा कि पुलिस ने श्री वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाने की जो भी कार्रवाई की, वह दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश अनुरूप था और शायद उसी के मद्देनजर न्यायालय ने श्री वांगचुक की ओर से दाखिल याचिका पर अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि ''नीट'' पेपर लीक मामले में आम आदमी पार्टी, वाम दल और कांग्रेस पार्टी की ओर से प्रायोजित इस धरने में श्री वांगचुक अनशन पर 28 जून को बैठे, जबकि ''नीट'' की पुनः परीक्षा 21 जून हो गयी थी। इससे स्पष्ट है कि अनशन का मकसद विद्यार्थियों की समस्याओं उठाना नही, बल्कि संसद के मानसून सत्र के दौरान सड़क से संसद तक हंगामा करना है।

वांगचुक को संसद मार्च में शामिल होने से रोकने के लिए अवैध रूप से हिरासत में रखा गया है : भारद्वाज

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने केंद्र सरकार संचालित सफदरजंग अस्पताल और पुलिस के खिलाफ रविवार को सोनम वांगचुक की पत्नी के लगाये गये आरोपों पर गहरी चिंता जतायी है। उनके दावों का हवाला देते हुए श्री भारद्वाज ने खुलासा किया, ''पुलिस ने श्री वांगचुक को अस्पताल में अवैध रूप से हिरासत में रखा है, ताकि वे सोमवार को होने वाले संसद मार्च में शामिल न हो सकें। इसके साथ ही अस्पताल ने उनकी ब्लड टेस्ट रिपोर्ट को लेकर भी गलत जानकारी दी है। आप नेता ने लोगों से अपील की कि वे सोमवार सुबह नौ बजे जंतर-मंतर पर इकट्ठा हों और सोनम वांगचुक के समर्थन में संसद तक शांतिपूर्ण मार्च में शामिल हों। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने 'एक्स' पर लिखा, ''सोनम वांगचुक की पत्नी ने एक महत्वपूर्ण अपडेट साझा किया है। उन्होंने कहा है कि उन्हें केंद्र सरकार के सफदरजंग अस्पताल पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं है। उनके मुताबिक, अस्पताल उनके ब्लड टेस्ट के बारे में गलत जानकारी दे रहा है। उन्होंने यह भी साझा किया है कि पुलिस ने सोनम वांगचुक को अस्पताल के भीतर अवैध रूप से हिरासत में रखा है। एक वीडियो संदेश में श्री भारद्वाज ने कहा, ''श्री सोनम वांगचुक की पत्नी ने उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर बेहद गंभीर और चौंकाने वाला अपडेट साझा किया है। उन्होंने कहा है कि उन्हें केंद्र सरकार के सफदरजंग अस्पताल पर भरोसा नहीं है। इससे पहले, अस्पताल ने उन्हें बताया था कि श्री वांगचुक का पोटेशियम स्तर खतरनाक रूप से गिर गया है और उनकी जान को खतरा है। चूंकि उन्हें अस्पताल की बातों पर भरोसा नहीं था, इसलिए उन्होंने स्वतंत्र रूप से उनके खून के नमूने एक प्रयोगशाला में भेजे। जब आज सुबह टेस्ट के नतीजे आये तो वे चौंकाने वाले थे, क्योंकि श्री वांगचुक का पोटेशियम स्तर पूरी तरह से सामान्य था।

पेज एक का शेष

संसद में ...

कहना है कि धार्मिक आस्था से जुड़े इस विषय पर पूरी पारदर्शिता आवश्यक है और यदि किसी स्तर पर वित्तीय अनियमितता हुई है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। सरकार और मंदिर ट्रस्ट पहले ही इस मामले में विभिन्न स्तरों पर जांच की बात कह चुके हैं, लेकिन विपक्ष संसद के भीतर इस पर विस्तृत चर्चा और जवाबदेही की मांग करेगा। एथेनॉल मिश्रण नीति को लेकर भी संसद में जोरदार बहस होने की संभावना है। सरकार इसे ऊर्जा सुरक्षा, किसानों की आय बढ़ाने और पेट्रोलियम आयात कम करने की दिशा में बड़ा कदम बता रही है। दूसरी ओर विपक्ष का आरोप है कि गन्ना, मक्का और अन्य फसलों के उपयोग, खाद्य सुरक्षा और उद्योगों को मिलने वाले लाभ के बीच संतुलन पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। विपक्ष इस नीति के आर्थिक और सामाजिक प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की मांग करेगा। सर्वदलीय बैठक में सबसे अधिक चर्चा दल-बदल और बागी सांसदों को लेकर हुई। तृणमूल कांग्रेस से अलग हुए सांसदों के समूह को लेकर उठे विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया कि आने वाले दिनों में संसद के भीतर राजनीतिक दलों की मान्यता, व्हिप और संसदीय परंपराओं पर भी बहस तेज होगी। सरकार का कहना है कि किसी भी सांसद के अधिकारों का हनन नहीं होना चाहिए, जबकि विपक्ष का आरोप है कि संवैधानिक प्रक्रियाओं को दरकिनार कर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की जा रही है। यह मुद्दा केवल तृणमूल तक सीमित नहीं है। आम आदमी पार्टी ने भी अपने राज्यसभा सांसदों के संदर्भ में दल-बदल और मान्यता संबंधी प्रश्न उठाकर इसे व्यापक राजनीतिक बहस का विषय बना दिया है। मानसून सत्र का सबसे महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रभाव वाला विषय परिसीमन भी माना जा रहा है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने सर्वदलीय बैठक में स्पष्ट कहा कि दक्षिणी राज्यों के हितों से कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा। द्रमुक सांसद तिरुचि शिवा ने सरकार से महिला आरक्षण लागू करने की समय-सीमा और परिसीमन की प्रक्रिया पर स्पष्ट नीति घोषित करने की मांग की। उनका कहना है कि यदि नई व्यवस्था से दक्षिण भारत के राज्यों का प्रतिनिधित्व प्रभावित होता है तो परिसीमन को कुछ वर्षों के लिए टालने पर विचार होना चाहिए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि परिसीमन का प्रश्न केवल सीटों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राज्यों के राजनीतिक संतुलन, संघीय ढांचे और भविष्य की सत्ता संरचना से भी जुड़ा हुआ है। ऐसे में इस विषय पर संसद में लंबी और गंभीर बहस की संभावना है। बैठक के दौरान पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर भी राजनीतिक नोकझोंक देखने को मिली। जनता दल (यू) और वाम दलों के नेताओं के बीच इस विषय पर तीखी टिप्पणियां हुईं। माना जा रहा है कि विदेश नीति, वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, महंगाई, बेरोजगारी और कृषि संकट जैसे मुद्दे भी सत्र के दौरान प्रमुखता से उठेंगे। विपक्ष इन विषयों पर सरकार से जवाब मांगने की तैयारी में है, जबकि सरकार अपनी उपलब्धियों और विकास योजनाओं को सामने रखकर जवाब देने की रणनीति बना रही है। मानसून सत्र के पहले ही दिन विपक्ष स्थगन प्रस्ताव और विभिन्न नियमों के तहत चर्चा की मांग कर सकता है। सरकार विधायी कार्यों को प्राथमिकता देना चाहती है, जबकि विपक्ष पहले जनहित और राजनीतिक विवादों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कराने पर जोर देगा। ऐसे में शुरुआती दिनों में सदन के भीतर तीखी नोकझोंक और व्यवधान की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

कॉल प्रबंधन एप्स...

का नकारात्मक टैग लगाने से उपभोक्ता को नुकसान हो सकता है। वहीं, 140 सीरीज का इस्तेमाल विभिन्न क्षेत्रों की पंजीकृत कंपनियां प्रचार कॉल के लिए करती हैं। ट्राई का कहना है कि यदि कोई उपभोक्ता ऐसी कॉल नहीं चाहता, तो उसे डीएनडी प्रणाली के माध्यम से अपनी पसंद तय करने का विकल्प दिया जाना चाहिए, न कि कॉल पर नकारात्मक लेबल दिखाया जाए। वहीं, ट्रूकॉलर का दावा है कि वह अब 140 और 1600 सीरीज के नंबरों को 'स्पैम' नहीं दिखाता। इसके बजाय केवल 'फ्रीक्वेंटली ब्लॉक्ड' (अक्सर ब्लॉक किए जाने वाले) टैग प्रदर्शित करता है, जो उपयोगकर्ताओं द्वारा कॉल ब्लॉक किए जाने के पैटर्न और उसके एल्गोरिद्म पर आधारित होता है। कंपनी का कहना है कि इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं की सुरक्षा करना है और यह मौजूदा नियमों के अनुरूप है।

जम्मू में बारिश...

ढहने से नाजिया कौसर (28) की मौत हो गई। उनके पति मोहम्मद हाफिज और दो से छह वर्ष के तीन बच्चों को मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। सुरनकोट के संगलानी क्षेत्र में मकान ढहने से शाहजैब अहमद (22) की मौत हो गई, जबकि मरहोट क्षेत्र में इरम नामक एक नाबालिग लड़की नाले में डूब गई। इसके अलावा, धुंधक लाभूग पुल के पास एक नाले से अज्ञात महिला का शव भी बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि पुंछ जिले की हवेली तहसील में लगभग छह मकान ढह गए। इसमें एक शख्स की मौत हो गई। उधर, राजौरी में बारिश के बाद आई बाढ़ के दौरान एक नदी से महिला का शव बरामद किया गया। शनिवार रात से लगातार हो रही बारिश के कारण निचले इलाकों में बाढ़ का पानी भर गया है। इस कारण सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। लगातार बारिश और क्षतिग्रस्त सड़कों के कारण राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित हुआ है।

सैनिकों की मौत....

महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। वहां के लोगों में यह चिंता बढ़ रही है कि संघर्ष लंबा खिंच सकता है। कुवैत के अधिकारियों ने रविवार को कहा कि ईरान के हमले में बिजली और जल के एक संयंत्र में लगातार दूसरे दिन आग लग गई। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब तेहरान अमेरिकी हमलों के जवाब में खाड़ी क्षेत्र में हमले कर रहा है।

ब्लॉक प्रमुख भी...

प्रमुख केवल नियमित और आवश्यक प्रशासनिक कार्यों का ही संचालन करेंगे। किसी भी प्रकार का नीतिगत या विशेष महत्व का निर्णय बिना जिलाधिकारी की स्वीकृति के नहीं लिया जाएगा। नई क्षेत्र पंचायतों की पहली बैठक होते ही यह अंतरिम व्यवस्था स्वतः समाप्त हो जाएगी। इस फैसले से प्रदेश की सभी क्षेत्र पंचायतों में विकास योजनाओं और दैनिक प्रशासनिक कार्यों की निरंतरता बनी रहेगी। साथ ही नई निर्वाचित क्षेत्र पंचायतों के गठन तक प्रशासनिक शून्यता की स्थिति भी नहीं बनेगी। शासनादेश के अनुसार, यदि किसी कारण नई क्षेत्र पंचायतों का गठन तत्काल नहीं हो पाता है तो निर्वतमान ब्लॉक प्रमुख अधिकतम छह माह तक प्रशासक के रूप में कार्य करेंगे। इस अवधि में केवल नियमित कार्यों का संचालन होगा, जबकि नीतिगत निर्णयों के लिए जिलाधिकारी की अनुमति अनिवार्य रहेगी।

बंगाल की कानून...

भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और बीएसएफ के लिए 77.06 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। गृह मंत्रालय के अनुसार, अमित शाह ने सिलीगुड़ी के पास बीएसएफ की एक चौकी का दौरा किया। उन्होंने स्वदेशी और अत्याधुनिक सीमा सुरक्षा तकनीकों का निरीक्षण किया, जिसमें रेडियो-आधारित 'फेंस ब्रीच डिटेक्शन सिस्टम' (बाड़ तोड़ने का पता लगाने वाला सिस्टम) भी शामिल था। यह सिस्टम बाड़ के साथ छेड़छाड़ होने पर तुरंत जवानों को सतर्क कर देता है। उन्होंने 47 करोड़ रुपये की तीन बीएसएफ परियोजनाओं और बंगाल में सीमा पर दो चौकियों के लिए अधिग्रहित जमीन पर 30 करोड़ रुपये की लागत से चार किलोमीटर लंबी सीमा बाड़ के निर्माण की आधारशिला भी रखी। केंद्रीय गृह मंत्री ने नेशनल लाइब्रेरी परिसर में भारत के पहले भाषा संग्रहालय 'शब्दलोक' का उद्घाटन किया। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की देखरेख में नेशनल लाइब्रेरी द्वारा विकसित यह संग्रहालय भारत की समृद्ध भाषाई विरासत को दिखाता है। 'शब्दलोक' का पहला चरण भारतीय भाषाओं, लिपियों और साहित्य की विविधता को दर्शाता है। इस संग्रहालय में नौ गैलरी हैं, जो भाषाओं के इतिहास के विभिन्न पहलुओं और भारत की सभ्यता व संस्कृति पर उनके प्रभाव को उजागर करती है। इसका उद्देश्य भाषा को एक जीवंत इकाई के रूप में प्रस्तुत करना है, जिसने लगातार समाज को आकार दिया है।

हर नागरिक...

पर जोर दिया, कहा कि इसका उपयोग करके डेढ़-दो घंटे पहले भी बता सकते हैं कि कि किस एरिया में आकाशीय बिजली गिरने वाली है। उन्होंने कहा कि 40 साल पहले तकनीक नहीं थी, फिर भी बताया जाता था कि बादल नजदीक हों और लगता हो कि आपस में घने व विशेष रंग के हैं तो सावधानी बरतने की आवश्यकता है। ऐसे में खुले स्थान या पेड़ के न खड़ा होना है और न ही लोहे या कोई धातु की वस्तु लेकर चलना है, बल्कि पक्के भवन के नीचे शरण लेनी है। सीएम के संबोधन में पिछले दिनों यूपी में एक ही एक घंटे में हुई 111 मौत का दर्द भी झलका। उन्होंने बताया कि फतेहपुर, प्रयागराज, कौशांबी, मीरजापुर, भदोही, जौनपुर, आजमगढ़, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर आदि जनपदों में कुल मिलाकर 111 लोगों की मौत हुई थी। प्राधिकरण की बैठक में चिंता व नाराजगी व्यक्त करते हुए सीएम ने कहा था कि इन मौतों को न्यूनतम करने में सहायता की जा सकती है। उन्होंने अर्ली वार्निंग सिस्टम को प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया था। बैठक के ठीक तीसरे दिन एनडीआरएफ/एफडीआरएफ व राष्ट्रीय/राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने समन्वय से उस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने सहारनपुर में शिवालिक पहाड़ियों में रात में अचानक आई बारिश की घटना का भी वृतांत बताया। कहा कि उस समय शाकुंभरी मंदिर में हजारों लोग जागरण व भंडारा कार्यक्रम में थे। ऊपर से देखते ही देखते चार-पांच फुट पानी तेजी से नदियों में बढ़ गया, लेकिन इससे पहले अलर्ट आते ही प्रशासन ने सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया। यदि इन लोगों को हटाया नहीं गया होता तो सैकड़ों जानें जा सकती थीं, लेकिन अर्ली वार्निंग सिस्टम के कारण मोबाइल घनघनाने लगे और सभी लोग जागरूक हो गए, जिससे बड़ी जन-धनहानि रोकी गई। इस अवसर पर वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, राजस्व राज्यमंत्री सुरेंद्र दिलेर, महापौर सुषमा खर्कवाल, सरोजिनी नगर क्षेत्र के विधायक राजेश्वर सिंह, प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी, प्रमुख सचिव (राजस्व) अपर्णा यू, पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा आदि मौजूद रहे। सीएम ने बाढ़, आकाशीय बिजली, अतिवृष्टि, अग्निकांड, भवन के धराशायी होने संबंधी प्राकृतिक व भौतिक आपदा की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जिसने मानव-वन्य जीव द्वंद्व को भी आपदा की श्रेणी में रखकर राहत देने का कार्य किया। सीएम ने दो दिन पहले बहराइच में हुई घटना पर दुख जताया। कहा कि 12 साल के बच्चे को मगरमच्छ ने निगल लिया। सभी लोग मगरमच्छ वाले संवेदनशील क्षेत्र के साथ ही यह भी जानते हैं कि वे पूरे जीवन में चार-पांच किमी. के दायरे में ही रहता है। ऐसे में जीव-जंतु से जबर्दस्ती खिलवाड़ न करें। सीएम ने दुख जताया कि ऐसी घटना के समय लोग वीडियो बनाते रहते हैं, लेकिन बचाव पर ध्यान नहीं देते। सीएम ने कहा कि प्राधिकरण आपदा प्रबंधन से जुड़े बेहतरीन संस्थानों से समन्वय और एमओयू करे। हर तबके के लोगों को प्रशिक्षण से जोड़े। मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म के जरिए भी जागरूकता फैलाए और सावधानी/सतर्कता के बारे में बताएं। सीएम ने जनपद, तहसील, थाना, विकास खंड, नगर निकायों में भी मॉकड्रिल को बढ़ाने पर जोर दिया, उन्होंने कहा कि सभी 17 नगर निगम एसडीएमए के उपकेंद्र के रूप में आपदा प्रबंधन के कार्यक्रम को बढ़ाएं। लगभग पांच लाख की आबादी वाली 200 से अधिक नगर पालिका परिषद में भी पहुंचें। सीएम ने कहा कि आने वाले समय में तकनीक डे-वन डिजास्टर मैनेजमेंट को कैसे प्रभावी बनाने के लिए सेटेलाइट व रिमोट सेंसिंग मॉनीटरिंग, एआई पर आधारित रिस्क मैपिंग, प्रीडेक्टिव एनालिटिक्स आधारित अर्ली वार्निंग सिस्टम, मोबाइल बेस्ड सिटीजन अलर्ट सिस्टम, जीआईएस आधारित डिसिजन मेकिंग एंड डिजिटल कंट्रोल रूम, ड्रोन आधारित सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन का और अधिक इंटीग्रेट यूज बताया।

मुख्यमंत्री ने बागमती-बूढ़ी गंडक नदी जोड़ परियोजना लिंक चैनल का किया लोकार्पण

अटल जी के सपनों को मोदी के नेतृत्व में धरातल पर उतारा गया : सम्राट चौधरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को शिवहर जिले के पिपराही प्रखंड के बेलवा में आयोजित समारोह में बागमती-बूढ़ी गंडक नदी जोड़ परियोजना के तहत बेलवा (शिवहर)-मीनापुर (मुजफ्फरपुर) लिंक चैनल (बेलवाधार) का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों को साकार करने के उद्देश्य से नदी जोड़ परियोजनाओं की परिकल्पना की गई थी और आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बिहार में इन महत्वाकांक्षी योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। इससे राज्य में समेकित जल संसाधन प्रबंधन को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेलवा-मीनापुर लिंक चैनल बागमती नदी के अतिरिक्त जल को बूढ़ी गंडक नदी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। इसके संचालन से बाढ़ के दौरान अतिरिक्त जल का बेहतर प्रबंधन संभव होगा, जिससे बाढ़ की तीव्रता कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि लगभग 68.80 किलोमीटर लंबी इस लिंक चैनल परियोजना का निर्माण 130.88 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। यह परियोजना बागमती बाढ़ प्रबंधन योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इससे क्षेत्र के लाखों किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

सम्राट चौधरी ने कहा कि इस परियोजना से सिंचाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, कृषि उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की आय में इजाफा होगा। साथ ही मत्स्य पालन सहित कृषि आधारित अन्य गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि परियोजना भू-जल पुनर्भरण, हरित आवरण के विस्तार, पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार सरकार जल संसाधनों के वैज्ञानिक और समग्र प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण तथा किसानों की समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। नदी

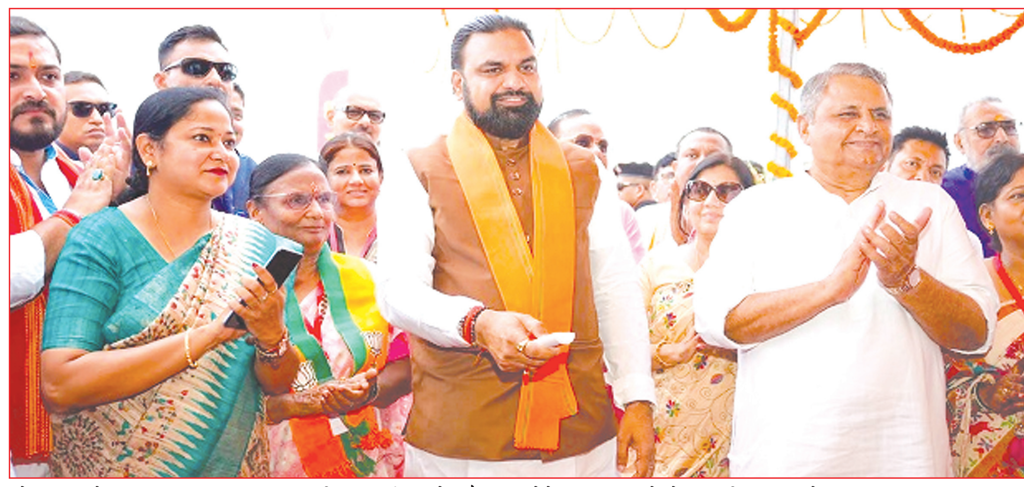

जोड़ परियोजनाएं विकसित बिहार की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल हैं और राज्य के सतत विकास का मजबूत आधार बनेंगी। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने बेलवा-मीनापुर लिंक चैनल का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों का जायजा लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने शिवहर जिले के लिए लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत वाली 40 विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इनमें 22 योजनाओं का उद्घाटन तथा 18 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर जीविका, उद्योग विभाग, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग तथा बिहार पुलिस की अभया ब्रिगेड और साइबर क्राइम इकाई द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का भी अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न विभागों की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी ली तथा अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने शिवहर जिले के 4,550 जीविका स्वयं सहायता समूहों को 25 करोड़ 35 लाख रुपये का सांकेतिक चेक भी प्रदान किया। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का मजबूत माध्यम बन रहे हैं और राज्य सरकार उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान कर रही है। इस अवसर पर केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी, समाज कल्याण मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री लखेंद्र कुमार रौशन, सांसद लवली आनंद, सांसद देवेश चंद्र ठाकुर, विधायक अमित कुमार, विधान परिषद सदस्य बंशीधर बृजवासी और रेखा कुमारी, पूर्व सांसद रमा देवी, जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अभियंता तथा बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बीएयू में स्नातकोत्तर एवं पीएचडी प्रवेश परीक्षा संपन्न

भागलपुर। बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के स्नातकोत्तर (एम.एससी.) एवं पी.एच.डी. कार्यक्रमों में नामांकन के लिए आयोजित प्रतियोगी प्रवेश परीक्षा रविवार को शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए पूर्व से ही कक्षवार सीट प्लान जारी किया गया था तथा परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए सभी आवश्यक प्रशासनिक एवं सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर अनुशासन एवं पारदर्शिता बनाए रखी गई एम.एससी. कार्यक्रम में नामांकन के लिए कुल 1,331 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 1,242 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जो कुल आवेदनों का 93.31 प्रतिशत है। उपस्थित अभ्यर्थियों में 741 लड़के (55.67 प्रतिशत) तथा 501 लड़कियां (37.64 प्रतिशत) शामिल रहीं। वहीं पीएच.डी. कार्यक्रम में नामांकन के लिए कुल 357 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 305 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

20 लाख से अधिक के रत्न चोरी का खुलासा ई-रिक्शा चालक समेत दो गिरफ्तार

■ 90 फीसदी कीमती पत्थर बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के डीबीजी रोड थाना पुलिस ने करीब 20 से 22 लाख रुपये के कीमती रत्न चोरी के मामले का खुलासा करते हुए ई-रिक्शा चालक समेत दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी गए रत्नों का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा बरामद कर लिया है। वारदात में इस्तेमाल किया गया ई-रिक्शा भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस अब बाकी बचे रत्नों की बरामदगी और आरोपियों की अन्य मामलों में संलिप्तता की जांच कर रही है।

मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने रविवार को बताया कि 15 जुलाई को जयपुर निवासी एक रत्न कारोबारी ने डीबीजी रोड थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। कारोबारी ने बताया कि वह करोल बाग से दरियागंज जाने के लिए ई-रिक्शा में सवार हुआ था। रानी झांसी रोड स्थित पेट्रोल पंप के सामने किसी ने उसका हैंडबैग चोरी कर लिया। बैग में नौ पाउच में रखे करीब 20 से 22 लाख रुपये मूल्य के कीमती रत्न थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने करोल बाग से लेकर घटनास्थल तक के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही तकनीकी निगरानी, स्थानीय स्तर पर पूछताछ और मुखबिरों से मिली सूचनाओं के आधार पर

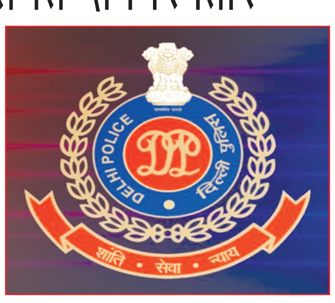

संदिग्धों की पहचान की गई। जांच के बाद 17 जुलाई को धौला कुआं बस स्टॉप के पास से विक्की सोलंकी (19) और उसकी साथी अनीता उर्फ अन्नू (26) को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों रघुबीर नगर के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, वारदात में ई-रिक्शा चालक और उसकी साथी ने मिलकर कारोबारी का बैग चोरी किया था और बाद में उसमें रखे रत्न छिपा दिए थे। पूछताछ में दोनों आरोपितों ने चोरी की वारदात में अपनी भूमिका स्वीकार कर ली। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी गए रत्नों का बड़ा हिस्सा बरामद किया। बरामदगी में 760 कैरेट गुलाबी रंग के पत्थर, 580 कैरेट चेरी रंग के पत्थर, 68 कैरेट बड़े चेरी रंग के पत्थर, 189 कैरेट चेरी रंग के चौकोर पत्थर, 32 कैरेट नीले रंग के छोटे पत्थर, 45 हल्के गुलाबी रंग के पत्थर और एक बड़ा हरे रंग का कीमती पत्थर शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि कुल चोरी गए रत्नों में से लगभग 90 प्रतिशत बरामद कर लिए गए हैं। दोनों आरोपितों को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि क्या दोनों ने इसी तरह की अन्य वारदातों को भी अंजाम दिया है।

संत निरंकारी मिशन के रक्तदान शिविर में 302 श्रद्धालुओं ने किया रक्तदान

चंडीगढ़। चंडीगढ़ मे संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को सेक्टर-15डी स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में सेक्टर-15 और सेक्टर-40 शाखा की ओर से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में महिलाओं सहित 302 श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।

शिविर का उद्घाटन चंडीगढ़ जोन के जोनल इंचार्ज ओ.पी. निरंकारी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संत निरंकारी मिशन का संदेश ''मानव को मानव हो प्यारा, एक-दूजे का बने सहारा'' केवल नारा नहीं, बल्कि सेवा और मानवता की जीवनशैली है।

उन्होंने बताया कि मिशन 1986 से लगातार रक्तदान अभियान चला रहा है और अब तक देशभर में 9 हजार से अधिक शिविरों के माध्यम से 15 लाख से ज्यादा यूनिट रक्त एकत्र किया जा चुका है।

दिल्ली सरकार 'हर घर तिरंगा' अभियान में एसएचजी से तैयार कराएगी दो लाख तिरंगे, 15 लाख वितरित करने का लक्ष्य

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा-2026' अभियान को जनभागीदारी, देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना से जोड़ने के लिए तैयारी कर रही है। इस अभियान में दिल्ली के स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को महत्वपूर्ण भागीदार बनाया गया है। दिल्ली सरकार पात्र स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से करीब दो लाख राष्ट्रीय ध्वज तैयार कराएगी। इन समूहों से तैयार किए गए तिरंगों का उपयोग इस अभियान में किया जाएगा। दिल्ली सरकार का पूरी दिल्ली में 15 लाख से अधिक राष्ट्रीय ध्वज वितरित करने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान केवल राष्ट्रीय ध्वज फहराने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह

देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इस अभियान को समाज के हर वर्ग की भागीदारी से सफल बनाने के साथ-साथ स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को राष्ट्रीय ध्वज निर्माण से जोड़ने का निर्णय सरकार की उस सोच का हिस्सा है, जिसमें जनकल्याणकारी अभियानों के साथ आजीविका के अवसरों को भी जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तैयार करने वाले स्वयं सहायता समूहों के सदस्य देश के गौरव और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक तिरंगे के निर्माण में सीधे योगदान देंगे। इससे उन्हें आर्थिक अवसर मिलने के साथ ही देशव्यापी अभियान का हिस्सा बनने का गौरव भी प्राप्त होगा। राज्य शहरी आजीविका मिशन (एसयूएलएम), दिल्ली सरकार द्वारा चिन्हित और संगठित पात्र स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से दो लाख राष्ट्रीय ध्वज तैयार किए जाएंगे। एसयूएलएम शहरी गरीबों की आजीविका को मजबूत करने के लिए स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देने, कौशल विकास, उद्यमिता और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रहा है। राष्ट्रीय ध्वज निर्माण से इन समूहों को अपनी सामुदायिक संस्थाओं के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से योगदान देने और स्थायी आजीविका के अवसरों को मजबूत करने का अवसर मिलेगा।

सेक्टर-10 कोठी में युवती की मौत पर बवाल परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-10 स्थित भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईपीएस) के एक अधिकारी की कोठी में 18 वर्षीय युवती ताप्ती का शव मिलने के मामले में रविवार को नया मोड़ आ गया। सेक्टर-16 अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के दौरान परिजनों ने हंगामा करते हुए युवती की हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया। इस दौरान पुलिस और परिजनों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। परिजनों का आरोप है कि उन्हें युवती की मौत की सूचना देर से दी गई और जब वे कोठी पहुंचे तो उन्हें न तो शव देखने दिया गया और न ही उस कमरे में जाने दिया गया, जहां शव मिला था। उनका कहना है कि पुलिस पहले ही शव को अस्पताल ले गई थी।

फतेहपुर बेरी में इवेंट मैनेजमेंट के गोदाम में भीषण आग, 15 दमकल गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद पाया काबू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के फतेहपुर बेरी थाना क्षेत्र स्थित स्वरूप कॉलोनी में रविवार सुबह इवेंट मैनेजमेंट के सामान और फर्नीचर से भरे एक गोदाम में भीषण आग लग गई। आग की सूचना सुबह करीब 6:42 बजे दिल्ली दमकल विभाग को मिली। देखते ही देखते आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग ने चरणबद्ध तरीके से कुल 15 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजा। दमकल विभाग के अनुसार, आग इवेंट मैनेजमेंट में इस्तेमाल होने वाले टेंट, सजावटी सामान और फर्नीचर के गोदाम में लगी थी। गोदाम में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामान होने के

कारण आग तेजी से फैल गई। शुरुआती प्रयासों के बाद आग की गंभीरता बढ़ने पर अतिरिक्त दमकल वाहनों को लगातार रवाना किया गया। राहत और बचाव कार्य के दौरान सबसे बड़ी चुनौती गोदाम तक पहुंचने वाली संकरी और पतली गलियां रहीं। बड़े दमकल वाहन अंदर तक नहीं पहुंच सके, जिसके चलते बाद में विशेष रूप से चार स्मॉल वाटर टेंडर भी भेजे गए। दमकल कर्मियों ने कई घंटे तक लगातार पानी की बौछार कर आग को फैलने से रोका। करीब सुबह 8:40 बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। इसके बाद भी गोदाम में धुआं और गर्मी बनी रहने के कारण दमकल विभाग ने कूलिंग ऑपरेशन जारी रखा, ताकि दोबारा आग भड़कने की आशंका न रहे। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि गोदाम में रखा टेंट, फर्नीचर और अन्य सामान आग की चपेट में आने से भारी नुकसान होने की आशंका है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और दमकल विभाग मामले की जांच कर रहे हैं। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट सहित अन्य संभावित कारणों को भी ध्यान में रखकर पड़ताल की जा रही है।

सुधरा स्वास्थ्य तंत्र : पौड़ी गढ़वाल में मातृ मृत्यु दर में भारी गिरावट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तरांखंड के पौड़ी गढ़वाल में स्वास्थ्य क्रांति का असर धरातल पर दिखने लगा है, जहाँ संस्थागत प्रसव का आंकड़ा अब 92 प्रतिशत तक पहुँच गया है। सुरक्षित मातृत्व और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते न केवल मातृ-शिशु मृत्यु दर में भारी गिरावट आई है, बल्कि जिले की चिकित्सा व्यवस्था भी एक नए मुकाम पर पहुंच गई है। पौड़ी गढ़वाल जिले के वर्तमान मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डॉ. शिव मोहन शुक्ला के अनुसार, स्वास्थ्य सेवाओं में हुए सुधारों का सकारात्मक प्रभाव जनपद के स्वास्थ्य सूचकांकों में भी स्पष्ट दिखाई दे रहा है। मातृ मृत्यु दर 113 से घटकर 91 तथा शिशु मृत्यु दर 34 से घटकर 27 हो गई है। कुल प्रजनन दर 2.1 से घटकर 1.8 पर पहुंची है। प्रथम तिमाही गर्भ पंजीकरण 56 प्रतिशत से बढ़कर 82 प्रतिशत, चार एएनसी जांच 62 प्रतिशत से बढ़कर 100 प्रतिशत, गर्भवती महिलाओं का पूर्ण टीकाकरण 92 से बढ़कर 96 प्रतिशत तथा शिशुओं का पूर्ण टीकाकरण 92 से बढ़कर 98 प्रतिशत हो गया है। संस्थागत प्रसव 63 प्रतिशत से बढ़कर 92 प्रतिशत तथा लिंगानुपात 941 से बढ़कर 956 तक पहुंच गया है। उनके मुताबिक, पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण बनाने के संकल्प के साथ, पौड़ी गढ़वाल की स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक बदलाव से यह संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में चिकित्सा अवसंरचना के

92 फीसद प्रसव अब अस्पतालों में

आधुनिकीकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले के स्वास्थ्य सूचकांकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने पौड़ी गढ़वाल की स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक बदलाव की जानकारी देते हुए बताया कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में भी जनपद ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्ष 2019-20 में जहां केवल तीन चिकित्सा इकाइयों में अल्ट्रासाउंड सुविधा उपलब्ध थी, वहीं आज यह सुविधा नौ चिकित्सा इकाइयों तक विस्तारित हो चुकी है। 'खुशियों की सवारी' योजना के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य जांच, सुरक्षित परिवहन तथा संस्थागत प्रसव की सुविधा सुनिश्चित की जा रही है। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा भी निरंतर बढ़ाया गया है। वर्ष 2019-20 में जहां 108 एम्बुलेंस सेवा 17 स्थानों पर उपलब्ध थी, वहीं अब यह सेवा 28 स्थानों तक विस्तारित हो चुकी है। इसके अतिरिक्त 11 'खुशियों की सवारी' वाहन गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित रूप से स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। जिले में स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने के लिए थलीसैंण में उपजिला चिकित्सालय का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अंतर्गत दो ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट संचालित हैं, जबकि सात नई इकाइयों का निर्माण कार्य जारी है।

जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने सिख एकता और मिरी-पीरी के सिद्धांत पर दिया जोर

अमृतसर। श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने अपने ब्रिटेन दौरे के दौरान शनिवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, साउथॉल में आयोजित गुरमत समागम में संगत को संबोधित करते हुए सिख एकता, युवा पीढ़ी की भागीदारी और मिरी-पीरी के सिद्धांत को अपनाने का आह्वान किया। रविवार को यहां जारी बयान के अनुसार समागम से पहले जत्थेदार गड़गज्ज ने गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों के साथ विशेष बैठक की। बैठक में खालसा पंथ, पंजाब और सिख युवाओं की प्रगति, एकता और भविष्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। समिति के सदस्यों ने कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे, जिन पर जत्थेदार ने विस्तृत लिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कहा। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा साउथॉल के अध्यक्ष सरदार गुरमेल सिंह मल्ही और मंच संचालक सरदार मनजीत सिंह ने जत्थेदार गड़गज्ज का स्वागत करते हुए उनकी सेवाओं की सराहना की।

मुख्यमंत्री धामी ने 'समावेशी शिक्षा मिशन-2030' का किया शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को देहरादून के राजपुर रोड स्थित एक निजी होटल में शाइन अवी लर्निंग के 'समावेशी शिक्षा मिशन-2030' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए विजुअल लर्निंग करिकुलम पर आधारित विभिन्न पुस्तकों एवं शिक्षण सामग्री का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल शिक्षा को अधिक सरल, प्रभावी और समावेशी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उद्देश्य बच्चों में समझ, नवाचार, आत्मविश्वास और जीवनोपयोगी कौशल विकसित करना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, पीएम श्री विद्यालय, अटल उत्कृष्ट विद्यालय, डिजिटल शिक्षण सामग्री तथा विज्ञान एवं नवाचार आधारित शिक्षा को बढ़ावा दे रही

है। समावेशी शिक्षा को मजबूत करने के लिए विद्यालयों में रैंप, रेलिंग, सुगम शौचालय, अनुकूलित फर्नीचर और स्वच्छ पेयजल जैसी सुविधाएं विकसित की गई है। श्री धामी ने कहा कि प्रदेश में लगभग 5,800 विशेष आवश्यकता वाले बच्चे विभिन्न स्तरों पर विद्यालयों में पंजीकृत हैं। राज्य सरकार के 11 विशेष विद्यालयों के माध्यम से 1,300 से अधिक बच्चों को विशेष शिक्षण एवं पुनर्वास सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक एवं माध्यमिक स्तर पर 300 से अधिक विशेष शिक्षकों की नियुक्ति की जा चुकी है तथा शेष रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रत्येक बच्चे को उसकी क्षमता के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराना है, ताकि वह नए भारत के निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सके। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल परीक्षा के लिए नहीं, बल्कि जीवन के लिए तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने शिक्षाविद अनीता शर्मा और शाइन अवी लर्निंग की टीम की सराहना करते हुए कहा कि विदेश से लौटकर उत्तराखंड में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार करना रिवर्स पलायन का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अनेक प्रवासी अपने गांव लौटकर राज्य के विकास में योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड ने समान नागरिक संहिता लागू करने, सतत विकास लक्ष्यों की रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त करने तथा सख्त नकल विरोधी कानून लागू करने जैसे अनेक क्षेत्रों में देश के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है। कार्यक्रम में विधायक मुन्ना सिंह चौहान, अपर सचिव बंशीधर तिवारी, मीडिया सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष धीरेंद्र पंवार, शिक्षाविद अनीता शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - **राकेश कुमार पाण्डेय** कार्यकारी सम्पादक* - **अरशद सईद खान** स्टेट हेड - **संदीप मिश्रा**

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063